

महाशय, क्या यह अंत समय का चिन्ह है?



आपका बहुत-बहुत, धन्यवाद, भाई नेविल।

शुभ संध्या, मेरे बहुमूल्य मित्रों। आज रात एक बार फिर से वापस आकर बहुत ही खुश हूँ, हमारे प्रभु, हमारे परमेश्वर की सेवा में।

2 [भाई नेविल कहते हैं, “यहाँ पर यह वाला माईक चालू है।”—सम्पा।] यह वाला माईक चालू है, यही है। ओह, हाँ। यह अच्छा है।

3 मैंने आज सुबह आपको इतनी देर तक रोके रखा, कि मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि मुझे आज रात बहुत ही जल्दी करना होगा। उम्म—हुंह, उह—हुंह, उह—हुंह। ओह, यह कितना खराब लगता है, और लोग खड़े रहते हैं, और आज रात यह उतना ही बुरा है। इसलिए, अब ज़्यादा समय नहीं लगेगा जब तक हमारे पास आपके बैठने के लिए कोई स्थान ना हो, देखो, जैसे ही कलीसिया का निर्माण का काम पूरा हो जाता है। नहीं, लेकिन आज रात हम बहुत ज़्यादा देर तक रुकने की योजना नहीं बना रहे हैं।

4 लेकिन, कल रात, हम कुछ समय बने रहने का लक्ष्य बना रहे हैं। कल रात, यदि आप में से कुछ लोग कल रात आ सकते हैं, तो, हम प्रभु में बहुत अच्छा समय बिताने की अपेक्षा करते हैं। कल रात यहाँ पर कुछ अच्छे लोग होंगे। हम, हम सब के पास समय होगा...

5 [भाई एडगर ब्रन्हम कहते हैं, “ओह, प्रिय, रुकना! मेरे पास आपसे पूछने के लिए एक विनंती है। मैं आपको बताना भूल गया। लेकिन, यहाँ बहुत से लोगों ने कहा कि आप हमेशा जल्दी में होते हैं, सभा समाप्त होते ही बाहर निकल जाते हैं। लेकिन कल रात आप सात से बारह बजे तक जितना समय लेना चाहे ले सकते हैं, यदि आप बस इसे लेने की इच्छा रखते हैं। अब, यही बात है जो यहाँ श्रोतागण ने मुझसे आपसे पूछने के लिए कहा था। तो अब आप उन्हें इसे समझा दीजिए, यदि आप ऐसा नहीं सोचते हैं।”—सम्पा।]

6 हम कल रात मध्य रात को प्रभु भोज की सभा को करने जा रहे हैं। मुझे यकीन है कि आप—आप लेना चाहेंगे... उसमें शामिल होना चाहेंगे। उनमें

से जब बाकी के लोग शोर मचायेंगे और चिल्लायेंगे, और गोली चलायेंगे, और शराब पीयेंगे, और इत्यादि चीजें करेंगे, हम तब परमेश्वर के सामने आदरपूर्वक झुकेंगे [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] और प्रभु भोज को लेंगे, और वर्ष के आरंभ हमारी प्रतिज्ञा के साथ करेंगे, परमेश्वर के प्रति अपने हृदय को समर्पित करेंगे।

7 और कल रात यहां पर निश्चय ही कुछ अच्छे प्रचारक होंगे। वहां कुछ अच्छे... जोर्जिया से भाई यहां पर आए हैं, भाई पाल्मर, एक अद्भुत प्रचारक है। कल रात भाई जूनियर जैक्सन यहां पर होंगे; भाई बीलर, भाई नेविल भी होंगे। ओह, मेरे, प्रभु! और ऐसे और भी और भी, परमेश्वर के भले लोग जो यहां पर होंगे, भाई विलार्ड कोलिन्स, और वे सभी भाई लोग जिन्होंने हमारे लिए ऐसे महान संदेश प्रचार किये हैं। और हो सकता है कुछ और लोग भी आयेंगे, इसलिए हम कल रात एक महान समय की अपेक्षा करते हैं।

8 अब, मेरी पत्नी ने कहा, “आप यह मत कहना,” लेकिन जो भी हो मुझे इसे कहना होगा। मुझे खेद है कि मैंने आज सुबह *अंपायर* की बजाय एक *एम्पायर* कह दिया।

बिली, वहां पीछे बैठा हुआ था, कहा, “फिर वही हो गया।”

9 मैंने कहा, “एम्पायर; उसके पास एक एम्पायर होना चाहिए।” मेरा मतलब था, एक अंपायर।

10 मैं उस डच व्यक्ति की तरह हूँ जिसके बारे में कहा जाता है, आप जानते हैं। “और जो मैं कहता हूँ उस आधार पर मुझे ना ले, लेकिन मेरा क्या मतलब है उसे समझें।”

11 मैंने कहा, “मैं सोचता हूँ कि इतने वर्षों के बाद वे मुझे समझते हैं।” आप जानते हैं, यह इस बारे में...

12 यहां मैं इस पुलपीट के पीछे खड़े हुए तीस वर्ष हो गए हैं। इस आराधनालय में तीस वर्ष! इस समय तक तो आपको मुझे समझ लेना चाहिए, क्या आपको नहीं समझना चाहिए? ओह, प्रभु! निश्चय ही मेरी पढ़ाई—लिखाई बहुत ही कम है। लेकिन मैं—मैं जानता हूँ कि मैं बात नहीं कर सकता, लेकिन मैं प्रभु के लिए सच्चाई की आवाज़ को उठाता हूँ।

13 और, भाई, मैं सोचता हूँ कि यह लम्सा बाईबल के डॉक्टर लम्सा थे, जो अनुवाद में थे, उसने कहा...

14 एक बार मैं बोल रहा था, और मुझे पता नहीं था कि वह वहां पर है। और वो वापस आकर और ऊरीम और तुम्मीम के बारे में बोल रहे थे, और फिर वो उस उजियाले के बारे में बोल रहे थे। और उसने कहा, “आज इन लोगों के साथ क्या मामला है?” और मैंने कहा... उसने कहा, “अनुवादकों के द्वारा बाईबल का सही-सही अनुवाद न कर पाने का कारण यह है, क्योंकि अनुवादो ने उच्च गिडिश भाषा में अनुवाद करने का प्रयास किया। और यीशु ने बोलते हुए सामान्य वर्ग के लोगों की तरह ही बात की, ठीक वैसे ही जैसे रास्ते पर रहने वाले लोग बात करते हैं।”

15 और, आप जानते हैं, वहां लूका में एक वचन है, कहा, “साधारण लोगों ने उसे आनंद से सुना।” वो उनकी भाषा में बोला। मैं आशा करता हूं कि यह फिर से ऐसा ही है।

16 हम प्रभु के लिए आनन्दित हैं। अब, मैं जानता हूं, मैं उन महिलाओं को यहाँ-वहाँ खड़ा हुआ देख रहा हूं। पुरुषों का खड़े रहना ही अच्छा नहीं लगता, फिर युवतियों, बच्चों और महिलाओं और इत्यादि को इस तरह खड़ा देखना तो और भी बुरा है, दीवारों से लगकर खड़े हुए हैं, और छोटे बच्चे। लेकिन, हमारे पास अभी बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि अगली बार जब हमारी सभाएं हो, इस सप्ताह के बाद, इस समय के बाद...

17 आप जानते हैं, अगली चीज ऊपर आ रही है, जहां तक हम जानते हैं, ये वे सात मोहरे हैं। और, प्रभु ने चाहा तो, हम तुरंत ही उन पर आरंभ करेंगे जैसे ही कलीसिया का निर्माण का काम पूरा होता है, जिससे की हम यहां पर अंदर आ सकें। हम फिर से समर्पण के लिए आर्येंगे। और संभव है कि हम लगातार एक से दो, या शायद तीन सप्ताह तक सभायें करें, जो अब आने वाले सात मोहरों के लिए आयोजित की जायेंगी। तो, हम प्रभु में एक महान समय की अपेक्षा कर रहे हैं, उस समय के दौरान। और हम... आप सभी जो शहर से बाहर के लोग हैं, हम आपको कार्ड और हर एक चीज डाक से भेजेंगे, और हम आपको ठीक-ठीक समय बता देंगे, हो सकता है एक या दो सप्ताह पहले, समय से पहले बता देंगे।

18 जैसा कि मैं आज समझता हूं रात बिली से सुना ठेकेदार का काम, फरवरी के दसवें दिन तक पूरा हो जाएगा। तो ठीक है, यदि वह दस तारीख तक पूरा कर लेता है, तब हम लगभग पंद्रह तारीख को आरंभ करेंगे। तो,

जैसे ही वे काम को समाप्त करेंगे, हम ठीक उसके अनुसार आरंभ करेंगे।

19 कुछ समय पहले बहन किड ने मुझे फोन किया, और वह लगभग रोने लगी थी। उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, हमने उस पुरानी कार को चलाने की बहुत कोशिश की, और यह चालू नहीं हो रही है। इसलिए,” उसने कहा, “आप प्रार्थना करें कि यह चालू हो जाए, और मैं कल आऊंगी।” और उसने कहा, “सोचती हूँ क्या मुझे ठहरने के लिए जगह मिल सकती है?”

20 मैंने कहा, “चिंता मत करो, बहन किड, हम आपके लिए एक कमरा रखेंगे, जैसे ही आप आएंगी आपको मिल जाएगा...”

21 आपने कहा, “आपके हृदय को आशीष मिले।” कहा, “आप जानते हैं, यदि आप बारह बजे तक सभाओं को रखने जा रहे हैं,” कहा, “तो रात के बारह बजे मैं बाहर नहीं जाना चाहूंगा।”

22 आप जानते हैं, बहन और भाई किड दोनों की उम्र लगभग पचासी वर्ष की हैं, और वे अब भी सेवकाई में हैं। आप जानते हैं वे क्या करते हैं? एक टेप रिकॉर्डर लेते हैं, और वे मेरे संदेश को लेते हैं और एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल, घर से घर जाकर, टेप को चलाते हैं। अब, यदि ऐसा नहीं होता है, वे हार नहीं मानते! यह रिटायर होना नहीं है। यही अंत तक विश्वास को थामे रहना है, हाथ में तलवार लिए हुए मरना है। इसी तरह से जाना है। इसी तरह से मैं करना चाहता हूँ। उह-हुंह।

23 और फिर, और उसने कहा, “आप जानते हैं, यदि मैं रात को बाहर बारह बजे जाती हूँ, महामार्ग के किनारे,” उसने कहा, “और रात के बारह बजे के बाद, घर जाने का प्रयास करती हूँ, तो वे सारे नशे में धुत शैतान होते हैं,” उसने कहा, “गाड़ी चलाते हैं,” कहा, “हर तरफ़ से गाड़ी दौड़ते हैं, शराब पीये हुए।” उसने कहा, “वे दुष्टआत्मायें इधर-उधर भागती हैं,” उसने कहा, “मैं तो डर से मर ही जाऊंगी।”

24 भाई पैट, वो निश्चय ही एक छोटी सी बुजुर्ग स्त्री हैं। कितने लोग बहन किड को जानते हैं? वह यहां बैठी है, जो कि, बस एक संत सी दिखने वाली छोटी सी महिला।

25 और, जबकि, जरा सोचिए, मेरे जन्म से कई वर्ष पहले (और मैं एक बूढ़ा व्यक्ति हूँ), वो वहां ऊपर उन पहाड़ों में रहती थी, वह और भाई किड। वह दिन भर कपड़े धोने के तख्ते पर कपड़े धोती रहती थी, जिससे कि उसे एक बार कपड़े धोने के पंद्रह या बीस सेंट मिल सकें, ताकि उस रात्रि

प्रचार करने के लिए भाई किड को कहीं बाहर भेज सके। वहां कैंटकी में उन कोयले की खदानों में, जहां आप... किसी को आपकी सुरक्षा के लिए बंदूक लेकर पहरा देना पड़ता था, कि ऊपर पहाड़ पर जाये, जहां आप प्रचार करने के लिए जाते हैं। ओह, प्रभु! तब, मैं सोचता हूं:

अवश्य ही मुझे स्वर्ग में घर ले जाया जाएगा
आराम के फूलों के बिस्तर पर,
जबकि दूसरों ने पुरस्कार जीतने के लिए संघर्ष किया,
और लहलुहान समुद्र में से होते हुए निकल गए?
मुझे लड़ना होगा यदि मुझे राज्य करना ही है,
मेरे साहस को बढ़ाये, प्रभु।

26 यही है, और उसके वचन के द्वारा, मैं उसके समर्थन को चाहता हूं। यही है जो आज रात मैं चाहता हूं। अब, मैं समझता हूं कि रिकॉर्डिंग हो रही हैं।

27 [एक भाई कहता है, “छोटे बच्चों के समर्पण को नहीं भूलना।”—सम्पा।] ओह, हां। मेरे पास... मुझे क्षमा करें।

28 एक छोटी बहन का यहां एक बालक था, आज सुबह, वह समर्पित करना चाहती थी। और मैंने उसे बताया कि हम निश्चय ही इसे आज रात समर्पण करेंगे, और अभी। और, कल रात, हम छोटे बच्चों का समर्पण करेंगे, चंगाई की सभाये, और जो कुछ भी हमारे लिए संभव हो सकता है वह सब करेंगे। हमारे पास बहुत समय है। इसलिए, यदि छोटी बहन यहाँ पर है, और उसके साथ छोटा बच्चा है।

29 और मैं समझता हूं कि कुछ लोग बहुत ही दूर-दूर से आये हैं, और आज सुबह एक निजी इंटरव्यू के लिए, और कुछ तो और बात के लिए यहाँ थे। और उन्हें आज सुबह वहां पर मिलना था, और बिली को उन्हें आज रात तक इंतजार करवाना पड़ा था। और आज रात, वो उन लोगों को कहीं भी नहीं देख पाया। यदि आप यहाँ है, बहन, मैं वहां पीछे काफी समय तक रुका हुआ था, और बिली देख रहा था कि क्या वह उस महिला को ढूँढ सकता है। उनमें से ये दो थे, मुझे लगता है कि जो देश से बाहर से निजी इंटरव्यू के लिए आए थे। इसलिए, हमें—हमें भरोसा है, यदि मैं आपको चूक गया हूं, तो मैं आपसे जल्द से जल्द संपर्क करूंगा, जितना संभव हो सकता है, हो सकता है कल रात को, जब अंदर आऊंगा।

30 अब, मैं विश्वास करता हूँ, क्या यह वही महिला है, जो उस छोटे बच्चे के साथ आ रही है, उस—उस नीले जंपर की पोशाक के साथ है?

31 “जंपर”? मेडा, मेरा—मेरा—मेरा मतलब यह नहीं था, प्रिय, यह यह जो भी है। यह किसी की छोटी सी पोशाक जैसा दिखाई दे रहा है... जंपर, कितने लोग जानते हैं कि एक—एक जंपर क्या होता है? क्यों, निश्चय ही। मेरे लिए एक पुरानी कपड़ों के ऊपर पहने वाला जैकेट होता है। तो—तो...

32 क्यों, यह डलास की छोटी बच्ची है। ओह, यह अच्छा है। भाई, क्या आप यहां आयेंगे। मुझे क्षमा करें।

33 तो ठीक है, ठीक है, मैं इस तरह की उस छोटी सी रिबन को पसंद करता हूँ, जो तुमने लगायी हैं। इसका क्या नाम है? [पिता कहता है, “रिबेका लिन।”—सम्पा।] रिबका लिन, एल-वाई-एन-एन। और अब आपका अंतिम नाम क्या—क्या है? स्टेटन। रिबका लिन स्टेटन। क्या यह सही है? क्या मैं उसे ले सकता हूँ? [“निश्चय ही।”] मैं जानता हूँ कि इस तरह से बच्ची को देना एक प्रकार से कठिन होता है। इतनी प्यारी? रिबका लिन स्टेटन।

34 यह परिवार बहुत सी बातों से होकर आया है। यहां यह छोटी सी महिला, और उसका पति, अभी हाल ही में दोनों का उद्धार हुआ है और प्रभु के वचन में लाये गये हैं। और अब, उनके मिलन में, परमेश्वर ने इस सुंदर छोटी रिबका को दिया है, और वे इसे प्रभु के पास ला रहे हैं।

35 अब, बहुत से लोग, वे इसे कहते हैं अनंत... शिशु का बपतिस्मा कहते हैं, मेथोडिस्ट कलीसिया और बहुत सी दूसरी कलीसियाये, और जब वे छोटे से बालक होते हैं तो वे उन पर पानी का छिड़काव करते हैं। अब, यह ठीक है, जहां तक मेरा संबंध है। लेकिन हम हमेशा उसी पर बने रहने की कोशिश करते हैं जो बाईबल कहती है। और बाईबल में, वहाँ (नहीं) एक छोटे शिशु को बपतिस्मा देने जैसी कोई चीज कभी नहीं थी; इतिहास में कहीं भी नहीं, आरंभिक कैथोलिक कलीसिया के आने तक, जहाँ तक हम जानते हैं, जो कि निसिया परिषद तक कोई उल्लेख नहीं था।

36 [बच्चा रोता है—सम्पा।] तो यही बस “आमीन” कहने का तरीका है। कि, देखिए, आपके पास... देखिए, आपके पास अनुवाद होना आवश्यक है।

37 इसलिए, लेकिन, बाईबल में, वे छोटे बच्चों को यीशु के पास लाए, ताकि वह उन्हें आशीष दे सके। और उसने अपने हाथों को उन पर रखा और उन्हें आशीष दी। और, जो कि, हमने अब भी ऐसा करना जारी रखा हैं।

अब आइए हम अपने सिर को झुकाए।

38 हमारे स्वर्गीय पिता, आज रात यह युवा महिला और युवा पुरुष आये हैं इस प्यारी छोटी रिबका के साथ जिसे उन्हें दिया गया है, उनके अधिकार में, ताकि परमेश्वर की चेतावनी में पालन-पोषण कर सके। और वे इसे आज रात प्रभु के सामने अर्पण करने के लिए लाये हैं। और जब मां ने अपने हाथों से मेरे हाथ में दे दिया, तब मैं अपने हाथों से इस छोटी सी रिबका को आपको देता हूँ। परमेश्वर, उसके साथ होना और उसे आशीष देना। उसके पिता और माता को आशीष देना। होने पाए वे सभी निष्ठावान, लंबे जीवन को जीये, और, यदि यह संभव हो, तो प्रभु यीशु के आगमन को देखें। होने पाए यह बालक प्रभु के ज्ञान में बढ़ता जाए। और होने पाए, यदि कोई आने वाला कल है, होने पाए वो बच्ची आपके लिए एक महान गवाह बने। प्रभु, इसे प्रदान करें। अब, यदि आप यहां धरती पर होते, तो ये महिलाएं और ये पुरुष अपने बच्चों को आपके पास लाते। लेकिन हम जो सुसमाचार के सेवक हैं, आपके प्रतिनिधि हैं। इसलिए, हम आपको यह बालक अर्पित करते हैं, आपके राज्य में सेवा के जीवन के लिए, आपके पुत्र, प्रभु यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

39 तुम्हें आशीष मिले, छोटी रिबका! क्या ही प्यारी छोटी सी चीज है! परमेश्वर आप दोनों को और बच्ची को आशीष दे, आपको परमेश्वर की सेवा में लंबा, आनंद का जीवन दे।

40 मैं नहीं जानता कि मुझे इतनी ताकत है या नहीं। यह जरूर लड़का है। उसका नाम क्या है? [मां कहती है, "स्टेनली विक्टर क्लीवलैंड।"—सम्पा।] स्टेनली... ["स्टेनली।"] स्टेनली विक्टर... ["क्लीवलैंड।"] क्लैलैंड? क्ले... ["क्लीवलैंड।"] क्लीवलैंड। छोटा स्टेनली, क्या ही अच्छा छोटा सा नाम है, और क्या ही प्यारा छोटा बच्चा है! तो ठीक है, मुझे लगता है, लगभग... स्टेन, यहां ऊपर की ओर देखो। यह एक अच्छा लड़का है? ओह, आप जानते हैं। हम इसका अभ्यास नहीं करते हैं। हम बस ऐसा करते हैं, आप जानते हैं, इसमें कुछ भी औपचारिक नहीं है। यह सही है।

वह निश्चित रूप से एक प्यारा सा बालक है। मैं अंतिम नाम भूल गया। मुझे नहीं लगता है कि मैं इसका सही उच्चारण कर रहा हूँ। [“क्लीवलैंड।”] क्लीवलैंड। तो ठीक है।

आइए हम अब अपने सिरों को झुकाए।

41 स्वर्गीय पिता, इस पति-पत्नी ने इस बालक को लाया है, छोटा स्टेनली क्लीवलैंड, प्रभु यीशु को समर्पित करने के लिए। और यहां कलीसिया के जो पास्टर है, और मैं, प्रभु के कामों में एकता में एक साथ खड़े हुए हैं, आपको हम इस बच्चे को सेवा के जीवन जीने के लिए अर्पित करते हैं। आपने इसे माता और पिता को दिया है; और अब उन्होंने उसे मेरी बाहों में दिया है; और मैं उसे अपनी बाहों से आपकी बाहों में देता हूँ। परमेश्वर, उसके पिता और माता को आशीष देना। इस छोटे लड़के को आशीषित करें, और होने पाए वे सभी आपके लिए लंबे, आनंदमय जीवन की सेवा करें। होने पाए बालक परमेश्वर की चेतावनी में पले-बढ़े, कि उसकी सेवा करे, और उससे डरे, और उसके जीवन के सभी दिनों में उससे प्रेम करे। अब, उन्होंने बालकों को आपके पास लाया, जिससे कि आप उन्हें बहुतायात से आशीष दे सके; और हम, अपने हाथों को बालक पर रखते हुए, उसे प्रभु के नाम में आशीषित करते हैं। और होने पाए वह आपकी सेवा के लिए, अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति का एक लंबा, सुखी जीवन जीए। यीशु के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटे स्टेनली। आपके पास एक अच्छा लड़का है।

42 अब बस मैं एक छोटा सा अनुरोध करने जा रहा हूँ, छोटे बच्चों से और नौजवानों से। और मैं जानता हूँ कि यह कठिन होता है। आप बहुत अधिक समय तक खड़े नहीं रह सकते, क्योंकि आपके पैरों में ऐंठन होती है। लेकिन मैं आज रात कुछ तो ऐसा करने जा रहा हूँ जो मैंने पहले कभी नहीं किया है। और कुछ तो है जिस पर मैं बोलने जा रहा हूँ, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस तरह के विषय पर बोलूंगा।

43 यही कारण है, आज सुबह, मैं उस समय को संदेश के पहले नहीं रखना चाहता था, और मैं कभी भी अपने परम सत्य के बारे में बात नहीं कर पाया, और मैं नहीं सोचता हूँ कि मैं कभी कर पाऊंगा। मैं आशा करता हूँ कि मैं कभी नहीं करूंगा। वह बहुत ही अद्भुत है!

44 लेकिन, आज रात, मैं एक ऐसे विषय पर बोलने जा रहा हूँ, जो मुझे नहीं पाता। और अब, यह एक सेवक के लिए ऐसा कहना एक बहुत ही बड़ी बात है कि वह किसी ऐसे विषय पर बोलने जा रहा है जिसके बारे में वह स्वयं नहीं जानता। लेकिन मेरी जो अपनी सबसे अच्छी जानकारी है उससे आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा हूँ, ताकि... कि यह कलीसिया समझ सके। और मैं किसी भी तरह से ऐसी कोई बात आपसे नहीं छिपाऊँगा, जो आपके लिए लाभदायक हो।

45 और फिर, यह टेप, मैं समझ रहा हूँ कि लड़के टेप को बना रहे हैं। और यदि आपको वो टेप मिलता है, जो कोई भी टेप को सुन रहा है, याद रखिए, यदि कोई बात आपके लिए कोई बात पेचीदा लगती है, तो इसे ना कहे, जब तक कि यह बात टेप पर न हो। जो टेप पर है उसके विपरीत कुछ भी ना कहे।

46 बहुत से *सर्प वंश* संदेश पर लिखते हैं, और कहते हैं कि मैंने ऐसा—ऐसा कहा है। मैं जाकर टेप लेता हूँ, इसे चलाता हूँ। मैंने इसे इस तरह से नहीं कहा था। देखो, लोग बातों को गलत समझ लेते हैं।

47 आप जानते हैं, एक बार यीशु अपने पुनरुत्थान के बाद, प्रेरितों के साथ समुंद्र के किनारे पर चल रहा था, और यूहन्ना उसकी छाती पर सिर को रखता है। और उन्होंने कहा, “इस मनुष्य का क्या होगा?”

यीशु ने कहा, “यदि वह मेरे आने तक रुका रहे तो तुझे क्या?”

48 “और वहां यह बात प्रचलित हो गई, कि, ‘यूहन्ना यीशु को आगमन को देखने के लिए जीवित रहने वाला है।’”

49 और वचन कहता है, “हालाँकि, उसने इसे इस तरह से कभी नहीं कहा।” आप देखिए, उसने—उसने ऐसा कभी भी नहीं कहा। उसने बस इतना ही कहा, “तुम्हें इससे क्या यदि वह मेरे आने तक ठहरा रहे?” उसने कभी नहीं कहा कि वह रुका रहेगा। लेकिन, देखिए, गलतफहमी होना, यह बहुत आसानी से होता है।

50 और, अब, यह—यह ऐसा नहीं है कि मैं ऐसा करने के लिए किसी को दोषी ठहरा रहा हूँ। क्योंकि, मैं खुद भी ऐसा करता हूँ। और सभी लोग ऐसा करते हैं; यदि वे प्रेरित, जो हमारे प्रभु के साथ चले, उन्होंने भी उसे गलत समझा। और वे उसे कभी भी स्पष्ट रूप से नहीं समझ पाए।

51 ठीक अंत में, उन्होंने कहा, “देखो, अब हम समझते हैं। अब हम विश्वास करते हैं। और हमें पक्का है कि किसी व्यक्ति को आपको कुछ भी बताने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप सब कुछ जानते हैं।”

52 और यीशु ने कहा, “क्या अब तुम विश्वास करते हो?” समझे? “उस सारे समय के बाद, क्या तुम... क्या अंत में तुम्हें ये समझ आ गया, देखो, तो तुम विश्वास करते हो?”

53 और ये तो बस मनुष्य ही है। और हम सभी मनुष्य हैं, इसलिए हमसे गलतफहमियां हो सकती हैं।

54 लेकिन यदि यह एक प्रकार से आपके लिए थोड़ा पेचीदा सा लगता है, तो टेप को फिर से चलाए। फिर ध्यान से सुने। मुझे यकीन है कि पवित्र आत्मा आप पर प्रकट करेगा।

55 तब, छोटे साथियों, यदि आप बस अपने “आमीन” को थोड़ा सा रोके रहें, बच्चों। बस थोड़ी देर प्रतीक्षा करें, क्योंकि मैं—मैं चाहता हूँ कि यह बात पूरी तरह से समझ जाए, क्योंकि बहुत से लोगों के पास टेप नहीं होगा। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप इसे अच्छी तरह समझ लें। और आइए हम इसकी ओर जायेंगे, क्योंकि, मैं पैंतीस या चालीस मिनट के लिए कहूँगा, जितनी श्रद्धा और आदर के साथ हम कर सकते हैं इसे करेंगे।

56 क्योंकि, यह मेरे लिए एक बहुत बड़ा समय है। कुछ ऐसा हुआ है कि मुझे नहीं पता कि अब मुझे क्या करना चाहिए। समझे? और मैं अपनी सेवकाई के दिनों में अब तक के सबसे गंभीर स्थिति में खड़ा हुआ हूँ, जहाँ तक कि मैं जानता हूँ।

इसलिए, आइए अब अपने सिरों को झुकाए, इससे पहले कि हम वचन की ओर जाए।

57 स्वर्गीय पिता, तब, कुछ समय पहले, मैंने *अनुमान लगाना* इस विषय पर प्रचार किया। और *अनुमान लगाना* ये “बिना अधिकार के किसी साहसिक कदम को उठाना है।” और हो सकता है, प्रभु, मैंने लोगों के सामने किसी बात का अर्थ समझाने की अपने ऊपर जिम्मेदारी ली है, जबकि मुझे उसका कोई दर्शन नहीं मिला। इसलिए, प्रभु, जहाँ पर बातों को जांचा जाना है, मुझे जांचें; प्रभु, मेरे मुंह को बंद कर देना। आपने सिंहो के मुंह को बंद कर दिया जब वे दानिय्येल के साथ मांद में थे, जिससे कि उसे कोई हानि ना पहुंच सके। प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ, कि, यदि मैं किसी

बात का गलत अनुवाद करने का प्रयास करूं, तो आपके पास अब भी मुंह बंद करने की सामर्थ्य है। लेकिन यदि इसमें सच्चाई है, तब, प्रभु, इसे आशीषित करें, और इसे आगे जाने दे। और आप परिस्थितियों को जानते हैं और जो ठीक अभी सामने है। और इसीलिए मैं आया हूं, यहां तक कि अंतिम क्षण में भी, पुलपीट पर, कि इन बातों का अनुवाद करने की कोशिश करूं। और मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी सहायता करें।

58 इस छोटी कलीसिया को आशीषित करें। यह झुण्ड जो यहाँ छत के नीचे आता है, जो हमारे साथ यहाँ शहर में ठहरते हैं, जो बाहर कई राज्यों से आते हैं। ओह, जब सांझ की परछाइयां गिरने लगती हैं, तो हम बहुत ही आनंदित होते हैं कि हमारे पास आने के लिए एक स्थान है। जबकि संसार बहुत ही उलझन में है और वे नहीं जानते कि वे कहां पर खड़े हैं, हम खुश हैं, कि, “प्रभु का नाम एक मजबूत गढ़ है, और धर्मी लोग भाग कर इसमें शरण लेते हैं और सुरक्षित रहते हैं।” बस ना ही बहुत सारे वचन, लेकिन एक प्रकाशन!

59 इसलिए, पिता, हम प्रार्थना करते हैं, जैसा कि सांझ का उजियाला आता है, सूरज के अस्त होने पर। और हम विश्वास करते हैं कि हम उसी समय में जी रहे हैं, जब सूरज अस्त हो रहा है। और हम पूरी सच्चाई से आपका धन्यवाद करते हैं, प्रभु, हमारे पूरे हृदय से, उन चीजों के लिए जो आपने हमारे लिए की हैं। और, प्रभु, इस युग में से होते हुए, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने उन दर्शनो को दिखाया जो आपने मुझे दिए हैं, उनमें से हर एक बस सिद्ध रूप से था, और सपने का हर एक अनुवाद बिल्कुल ठीक वैसे ही किया गया है। इसलिए, हम जानते हैं कि यह केवल आप ही हो सकते हैं, प्रभु; क्योंकि हम तो मरणहार हैं, और सब ने पाप में जन्म लिया है, और हम में कुछ भी अच्छी चीज नहीं दिखाई देती है। लेकिन, हम यह सोचते हैं कि आप एक ऐसी चीज को ले सकते हैं, मनुष्य जाति को, और उन्हें वचन के जल के द्वारा और मसीह के लहू के द्वारा धो सकते हैं; और उस हाथ को इस प्रकार से आगे बढ़ाते हैं, यहाँ तक कि मनुष्य अपने खुद के विचारों का उपयोग नहीं कर सकता है, लेकिन मसीह के मन को लेता है, जो सारी बातों को जानता है, इस मन को आने देता है और बोलता है और एक भवन का उपयोग होने देता है। धन्यवाद, पिता।

60 अब हम आपके पवित्र नाम को धन्य कहते हैं। और हम इस छोटे से

झुंड को आशीषित करते हैं, आज रात, आपके नाम में। हम पास्टर, भाई नेविल को आशीष देते हैं, परमेश्वर के साहसी सेवक को। हम डिकन, खजांची, और मसीह की देह के हर एक सदस्य को आशीषित करते हैं, यहां पर और संसार भर में हर कहीं, प्रभु यीशु के नाम में।

61 ओह, जैसा की हम देखते हैं, मसीहत के चेहरे पर यह अंधेरी, काली सी, भयानक छाया पड़ रही हैं, हम जानते हैं कि समय निकट आ रहा है। वहां एक रैपचर होगा, और कलीसिया उठा ली जाएगी। प्रभु, आओ हम आगे बढ़े, लेखक और उस समाप्त करने वाले, मसीह की ओर देखें। प्रभु, इसे प्रदान करें। और जैसा कि हम प्रभु यीशु के नाम में अब आगे बढ़ रहे हैं, इन चीजों को हाथ में लेने के लिए जो हमारे हृदय पर डाली गई है, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे साथ हो और हमारी सहायता करें। और इसमें से आपको महिमा मिले, प्रभु, क्योंकि हम अपने आप को आपके लिए समर्पित करते हैं, आपके वचन के साथ, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

62 अब, यदि आपके पास एक पेन्सिल और कागज है, तो मैं चाहूंगा कि आप कुछ चीजों को लिख ले, जैसे... या कुछ भी जो आप लिखना चाहते हैं। इसे बस तैयार रखें। और फिर, टेप पर भी, यदि आप किसी भी समय वचनों को लिखना चाहें तो लिख सकते हैं, क्योंकि मैं विश्वास करता हूं कि यह वचन है जो मायने रखता है।

63 अब आज रात हम एक लेख को पढ़ना चाहते हैं, मतलब एक वचन को पढ़ना चाहते हैं, जो यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य की किताब में से है। और मैं विश्वास करता हूं कि यह यीशु मसीह का प्रकाशन है, जैसा कि किताब में लिखा है। और कोई भी अन्य प्रकाशन जो इस प्रकाशन के विपरीत होगा, वह गलत ही होगा। मैं विश्वास करता हूं कि इसका उल्लेख उचित होगा... फिर से उल्लेख करना—उल्लेख करना। कोई भी प्रकाशन जो इस प्रकाशन के अनुरूप नहीं बैठता है, और इस प्रकाशन को प्रकाश में नहीं लाता है, तो ये गलत प्रकाशन है। ये वचन के अनुसार होना ही चाहिए।

64 अब, यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य की किताब के 10वें अध्याय में, मैं पहले कुछ पदों को पढ़ना चाहता हूं, पहले सात पद, 1 से 7। और अब ध्यान से सुनना, और मेरे लिए प्रार्थना करना।

और मैंने एक और शक्तिशाली—एक और शक्तिशाली दूत को बादल ओढ़े हुए स्वर्ग से नीचे उतरते देखा: और उसके सिर पर

मेघधनुष था, और उसका मुँह... सूर्य के समान और उसके पांव आग के खम्भे के समान थे:

और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुई पुस्तक थी: और उसने अपना दाहिना पांव समुद्र पर, और उसका बायां पांव पृथ्वी पर रखा,

और वह ऐसे बड़े शब्द से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है: और जब वह चिल्लाया, तो गर्जन के सात शब्द सुनाई दिए।

और जब सातों गर्जन अपनी आवाजों को दे चुके, तो मैं यह लिखने पर था: और मैंने स्वर्ग से एक आवाज़ सुनी जो मुझसे कह रही थी, जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी है, उन्हें गुप्त रख, और मत लिख।

और जिस दूत को मैंने समुद्र और पृथ्वी पर खड़े देखा था उसने अपना दाहिना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया,

और उसकी शपथ खाकर जो युगानुयुग जीवित है, जिसने स्वर्ग को बनाया, और जो कुछ चीजें उस में हैं, और पृथ्वी पर की, और वे कुछ चीजें उस में हैं, और समुद्र को, और जो कुछ चीजें उसमें हैं... बनाया है उसी की शपथ खाकर कहा, कि समय अब और नहीं रहेगा:

वरन सातवें दूत के आवाज़ देने के दिनों में, जब वह तुरही फूंकने पर होगा, तो परमेश्वर का वह रहस्य पूरा हो जाएगा, जिसका सुसमाचार उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया था।

65 और मेरा विषय, यदि मैं इसे आज रात बोलना चाहूँ, वो यह है: महाशय, क्या यह अंत समय का चिन्ह है?

66 हम सभी जानते हैं कि कलीसिया के लिए हम एक—एक महिमामय समय में जी रहे हैं, लेकिन अविश्वासी के लिए एक भयानक समय है। और हम सबसे खतरनाक समय में से एक में जी रहे हैं, जो अब तक कभी था, जब से दुनिया का आरंभ हुआ है। कोई भविष्यव्यक्ता नहीं, कोई प्रेरित नहीं, कभी भी, कभी भी ऐसे समय में नहीं रहा, जैसा कि हम अभी रह रहे हैं। यह अंत समय है।

67 यह आकाश में लिखा हुआ है। यह पूरी धरती के ऊपर लिखा हुआ है। यह हर एक अखबार में लिखा है। यदि आप हस्तलेख को पढ़ सकते हैं, यही अंत समय है। भविष्यव्यक्ता उस समय में रहते थे जब एक राष्ट्र के लिए दीवार पर हस्तलेख होता था, लेकिन हम रह रहे हैं जब दीवार पर समय के लिए हस्तलेख होता है। सारे राष्ट्र, धरती, हर एक चीज, समय अंत पर आ गया है। इसलिए, हमें अवश्य ही बाइबल का अध्ययन करना चाहिए, उस घड़ी को जानने के लिए जिसमें हम रह रहे हैं।

68 हमेशा ही, परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता वचनों को ही लेगा। इसलिए वो परम सत्य है कि यह उसी तरह से होने जा रहा है। पुराने नियम में, जब भविष्यव्यक्ताओं ने कुछ भी कहा, कहीं न कहीं, वहां हमेशा ही, वो वचन के साथ एक भविष्यव्यक्ता होता था, जो वचन के साथ बना रहता था। वो दर्शनों के लिए परमेश्वर की ओर देखता। और यदि उसका दर्शन वचन के विपरीत होता था, तब उसका दर्शन गलत होता था। यही परमेश्वर का अपने लोगों तक अपने वचन को पहुंचाने का मार्ग है।

69 क्या आप मेरी आवाज ठीक से सुन पा रहे हैं, वहां पीछे? मैं बस समझ नहीं पा रहा हूं कि कहां से शुरू करूं।

70 अब, यह मेरे लिए एक बड़े सौभाग्य की बात है, यह जानना कि यह आराधनालय मेरी पहली कलीसिया थी। यह एक महिमामय चीज है। और मैं इसे कभी भी नहीं भूलूंगा, यद्यपि मैं... यीशु आने में देर करता है और मैं सैकड़ों वर्ष तक जीवित रहूं। मुझे वह दिन याद है जब मैंने कोने का पत्थर रखा था, वहां उस कोने पर; और उस सुबह उसने मुझे इस आराधनालय का दर्शन दिया था। और आप सभी को याद होगा। यह किताबों में लिखा हुआ है। और दर्शन पूरी तरह से पूरा हो गया है, शब्द दर शब्द, इसमें से एक भी बात नहीं छूटी है।

71 और, अब, मैं विश्वास नहीं करता कि वहाँ ऐसा कुछ भी है जो उसने बोला है, मेरे जीवन के इन सारे वर्षों में, जिसे मैंने लोगों तक पहुंचाया है, ऐसी एक बात भी नहीं है जो घटित नहीं हुई है। और बहुत से लोग उनके सपनों को लेकर आए हैं, जिसे उसने मुझे अपने अनुग्रह के द्वारा लोगों के लिए अनुवाद करने दिया है। और बहुत से लोग सपनों और समस्याओं के साथ आए हैं जिनका मैं अनुवाद करने में असमर्थ भी रहा हूँ।

72 लेकिन मैंने आप लोगों से ऐसे दिखावटी तरीका प्रस्तुत करने की

कोशिश नहीं की कि मेरे पास हर सवाल का जवाब है। मैंने ईमानदार होने की कोशिश की है और आपको वही बताने की कोशिश की है जो सच्चाई है, और मैं आपको केवल वही बता सकता था जैसा उसने मुझे बताया था। और फिर जिस तरह से यह मेरे पास आता है है, तब मैं उसी तरह से आपको बता सकता हूँ।

73 और मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ। इस दिन में जिसमें हम रह रहे हैं, वहाँ बहुत से... मैं लोगों के विरोध में कुछ भी नहीं—नहीं कह रहा हूँ। लेकिन जब आप एक ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जिसके पास हर एक बात का जवाब होता है, तो यह वचन के विपरीत है।

74 यीशु ने कहा, “एलिय्याह के दिनों में बहुत से कोढ़ी थे, लेकिन उनमें से केवल एक ही चंगा हुआ था।” एलिय्याह जितने वर्षों तक जीवित रहा, या अस्सी या उससे अधिक वर्षों में, और एक ही कोढ़ी चंगा हुआ था। एलीशा के दिनों में बहुत सी विधवा स्त्रियाँ थी, लेकिन उसे केवल एक विधवा के पास ही भेजा गया था। और हम पाते हैं कि वहाँ बहुत सी ऐसी चीजें हैं जिसे परमेश्वर करता है, और जिन्हें वो अपने सेवकों पर प्रकट नहीं करता है। और कोई भी सेवक अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता है।

75 और, तब, परमेश्वर अपनी महिमा किसी के साथ साझा नहीं करेगा। वो परमेश्वर है। और जब कोई दास एक स्थान बन जाता है कि वह परमेश्वर के स्थान को लेने की कोशिश करता है, तब परमेश्वर उसका जीवन को ले लेता है और उसे कहीं तो और दूर कर देता है, या ऐसा ही कुछ तो। हमें इसे अवश्य ही याद रखना चाहिए।

76 अब, उन दर्शनों और अनुवादों में, मैं किसी सपने का अनुवाद नहीं बता सकता, जब तक मैं बिल्कुल सही-सही दर्शन के द्वारा नहीं देख लेता, कि वो सपना क्या था। और आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि आपने मुझे अपना सपना बताया है, और यहां तक कि यह पूरा भी नहीं बताया। और जब मैंने उस सपने को मेरे पास वापस आते देखा, मैंने पलटकर और आपको बताया कि आपने इसमें से इस-इस बात को छोड़ दिया है, फिर आपको बताया कि आपने इसमें से क्या छोड़ा है। आप जानते हैं कि यह सही है। यदि यह सही है, तो कहे, “आमीन।”... ? ... [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] वो बातें जो आपने मुझे नहीं बताई थी। इसलिए, आप देखते हैं, यदि... जैसे नबूकदनेस्सर ने कहा, “यदि तुम मुझे यह नहीं

बता सकते हो कि मैंने क्या सपना देखा था, तो मैं कैसे जानूँगा कि तुम्हारे पास इसका अनुवाद है? "

77 लेकिन ये सारी भावनाये, हमें उन्हें लेकर और नहीं कहना चाहिए, **"यहोवा यों कहता है।"** हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। हमारे पास सीधी एक आवाज होनी चाहिए, परमेश्वर की ओर से एक जवाब मिलना चाहिए, इससे पहले कि हम कह सकें कि यह परमेश्वर है। ना ही कोई भावना, ना ही कोई सनसनी, कोई फर्क नहीं पड़ता कि ये कितना भी धड़क रहा हो।

आप कह सकते हैं, "मैं सोचता हूँ कि यह इस प्रकार से हो सकता है।"

78 लेकिन जब आप बोलते हैं, **"यहोवा यों कहता है,"** यह आप नहीं होते हैं। मंच पर देखें। क्या आपने कभी इसे असफल होते देखा है? **यहोवा यों कहता है** यह सिद्ध होता है, कभी विफल नहीं हुआ। और जब तक यह **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन है यह विफल नहीं हो सकता।

79 लेकिन, अब तक, उसने मेरी रक्षा की है, क्योंकि मैं उसके लिए रुका रहा। मैंने न तो लोकप्रियता को पाने की कोशिश की है, या न तो मनुष्यों की व्यर्थ महिमा को पाने की कोशिश की है। मैंने नम्रता से जीने की अपनी पूरी कोशिश की है, और इस प्रकार का जीवन जीने कोशिश की जो मैं सोचता हूँ कि एक मसीही को जीना चाहिए। और मैं इसे अपने आप से ऐसा करने में सक्षम नहीं हो पाया, लेकिन आज तक उसी ने इसे किया है। जैसे कि मैंने कहा, कि वही वो एक है जिसने मेरी अगुवाई की है।

80 इस प्रकार से बहुत सी बातें कही जा सकती हैं, लेकिन इसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन आप सभी लोग इन बातों से अवगत हैं। और केवल एक ही कारण था कि मैंने कुछ समय पहले "आमीन," कहने के लिए कहा था, आप लोग जिन्होंने मुझे सपने के बारे में बताया है, उसके बाद मैंने आकर आपको बताया है कि आपने किन बातों को छोड़ा है, क्योंकि यह संदेश रिकॉर्ड किया जा रहा है। सभी राष्ट्रों के लोग इसे सुनेंगे। और जब वे उस "आमीन" को सुनते हैं, तब वे जान जाते हैं कि वहां पर कुछ लोगों की आवाजे हैं, जो इस सेवकाई के नीचे बैठे हैं, जो बेहतर जानते हैं कि कुछ भी गलत काम नहीं करना है, या किसी गलत बात का समर्थन करते हुए "आमीन" नहीं कहना है। *आमीन* का अर्थ है "ऐसा ही हो।" ये इसकी स्वीकृति है।

81 अब, मेरे सारे जीवन में, जब से मैं एक छोटा लड़का था, वहां कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने मुझे परेशान किया है। और मेरा जीवन बहुत ही अनोखा रहा है, जिसे समझना मुश्किल है। यहां तक कि मेरी पत्नी ने भी अपना सिर खुजाया और यह कहा। “बिल, मुझे नहीं लगता कि कोई भी आपको समझ सकता है।”

82 और मैंने कहा, “मैं खुद भी अपने आप को समझ नहीं पाता हूं।” क्योंकि, मैंने स्वयं को मसीह को समर्पित किया है, अधीनता में दिया है, बहुत वर्षों से। वो अगुवाई को करता है। मैं इसे समझने की कोशिश नहीं करता हूं। अपनी सबसे अच्छी समझ के अनुसार, मैं बस वहां जाता हूं जहां वो अगुवाई करता है।

83 मैं मेरी अच्छी पत्नी और बच्चों के लिए धन्यवादित हूं, और मेरी पत्नी और बच्चों के लिए जिनको मुझ पर पूरा भरोसा है कि मैं उन्हें कुछ भी गलत नहीं बताऊंगा। कि, वे विश्वास करते हैं। हर बार जब आप उन्हें कुछ भी बताते हैं, वे इसे मजबूती से थामे रखते हैं। वे जानते हैं कि मैं उन्हें कुछ भी गलत नहीं बताऊंगा।

84 और क्या मैं परमेश्वर के किसी बच्चे को तब कुछ गलत बताऊंगा? ना ही जानबूझ। नहीं, महाशय। परमेश्वर चाहता है कि अपने बच्चे को सही प्रकार का प्रशिक्षण दे। और उनके साथ ईमानदार बने रहे, और उनके साथ सच्चे बने रहे, और वह इसे आशीषित करेगा, मैं विश्वास करता हूं।

85 अब, साथ ही, इस पूरी यात्रा के दौरान, वहां जो चीजें घटित हुई हैं, जिन्हें मैं समझ नहीं सकता। और उन चीजों में से एक जो मैं नहीं समझ सकता, जब मैं एक छोटा सा लड़का था और वे दर्शन मुझ पर आते थे। और मैं उन्हें देखता था और अपने माता-पिता को उन बातों को बताता कि क्या बात घटित होने वाली है। वे सोचते कि मैं बस घबराया हुआ हूं। लेकिन, अजीब बात ये है, यह बिल्कुल वैसे ही घटित हुई जैसे इसने बताया।

आप कहते हैं, “क्या यह आपके परिवर्तन होने से पहले की बात है?” जी हां।

86 “दान और बुलाहट बिना पश्चाताप के होते हैं,” बाईबल ने कहा। आप इस दुनिया में किसी उद्देश्य के लिए जन्मे हैं। और आप नहीं... आपका पश्चाताप उन दानों को नहीं लाता है; वे आपके लिए पहले से ठहराये हुए हैं।

87 अब, उस समय के दौरान, और जब मैं एक छोटा सा लड़का था, मेरी लालसा थी... मैं जिस देश में रहता था, उससे मैं असंतुष्ट था। मैं किसी भी तरह पश्चिम जाने के लिए इच्छा रखता था।

88 और जब मैं छोटा लड़का था, तब मुझे गोली लगी थी, मेरा ऑपरेशन किया गया था। और जब पहली बार बेहोशी की दवा का असर उतरने लगा, मैंने सोचा कि मैं पीड़ा में तड़प रहा हूँ, नीचे जा रहा हूँ। बेहोश करने के रसायन ने मुझे पूरी तरह से बेसुध कर दिया था। और मुझे लगता है, कि मैं आठ घंटे के लिए बेसुधी में चला गया था। वे मुझे फिर से अपने आपे में वापस लाने के लिए चिंतित हो रहे थे। उनका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था, बिना किसी पेनिसिलिन के। लहू बह रहा था; लगभग दोनों पैर पर एक बन्दूक से गोली चल गई। एक छोटे लड़के के मित्र से उसकी बंदूक से गोली चल गई।

89 और फिर लगभग सात महीने बाद, मैंने एक और बेहोशी की दवा को लिया। और जब मैं उस बेहोशी की दवा के असर से बाहर आया, मैंने सोचा कि मैं बाहर पश्चिमी घाटियों में खड़ा हूँ। और आकाश में एक बड़ा सुनहरा क्रूस है, और उसमें से परमेश्वर की महिमा चमक रही है। मैं वहां इस तरह से खड़ा हुआ हूँ।

90 जब वही प्रकाश, जिसे आप आज रात तस्वीर में देख रहे हैं, जो वैज्ञानिक अनुसंधान के द्वारा एक अलौकिक अस्तित्व साबित हुआ है; मेरे लिए, यह वही प्रकाश था जिसने संत पौलुस को नीचे गिरा दिया था। यह वही प्रकाश था जिसने रात में इस्राईली बच्चों की अगुवाई की। क्या यहां आपने ध्यान दिया, इस दूत को? “वह बादल को ओढ़े हुए था।” देखो, वो “दिन के समय एक बादल” था। अब, वही प्रकाश।

91 जैसा कि लोग समझ नहीं रहे थे, पहले उन्होंने सोचा कि यह गलत है, कि मैं बस ऐसे ही कह रहा हूँ। लेकिन पवित्र आत्मा वैज्ञानिक उपकरणों को छिपा लिया, और वहां उन लोगों के एक प्रमाण के लिए, और बहुत सी बार उसकी तस्वीर को लिया।

92 मैंने कहा, “मैं किसी व्यक्ति को मृत्यु की छाया में देखता हूँ,” उन पर काली छाया है। कुछ सप्ताह पहले जब मैं एक शहर में था। और जब हम प्रचार करते हैं, तब आपको—आपको तस्वीरें नहीं लेनी चाहिए, आप जानते हैं, जब वहां प्रचार हो रहा होता है। और जब... वहां वही चीज थी

जब तस्वीर को लिया गया था; लेकिन किसी के पास कैमरा था। और वहां मैंने बाहर बैठी हुई एक अजनबी महिला से कहा... मैं सदरन पाइंस में—में था। मैंने कहा, “इस कुमारी फलां-और-फलां के ऊपर एक छाया है।” एक ऐसी महिला जिसे मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। “आप अभी—अभी डॉक्टर के पास से आयी हैं; और आपको दो कैंसर हैं, दोनों स्तन में, और आपको डॉक्टर ने छोड़ दिया है। उसके साथ एक काले रंग की मृत्यु की परछाई है।”

93 और किसी ने तो उसके पास बैठी एक बहन से कहा, जिसके पास एक फ्लैश कैमरा था, उसने कहा, “तस्वीर को लो।” और वह ऐसा नहीं करना चाहती थी। फिर भी, “तस्वीर को लो,” और वह फिर भी रुकी रही। और फिर यह फिर से आया, और उसने तस्वीर को लिया... और तस्वीर खींच ली। और वहां यह वैज्ञानिक तौर से है। यह सूचना बोर्ड पर लगी है; काली मृत्यु की परछाई।

94 फिर, जब महिला ने विश्वास किया और प्रार्थना की गई, तो ठीक इसके पीछे से एक साफ़ तस्वीर को लिया गया। मैंने कहा, “परछाई चली गई है।” समझे? वह महिला परमेश्वर के अनुग्रह से जीवित है।

95 क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या अर्थ है? यदि आप सच्चाई को बोलेंगे, तो हो सकता है आप पर कुछ समय के लिए हंसा जाएगा, हो सकता है आपको थोड़े समय के लिए गलत समझा जाए। लेकिन, यदि आप बस इसके साथ बने रहेंगे, तो परमेश्वर इसे प्रमाणित करेगा, कि यह सच्चाई है। समझे? बस पकड़े रहे। हो सकता है वर्षों लग जाए, लेकिन, जैसे अब्राहम और उन अन्य लोगों की तरह, लेकिन वह इसे हमेशा ही सच साबित करता है।

96 जब वह दूत वहां... और मैं समझता हूं, मेरी पत्नी को छोड़, आज रात यहां पर लोग हैं, जो तीस वर्ष पहले से हैं, जो पास ही खड़े हुए थे जब यह नीचे उतर आया। क्या इस समय श्रोतागण में कोई है जो उस समय पर वहां पर था जब प्रभु का दूत आया था, जो लोगों सामने, पहली बार नदी पर नीचे उतर आया? अपने हाथों को ऊपर उठाए हुए। जी हां, वे वहां पर हैं। देखा? अब, मैं श्रीमती विल्सन को अपने हाथ को उठाते देख रहा हूं। वह वहां पर खड़ी थी। मेरी पत्नी, वहां, वो वहां पर थी। और मैं नहीं जानता कि उनमें से कुछ बाकी लोग कौन हैं, जो वहां किनारे पर खड़े थे,

कई, कई लोगों के सामने, जब मैं दोपहर को दो बजे बपतिस्मा दे रहा था।

97 और ठीक पीतल से रंग के आकाश से, जहां पर हफ्तों से बारिश नहीं हुई थी, यहाँ पर वो गर्जना के साथ आया, और कहा, "जैसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को आगे भेजा गया था, जिससे कि मसीह के पहले आगमन के आगे-आगे जाये, तुम्हें एक संदेश के साथ आगे भेजा गया है, ताकि मसीह के दूसरे आगमन के आगे-आगे जाओ।"

98 शहर के बहुत से लोग, व्यापारी लोग, वहाँ किनारे पर खड़े हुए थे, मुझसे पूछा कि इसका क्या मतलब है। मैंने कहा, "यह मेरे लिए नहीं था। यह आपके लिए है। मैं सोचता करता हूँ।" उह-हुंह। ये आगे चला गया। और जब वह दूत वहां से चला गया, यदि आपको याद होगा, वह ऊपर जाते हुए पश्चिम दिशा की ओर चला गया; सीधे बाहर, ऊपर, पुल के ऊपर से होती हुए, और पश्चिम की ओर चला गया।

99 बाद में, मैं एक खगोल विद्या जाननेवाले से मिला, जो एक तारों की विद्या को जानता है। और उन्होंने मुझे तारों के एक समूह के बारे में बताया था जो एक किसी निश्चित समूह में एकसाथ एकत्र हुए थे।

100 जब, बाबुल के ज्ञानी पुरुषों ने फिलिस्तीन की ओर नीचे देखा, यह तीन तारे एक समूह में दिखाई दिए, आपने मुझे यह बात कई बार बताते हुए सुना है, क्या आप जानते हैं कि पिछले कुछ हफ्तों में यह बात सच साबित हुई है? भाई सोथमन, आप जहां कहीं भी हैं, क्या आज रात आपके पास वो अखबार है? यह बात अखबार में है, रविवार के अखबार के एक पन्ने पर, नौ दिसंबर के, कि एक पत्रकार वहां पर गया, और उन्होंने इन सारी चीजों की खोजबिन की। और असल में हम अभी जी रहे हैं, साबित हुआ है, कि हम... यह वर्ष आने वाला है जो 1970 है। सात वर्ष समय से बाहर, चट्टानों को खोदने के द्वारा, और साबित करता हैं कि यह गलत है। जितना आप सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा देर हो चुकी है। मैं नहीं देख पा रहा हूँ कि भाई फ्रेड कहाँ हैं। भाई सोथमन, क्या आप यहां पर हैं? क्या आपके पास वो अखबार है, भाई सोथमन? आपके पास है। उसके पास अखबार है। हो सकता है कल रात मैं आपको इसे पढ़ने के लिए कहूंगा। आज रात हमारे पास समय नहीं है। इसलिए, आप ये देख सकते हैं।

101 और, बिल्कुल ठीक-ठीक ध्यान से देखना। बाबुल में रहने वाले वे तारों का ज्ञान रखने वाले, यहूदी ज्ञानी, तारों का अध्ययन कर रहे थे,

उन तारों को उनके तारा मंडल में गिरते हुए देखा था। और जब उसने ऐसा किया, तो वे जान गए कि मसीहा धरती पर था। और यहां वे गाते हुए यरूशलेम में आते हैं। दो वर्ष की यात्रा करते हुए! “कहाँ है वो जो यहूदियों का जन्मा राजा है?” वे रास्तों के ऊपर और नीचे भटकते चले गए। और, क्यों, क्या...

इस्राएल उन पर हँसा, “ये कट्टरपंथियों का झुंड!” उन्हें इसके बारे में कभी कुछ भी नहीं पता था, लेकिन मसीहा धरती पर था। और अब आप बाकी की कहानी को जानते हैं, उन्होंने क्या कहा था।

अब, हम इसे कल रात को पढ़ेंगे।

102 अब, इस बात पर आते हुए, कि वे दर्शन विफल नहीं होते, क्योंकि वे परमेश्वर की ओर से होते हैं। और इस संपूर्ण यात्रा के दौरान, वहां कुछ तो मुझे खिंचाव हो रहा था, मुझे अपनी ओर खींच रहा था।

103 फिर, जब उस तारों के ज्ञानी ने मुझे ये बातें बताई, जब मैं बस एक लड़का ही था, शिकार का प्रबंधक था; या ये उससे पहले की बात है, मैं सोचता हूँ कि ऐसा ही था, इन बातों के विषय में। और इसने मुझे डरा दिया, क्योंकि जो तारों का ज्ञानी था मैं उससे डर गया था। लेकिन बाद में मैंने पाया कि बाईबल के वे तारों के ज्ञान रखने वाले सही थे, क्योंकि परमेश्वर धरती पर घोषणा करने से पहले आकाश में इसकी घोषणा करता है, उन आकाशीय नक्षत्र की ओर देखते हुए।

104 “सारे राष्ट्रों में, परमेश्वर व्यक्ति का सम्मान नहीं करता,” पतरस ने कहा। अब, लेकिन वे जो उससे डरते हैं, सारे राष्ट्रों में, परमेश्वर इसे स्वीकार करता है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

105 और हम पाते हैं, तब, मैंने इस विचार को छोड़ने की कोशिश की। लेकिन, ओह, इसमें घंटों लग जायेंगे, इन बातों में जाने के लिए, किस तरह से यह लगातार इस तरह से आगे बढ़ता है, उस तरह से आगे बढ़ता है। लेकिन मैं इससे डरा हुआ था।

106 इस तारों के ज्ञानी ने मुझसे कहा, “तुम कभी भी पूर्व में सफल नहीं होगे।” कहा, “तुम्हारा जन्म किसी विशेष चिन्ह के नीचे हुआ है।” और कहा, “तुम... वो चिन्ह, वह तारों का समूह, जब वे पार हो गए, वहां से दूर निकल गए, उस दिन तुम्हारा जन्म हुआ था, वे पश्चिम की ओर जा रहे थे। और तुम्हें पश्चिम की ओर जाना ही होगा।”

मैंने कहा, “इसे भूल जाओ।”

107 मेरा—मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं था। और इस दौरान, हालांकि, अब भी, यह बात मेरे हृदय से नहीं निकली।

108 फिर, जब मैं उस रात वहां पर था, इन दर्शनों के विषय में, मैं समझ नहीं सका था, मेरे बैप्टिस्ट भाइयों ने मुझे बताया कि यह दर्शन शैतान की ओर से है, और फिर जब वह दूत प्रकट हुआ, तो उसने इसे पूरी तरह से वचन में डाल दिया, और कहा, “जैसा ये उस समय था!”

109 जब याजक इन बातों के विषय में बहस कर रहे थे, वे इस विषय में कुछ भी नहीं जानते थे कि उन्हें किस प्रकार के कोट पहनने चाहिए, और कपड़े और हर चीज, और अपने मतभेदों पर बहस कर रहे थे, वे तारों के ज्ञानी मसीह के लिए तारे के पीछे-पीछे जा रहे थे।

110 जब प्रचारकों ने कहा कि यीशु एक पाखंडी था, एक बालजबुल, एक शैतान उठ खड़ा हुआ और कहा, “हम जानते हैं कि तू कौन है, परमेश्वर का पवित्र जन। तू समय से पहले हमें क्यों पीड़ा देने आ रहा है?”

111 जब पौलुस और सीलास वहां पर आए, वे सुसमाचार प्रचार कर रहे थे, एक छोटा सा ज्योतिष विद्या बताने वाला सड़क पर बैठा हुआ था... और उस देश के प्रचारकों ने कहा, “ये लोग पाखंडी हैं। वे हमारी कलीसियाओ को तोड़ते हैं, और इत्यादि बातें कहीं, वे अपनी भ्रष्टता से संसार को उलट-पलट रहे हैं।”

112 लेकिन क्या हुआ? वो छोटा सा तारों का ज्ञानी, वो छोटा ज्योतिष विद्या बताने वाला, उसने कहा, “ये परमेश्वर के लोग हैं, जो हमें जीवन का मार्ग बताते हैं।” और पौलुस ने उसके भीतर की उस आत्मा को डांटा। उसे गवाही देने के लिए किसी सहायता की आवश्यकता नहीं थी कि वो कौन है।

113 यीशु ने हमेशा ही उनसे कहा कि वे चुप रहे। लेकिन इससे यह पता चलता है कि, कभी-कभी, शैतान परमेश्वर की बातों के बारे में प्रचारकों की तुलना में अधिक जानता है; वे कलीसिया संबंधी चीजों से बंधे हुए होते हैं। बाईबल में ऐसा ही था, और परमेश्वर कभी नहीं बदलता है।

114 पांच वर्ष पहले, एक दिन, भाई नोरमन के यहाँ से आते हुए, मैं रास्ते पर गाड़ी चला रहा था। और तभी मेरी वहां पर एक सभा हुई थी, और

प्रभु परमेश्वर मुझे एक दर्शन में प्रकट हुआ। और मैं यहाँ मेरे घर पर अपने फाटक के सामने बैठा हुआ था। और ऐसा दिखाई दिया कि यह खराब मौसम है।

115 आप में से काफी लोगों को दर्शन याद होगा। यह मेरे दर्शनों की किताब में लिखा है। मैं उन्हें लिख लेता हूँ ताकि मैं इन्हें भूल न जाऊँ।

116 और इस दर्शन में मैंने देखा, कि वहाँ पर कुछ तो था जो उस गली में से होकर आ रहा था, और वहाँ मेरे आंगन पर हर जगह पत्थर पड़े हुए थे। और वहाँ खुरचने वाले भारी वाहन और समतल करने वाले यंत्र थे, ऊपर और नीचे, और पेड़ काट दिए गए थे और जड़ से उखाड़ दिए गए थे। और जब मैं फाटक की ओर मुड़ने लगा, और यह पूरी तरह से पत्थरों से बंद कर दिया गया था। और मैं उस व्यक्ति से कहने के लिए बाहर निकला, “ऐसा क्यों कर रहे हो?”

और वह बहुत ही आक्रामक हो गया, मुझे पीछे की ओर धक्का दिया, और कहा, “तुम प्रचारकों के साथ इसी तरह से होना है!”

117 मैंने कहा, “मैंने तो केवल तुमसे पूछा, ‘तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?’ तुम—तुम यहाँ पर मेरी सड़क के ऊपर की ओर आ गए हो। तुमने ऐसा क्यों किया?” और उसने बस मुझे थप्पड़ के जैसा मारा, और मुझे पीछे धकेल दिया।

118 और मैंने सोचा, “मैं अब उसे बताऊंगा कि वह यह नहीं जानता कि वह क्या बात कर रहा है।”

119 और एक आवाज बोली, उसने कहा, “ऐसा मत करो। तुम एक सेवक हो।”

और मैंने कहा, “बहुत अच्छा।”

120 और मैं घूमा, और, मेरी दाहिनी ओर, फाटक के सामने, वहाँ पर एक पुरानी घोड़े की बगगी खड़ी हुई थी। आप जानते हैं कैसी होती है, एक ढकी हुई गाड़ी, जिसमें घोड़े लगे हुए थे। और बगगी चलाने वाले की सीट के ठीक सामने मेरी पत्नी बैठी हुई थी। मैंने पीछे मुड़कर पीछे की ओर देखा, और मेरे बच्चे वहाँ पीछे बैठे हुए थे। मैं उस गाड़ी पर चढ़ गया। मैंने अपनी पत्नी से कहा, “प्रिय, मैं जितना सह सकता था, उतना सह लिया है।” और मैंने लगाम पकड़ी और आगे वाले घोड़े को खींचा, और पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने लगा।

121 और एक आवाज ने मुझसे कहा, “जब यह पूरा हो जाए, तब पश्चिम की ओर जाना।”

122 भाई वुड, जो यहां हमारी कलीसिया में ठेकेदार है, और ट्रस्टी हैं। कितने लोगों को अब दर्शन याद है, याद है कि मैंने आपको बताया है? निश्चय ही। यह कागज पर लिखा हुआ है। और मैंने भाई वुड से कहा... उसने कलीसिया से, यह वहां बीच वाला जमीन का टुकड़ा खरीद लिया था। और वह वहां एक पत्थर का घर बनाने जा रहा था। मैंने कहा, “भाई वुड, ऐसा मत कीजिए, क्योंकि हो सकता है कि आपको उस पर लगाया हुआ पैसा कभी वापस न मिले। शायद, हो सकता है...” यह कई वर्षों पहले की बात है, पांच वर्ष पहले की। मैंने कहा, “शायद हो सकता है, वे लोग इस पुल को यहीं से निकालेंगे, और तब ये पत्थर शायद मेरे तहखाने को तोड़ देंगे, साथ ही मेरे रास्तों और यहाँ बाहर की दूसरी चीजों को भी।” लेकिन पत्थरों की जगह, ये सीमेंट के बड़े-बड़े टुकड़े थे। “और फिर वे इसे यहाँ पर नीचे रखने जा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने पेपर में लिखा है कि वे यही है वो जो वे करने की कोशिश कर रहे थे।” तो, भाई वुड ने इसे नहीं बनाया। अंत में उन्होंने निर्णय लिया, लगभग एक या दो वर्ष बाद, कि वे इस तरफ से होते हुए मार्ग को निकालने जा रहे हैं। इससे मामला समाप्त हो गया, इसलिए मैं उसे भूल गया और जाने दिया।

123 अब, विचित्र बात लगभग एक वर्ष पहले घटित हुई थी। मैं एक रात वहां पर भाई जूनियर जैक्सन के यहाँ सभायें कर रहा था। ठीक यहीं पर बैठा हुआ है, एक मेथोडिस्ट सेवक जिसने पवित्र आत्मा को पाया है, और उसने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया, और हमारी सहयोगी कलीसियाओं में से एक में पास्टर के रूप में कार्य करते हैं।

124 बस आपको यह दिखाने के लिए कि परमेश्वर इन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, मैं यह अपने पूरे हृदय से कहता हूं। मैं सारे संसार भर में किसी भी कलीसिया की सभा के विषय में नहीं जानता, कुल मिलाकर एक कलीसिया भी अब ऐसी नहीं रही, जहां मैं विश्वास करता हूं कि इस सभा की तुलना में परमेश्वर का आत्मा वहां पर अधिक कार्य कर रहा है। उनके बीच में मत-भेद है। वे निश्चित रूप से उस स्तर तक नहीं पहुँचे हैं, जहाँ उन्हें होना चाहिए, हममें से कोई भी नहीं, लेकिन मेरी जानकारी में वे किसी और जितने ही नज़दीक हैं।

मैं आपको दिखाऊंगा, जानते हुए कि क्या होने वाला था।

125 भाई जैक्सन ने एक सपना देखा। वह उससे छुटकारा नहीं पा सका; और मैं उसकी कलिसिया को छोड़कर जा रहा था, और वह इसे सहन नहीं कर पा रहा था।

126 यह कितने समय पहले की बात है, भाई जैक्सन? [भाई जैक्सन कहते हैं, "मैंने फरवरी 61 में यह सपना देखा था, भाई ब्रन्हम।"—सम्पा।] फरवरी 61 में, उसने यह सपना देखा था।

127 और वह मेरे पास आया, और उसने कहा, "मेरे हृदय में कुछ तो बात है। मुझे आपको बताना ही है, भाई ब्रन्हम।"

मैंने कहा, "बताइए, भाई जैक्सन।"

128 और उसने कहा, "मैंने एक सपना देखा है।" और यह इस तरह से था! मैं बस शांत बैठा रहा, और मैंने सुना और देखता रहा। उसने कहा, "मैंने सपना देखा कि वहां एक बहुत बड़ी पहाड़ी थी, जैसे एक मैदान में होती है, जहां पर नीली घास या ऐसा ही कुछ तो था।" और कहा, "इस पहाड़ी की चोटी पर, जहां पानी ने मिट्टी को धोकर साफ़ किया था, वहां एक चोटी का पत्थर था, ऊपर पहाड़ की चोटी पर, जैसे किसी पहाड़ की चोटी पर होता है। यह पत्थर था; वहां कोई घास नहीं थी। और जहां पानी ने बहकर नीचे साफ़ कर दिया था, इसने इन पत्थरों पर किसी प्रकार की लिखावट को उभार कर ऊपर लाया था। और आप वहां पर खड़े हुए थे, इन पत्थरों पर लिखे इस लिखावट का अनुवाद कर रहे थे।" और कहा, "हम सभी," और उन्होंने यहाँ इस बात को इस तरह से रखा, कहा, "वहां पर जॉर्जिया के भाई लोग, और हर कहीं से थे, हम सब एक साथ खड़े हुए थे, उस पहाड़ पर, आपको उस पत्थर पर की उस रहस्यमयी लिखावट का अनुवाद करते हुए सुन रहे थे।"

129 और कहा, "तब आपने जैसे हवा से किसी चीज को उठाया, कुछ तो जैसे कि एक आगे से मुड़ी हुई छड़, या—या एक लोहे की छड़ जो आगे से चपटी थी।" क्या ऐसा नहीं था, भाई? "कुछ इस तरह से, एक छड़ जो एक छोर से चपटी थी, बहुत तेज।" और कहा, "ये, मैं नहीं जानता, आपने यह कैसे किया।" और कहा, "आपने उस पहाड़ की चोटी के भाग पर छड़ से प्रहार किया, उसे चारों ओर से काट दिया, और उसकी चोटी के भाग को ऊपर उठाया। यह एक पहाड़ पिरामिड के आकार का था। और

आपने इसके चोटी के भाग को काट दिया।” अब, जब पिरामिड के संदेश का प्रचार किया गया था यह उसके महीनों और महीनों और महीनों पहले की बात है। और कहा, “उस चोटी के नीचे सफेद पत्थर था, संगमरमर का। और आपने कहा, ‘सूरज की रोशनी, इस पत्थर पर पहले कभी नहीं चमकी। इसकी ओर देखो। इसे देखते रहो।’”

130 और यह सही है, क्योंकि, संसार की रचना में, संसार के बनने से पहले वहां पर उजियाला था। हम सब यह जानते हैं। परमेश्वर जल के ऊपर मंडरा रहा था। और—और फिर, आदि में, उसने उजियाले के लिए बोला। और, स्वाभाविक रूप से, वहां उसके नीचे, जिस युग में वह संरचना बनी थी, उस पत्थर पर वह उजियाला कभी नहीं पड़ा था।

131 और उसने कहा, “इस की ओर देखो। उजियाला इस पर पहले कभी नहीं पड़ा था।” और जब वे सभी लोग उठे, और मैंने उनसे कहा कि इसकी ओर देखते रहे, और वे सभी वहाँ ऊपर आकर इस पर देखने लगे।

132 लेकिन उसने कहा, जब वे उसकी ओर उसमें देख रहे थे, उसने अपनी तिरछी नजर से बाहर देखा, मैं सोचता हूँ कि ऐसा ही था, और मेरी ओर देखा। मैं एक ओर हट गया और पश्चिम की ओर, डूबते हुए सूर्य की दिशा की ओर बढ़ना आरंभ किया; एक पहाड़ी पर चढ़ता, फिर नीचे उतरता; फिर दूसरी पहाड़ी पर चढ़ता, फिर उतरता चला गया; और छोटा और छोटा होता चला गया, और पूरी तरह दूर दृष्टि से गायब हो गया।

133 और उसने कहा, फिर, जब मैंने ऐसा किया, उसने कहा, “तब वे भाई लोग थोड़ी देर के बाद पीछे मुड़े, उन्होंने कहा, ‘क्या वो ओझल हो गये? वो कहाँ चले गए?’” और कहा, “उनमें से कुछ लोग इस ओर निकल गए; कुछ उस ओर चले गए, और कुछ कहीं और।” लेकिन, बहुत ही थोड़े लोग रुके हुए थे और जैसे मैंने उन्हें बताया था उस पत्थर की ओर देखते रहना।

134 अब सपने के अनुवाद पर ध्यान देना। जो कि, मैंने उसे कभी एक चीज भी नहीं बताई, या इनमें से किसी को भी मैंने नहीं बताया, उनमें से किसी को भी नहीं बताया। लेकिन, मैंने कहा, “हाँ।” और मेरा हृदय कांप रहा था। मैं देख रहा था। अब, वो रहस्यमयी लिखावट... रुकना, मैं बस इसे थोड़े समय के लिए छोड़ दूंगा।

135 ज्यादा समय नहीं हुआ, भाई बीलर... भाई बीलर अक्सर हमारे साथ

होते हैं। क्या आप यहां हैं, भाई बीलर? जी हां, यहां पीछे। बिली ने कहा, “भाई बीलर पूरी तरह टूट चुके हैं। उन्होंने एक विचित्र सपना देखा था।”

136 मैं भाई बीलर के पास गया, और उसने कहा, एक रात्रि उनके घर पर गया, जब मैं कुछ लोगों के फ़ोन आने पर उनके पास जा रहा था। और उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, मैंने एक विचित्र सपना देखा है।” उसने कहा, “मैंने सपना देखा कि मैं पानी की एक धारा के साथ-साथ पश्चिम की ओर जा रहा था। उस धारा के बाईं ओर एक सड़क थी। और मैं उसी बाईं ओर वाली सड़क पर पश्चिम की दिशा में चल रहा था। ऐसा लग रहा था, मानो मैं पशुओं को ढूँढ़ रहा हूँ। और दाहिनी ओर, मैंने वहां पर ध्यान दिया जब मैं वहां पर नीचे पहुँचा, तो वहां पर आप थे। और आप पशुओं के एक बड़े झुंड को इकट्ठा कर रहे थे, और वहां पर बहुत सारा चारा रखा हुआ था।” और कहा, “फिर आपने उन पशुओं को लिया और उन्हें वापस वहां पर नदी की ओर ले जाना आरंभ किया।” और, ऐसा प्रतीत हो रहा था, कि मैंने अवश्य ही उसे उन पशुओं पर नज़र रखने के लिए उसे इशारा किया होगा। और उसने कहा, “अब, यह उन पशुओं को संभालना आसान होगा, वे उसी रास्ते से जायेंगे जहाँ सबसे कम बाधा होगी। लेकिन भाई ब्रन्हम चाहते थे कि वे उस नदी के दाहिनी ओर ही बने रहे, इसलिए मैं इस सड़क पर वापस जाकर और उन्हें इस ओर नदी के उस पार आने से रोकूंगा, और उन्हें उसी ओर रोके रखूंगा।” लेकिन, उसने इस बात पर ध्यान दिया, मैं कभी भी पशुओं के पीछे-पीछे नहीं गया, लेकिन पश्चिम की ओर आगे चला गया। उसने कहा, “वो अवश्य ही भटके हुए पशुओं को ढूँढ़ रहे होंगे।”

137 उसने सपने के बारे में अधिक नहीं बताया, पर मैंने इसे देखा। और फिर, ध्यान दीजिए, उसने कहा उसे मेरे बारे में थोड़ा संदेह हुआ, इसलिए वह वापस देखने के लिए गया। और कहा कि मैं एक ठोस पहाड़ की ओर जा रहा था, और अचानक से मैं ओझल हो गया। और उसने सोचा कि क्या बात है। वह नीचे चला गया। और फिर उसके एक ओर एक छोटी-सी जल की धारा थी, जो बाईं तरफ़ मुड़ रही थी। भाई बीलर, मैं सोचता हूँ कि यह सही है। जी हां। और उसने इस बात पर ध्यान दिया... और मेरे एक तरफ़ एक बहुत ही विशाल झरना था। और फिर उसने सोचा कि मैं सकता है कि उन झरनों में गिरकर और—और ख़त्म हो गया हूँ। तब उसने ध्यान दिया, और उसने कहा उसने चारों ओर देखा, उसने उन गिरते हुए झरनों के प्रभाव को देखा, जहाँ इस तरह से पानी तेज़ी से नीचे की ओर जा रहा

था और जिसके कारण एक पानी का कुंड ऊपर की उमड़ रहा था, लेकिन पानी वापस जमीन में नहीं जा रहा था। उसने छोटी डाली, मेरा मतलब छोटी सी पानी की धारा के उस पार देखा, और उसे गोल कानों वाले कुछ छोटे जानवर दिखाई दिए। और कहा, “मैं सोचता हूँ कि मैं एक को पकड़ लूँ।” और वह उस पार चला गया।

138 तब वो मेरे बारे में सोचने लगा। और वो एक छोटे से टीले पर चढ़ गया, कि वहां उस पार देख सके और देखे कि क्या वहां पर कोई छोटी सा, बहुत ही छोटा सा, संकरी चट्टानी पगडंडी हो, आप जानते हैं, कि हो सकता है जिससे होकर मैं निकल गया होऊँ। लेकिन, कहा, “वहां कुछ भी नहीं था।” और वह चिंतित हो गया। उसने कहा, “हमारे भाई को क्या हुआ? सोचता हूँ कि भाई ब्रन्हम का क्या हुआ होगा?” और जब वह डर गया, उसने कहा कि उसने मुझे बोलते हुए सुना। और मैं एक पहाड़ की चोटी पर खड़ा हुआ था। और भाई बीलर को इस सपने का अनुवाद बताया जो ज्यादा समय नहीं हुआ मैंने उन्हें बताया था, और उसे प्रभु पर रुके रहने के लिए कहा, कि किसी दिन मैं उससे एक टापू पर मिलूंगा। और वहां पर वो था।

139 अब, उस सपने का अनुवाद यह है: यहां तक कि जल की धारा बहुत बड़ी थी, इसलिए यह जीवन की धारा थी। मैं इस पर पश्चिम दिशा की ओर जा रहा था, और वैसे ही वह भी जा रहा था; क्योंकि, वह एक सड़क पर था, वह छोटा सा... इस सड़क के इस ओर जा रहा था। और दूसरी तरफ बहुत सारी घास थी, लेकिन बहुत सारी झाड़ियाँ, और कंटीली झाड़ियाँ थी, और जंगल भी था; लेकिन यहाँ पर बहुत सारी घास थी। और इसी तरह से मुश्किलों में से होते हुए हम प्रभु की, और प्रभु के भोजन की खोज करते हैं। पशुओं को इकट्ठा करना जो कि यह कलीसिया थी, उन्हें इस ओर बनाये हुए रखा था। पशु असल में चिकने रास्ते पर जाते हैं, वो संप्रदाय, यदि वे जा सकते हैं; जो कि, वो रास्ता संप्रदाय को दर्शाता है। मैंने उसे वापस इस सड़क पर लाना आरंभ किया, यह देख रहा था कि वे किसी भी संप्रदाय में ना चले जाए।

140 यहां तक कि उसने एक दीवार को देखा जिसे पार करना बिल्कुल भी असंभव था, जिसने मुझे पश्चिम की ओर जाने से रोके रखा, जो सरकार के साथ टैक्स का मामला था। कोई भी नहीं समझ सकता कि मैं कैसे कभी

इस मामले में से बाहर आया। यह एक दीवार थी जिसने मुझे रोके रखा था, लेकिन प्रभु ने मुझे इसमें से निकाल दिया, और मैं इसके ऊपर था। भाई बीलर, मैं आपसे टापू पर मिलूंगा।

141 तो अब, फिर, उसके तुरंत बाद, भाई रॉय रॉबर्सन। भाई रॉय, क्या आज रात आप यहां पर हैं? जी हां, मैं—मैं विश्वास करता हूं... क्या? [एक भाई कहता है, “वहाँ उस तरफ है।”—सम्पा।] वहां उस तरफ। उसने मुझे फ़ोन किया, और उसने एक सपना देखा। और उसने सपना देखा कि हम पशुओं को हाँककर एकत्र रहे थे। (अब, यह तीसरा सपना है।) पशुओं को हाँककर एकत्र कर रहे थे। और वहां पर घास थी, यहाँ पेट तक, भरपूर भोजन था। हम सभी भाई लोग एक साथ थे। और हम रात के खाने के लिए एक स्थान पर पहुंचे, और भाई फ्रेड सोथमैन उठे और कहा, “एलिय्याह, वो महान भविष्यव्यक्ता, आज दोपहर को यहाँ से प्रचार करेगा।” और फिर जब हम सब ने रात का भोजन किया, हर कोई वहां से चला गया, और उसने सोचा कि इसे बोला गया है तो क्यों वे लोग इसे सुनने के लिए नहीं रुके।

142 अब, देखें कि यह भाई जैक्सन के सपने के साथ किस तरह से ठीक-ठीक मेल खाता है! देखो, यह बिल्कुल ठीक वैसा ही है, जो भाई बीलर ने कहा था! कोई एक भी जानने के लिए रुका नहीं।

143 ध्यान दें, इसके तुरंत बाद, बहन कोलिन्स (क्या आप यहां हैं, बहन कोलिन्स?) उसने यहां कलीसिया में होने का एक सपना देखा, और वहां पर एक विवाह होने जा रहा था। और जब उसने ऐसा देखा, तो उसने दूल्हे को अंदर आते देखा, सिद्ध; लेकिन दुल्हन पूरी तरह से सिद्ध नहीं थी, फिर भी यह दुल्हन थी; अब, यही कलीसिया है। और वहां एक प्रभु भोज की तरह था, या यहाँ पर एक—एक सभा चल रही थी, जैसे कि एक रात्रि का भोजन तैयार किया जा रहा हो। और यह इस प्रकार से उस महिला के पास लाया गया क्योंकि भाई नेविल कलीसिया में रात का भोजन परोस रहे थे, लेकिन महिला ने कहा कि यह अब तक का सबसे अच्छा भोजन था जिसे उसने अब तक देखा था। महिला को बहुत ही भूख लगी थी। लेकिन उस महिला ने सोचा कि हो सकता है, सपने में, कि भाई नेविल को भोजन को नहीं परोसना चाहिए, और वो महिला और भाई विलार्ड भवन के ऊपरी मंजिल में भोजन खाने ऊपर जा रहे थे। और जब उन्होंने ऐसा किया, तो

दाहिनी हाथ की ओर का उजियाला चला गया। अब, आप जानते हैं कि यह क्या है।

144 अब, वो भोजन। दुल्हन सिद्ध नहीं है, लेकिन दूल्हा सिद्ध है। दुल्हन अभी भी सिद्ध नहीं है, लेकिन जो भोजन दिया जा रहा था यह वास्तविक भोजन नहीं था, यह आत्मिक भोजन है जो आपको हमेशा से मिलता आ रहा है।

मैं यहां उस चौथे सपने पर रुक रहा हूं, कुछ समय के लिए।

145 क्या आपको याद नहीं है, भाई फ्रेड सोथमन, भाई बैंक्स वुड, जब हम पिछले वर्ष एरीजोना में थे, जब हम जंगली सूअरों का शिकार कर रहे थे, और प्रभु ने बात की? क्या आप उन बातों को नहीं जानते हैं जो उसने सिद्ध रूप से पूरी की हैं, यह दिखाते हुए कि क्या घटित होगा, जब हम इस दौरान जा रहे थे? यदि यह सही है, तो आप दोनों भाई “आमीन” कहे। [दोनों भाई कहते हैं, “आमीन।”—सम्पा।] वो कभी नहीं चूकता है।

146 और एक दिन जब हम गाड़ी चला रहे थे तो मैंने एक दर्शन में देखा, प्रभु का एक—एक दर्शन मेरे पास आया, और जब मैं घर वापस आया, उस समय पर मैं विदेश जाने के लिए तैयारी कर रहा था। और जब मैं विदेश चला गया, तो, मैंने जहाज पर देखा... या एक समुद्र के किनारे, जहां से जहाज निकलते थे। और वहां एक छोटा, छोटे कद का मनुष्य था, और उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, मैंने आपके लिए एक नाव तैयार रखी है।” और यह एक बहुत ही छोटी सी डोंगी या नौका थी, लगभग—लगभग एक फुट लंबी, लेकिन यह बर्फ सी सफेद थी। और उसने मुझसे कहा, “यह आपके उस पार जाने के लिए है।”

“ओह,” मैंने कहा, “यह—यह—यह पर्याप्त नहीं है।”

147 उसने कहा, “यह चालीस मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी, इस तरह से ऊपर-और-नीचे।” यही है, किनारे पर ऊपर-और-नीचे।

“लेकिन,” मैंने कहा, “यह मुझे उस पार नहीं ले जाएगी।”

148 और फिर उसने नीचे की ओर देखा, और कहा, “जैसे वे जाते हैं वैसे जाओ।” और मैंने देखा, और वहां भाई फ्रेड सोथमन और भाई बैंक्स वुड थे, जो हरे रंग की पेंट की हुई डोंगी या छोटी नौका में दोनों बैठे हुए थे, इसके पीछे कुछ शिविर डालने का सामान रखा हुआ था। भाई बैंक्स ने इस

तरह के कोने से ऊपर की ओर मुड़ी हुई टोपी पहनी हुई थी; भाई फ्रेड की टोपी का अगला हिस्सा दबा हुआ था और उसने कहा, “उनके जैसे ही जाओ।”

मैंने कहा, “नहीं। मैं नहीं जाऊंगा।”

149 और इस व्यक्ति ने उनसे कहा, उस छोटे व्यक्ति ने कहा, “क्या आप नाव के चालक हो?”

भाई बैंक्स ने कहा, “हां।” भाई फ्रेड ने कहा, “हां।”

150 लेकिन मैंने कहा, “वे नहीं हैं। मैं एक नाव का चालक हूँ, और मैं जानता हूँ कि मैं बस इसके लिए नहीं जाऊंगा, और मुझे पक्का है कि मैं उस मार्ग में नहीं जाऊंगा।”

कहा, “क्या आप उनके साथ नहीं जाओगे?”

मैंने कहा, “नहीं। नहीं।”

151 ठीक है, मैं मुड़ा। और, जब मैंने ऐसा किया, वो छोटा सा व्यक्ति जो बंदरगाह पर खड़ा था वह मेरे अच्छे भाई में बदल गया, भाई आर्गनब्राइट।

152 और मैं वापस इस दर्शन में चला गया, और वहां एक छोटी सी, लंबी इमारत थी। और फिर एक आवाज ने मुझसे कहा... और आप सभी को यह याद होगा, या, आप में से बहुत से हैं। एक आवाज ने मुझसे कहा, “भोजन को लाओ। इसे जमा करके रखो। उन्हें यहां रखने का यही एकमात्र तरीका है, उन्हें भोजन देना है।” और मैं बहुत बड़े-बड़े बर्तनों को भरकर सबसे सुंदर गाजरों को लाया था और सबसे सुंदर सब्जियां, और इत्यादि चीजें, जो मैंने अब तक कभी देखी हैं। क्या अब आपको वह दर्शन याद है?

153 अब, और मैंने बाद में आपको बताया कि इसका अर्थ क्या था। मुझे भाई आर्गनब्राइट के साथ पांच रातों की सभा के लिए ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड जाना था। मैंने ऐसा होने से पहले ही भाइयों को बताया था, “मैं नहीं जाऊंगा।” और मैं वहां भाई वेल्च इवांस के साथ था, जब इस दर्शन के अनुवाद को दिया।

154 एक रात, मुझे याद है भाई वेल्च आए और मुझे अपने साथ लिया, हम मछली पकड़ने जा रहे थे, और कहा कि भाई आर्गनब्राइट मुझे बुला रहे हैं। मैंने कहा, “तो ठीक है, यहाँ बात ऐसी है। वे मुझे दूर करने जा रहे हैं।” और बहुत सी बार...

155 ना ही भाई माईनर के जरिये से; वह मेरे सबसे अच्छे मित्रों में से एक है। लेकिन कभी-कभी, यदि वे बस... क्या उन्हें लगता है कि आप कुछ ऐसा प्रचार करने जा रहे हैं जो उनकी शिक्षा के विरुद्ध है, वे बस कहते हैं कि आप वहां पर पर आ जाए, अपने मित्रों को वहां लेकर आये। और उन्होंने कहा...

156 भाई आर्गनब्राइट ने मुझे फोन किया और कहा, "भाई ब्रन्हम," ठीक वहीं जो आत्मा ने मुझे बताया था। कहा, "आप आ जाए, अपनी पत्नी को अपने साथ लेकर आए," कहा, "क्योंकि आपको इतना अधिक प्रचार नहीं करना होगा," कहा, "क्योंकि मुझे लगता है कि उन्होंने आपको केवल एक रात के लिए ही प्रचार दिया है।" और कहा, "हो सकता है आपको एक प्रचार भी करना ना पड़े।"

और मैंने कहा, "नहीं।"

157 "खैर," कहा, "आए, आप और आपकी पत्नी, आप सभी जन आ जाए, देखो, और यदि आप आते हो, तो मैं आपको घूमने ले जाऊंगा। ओह, मेरी पत्नी, आपकी पत्नी, और वे सभी लोग, हम वहां स्विट्जरलैंड से होते हुए, वहां फिलिस्तीन से होते हुए जाएंगे।"

मैंने कहा, "नहीं।"

158 मेरे पास दर्शन का अनुवाद था। मैंने भाई वेल्च या भाई फ्रेड और उन्हें बताया, "मैं आपको सुबह को बताऊंगा, लेकिन पहले मेरी पत्नी को कुछ तो कहना है।" और जब मैंने उसकी पत्नी को फोन किया, तब उसने जाने से इन्कार कर दिया। मैंने कहा, "यहाँ है ये।" देखा?

159 अब, वह छोटी सी, सफेद नाव वही वो एक सभा थी। यहाँ किनारे पर कहीं भी जाना ठीक बात है, एक सभा के लेकिन, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, हालांकि यह सफेद और अच्छी थी, कि मुझे समुद्र पार सभा के लिए बुलाना।

160 भाई फ्रेड और वहां उपस्थित भाई ने दर्शन में इस बात का प्रतिनिधित्व किया, उन्होंने प्रतिनिधित्व किया कि, "एक पर्यटक बनकर, मनोरंजन के लिए घूमने जायेंगे।" लेकिन मैंने ऐसा करने पर ध्यान नहीं दिया। और उन्हें नाव चालक बनने से मना कर दिया, इसका अर्थ था कि वे प्रचारक नहीं थे। लेकिन, मैं एक प्रचारक था।

161 और फिर उस छोटी, लंबी इमारत में मिलने वाला भोजन। मैं समुंद्र पार नहीं गया; और इस छोटी सी इमारत में फिर से लौट आया, और हमने पिरामिड और हर एक चीज के दर्जनों टेप बनाए, लोगों को यह दिखाने के लिए कि हम किस घड़ी में जी रहे हैं।

162 अब इसकी तुलना दूसरों के साथ भी करें, उन सपनों से। यह एक दर्शन था। वो भोजन, यहाँ है ये। यही वो स्थान है।

163 ध्यान दें उसके बाद किस बात ने जगह ली। फिर मुझे चौथे दर्शन के के आने के तुरंत बाद, या चौथा सपना मुझे बताया गया था, एक भाई पार्नेल सामने आया। वो यहाँ कहीं तो है, ठीक यहीं पर है। और बिली यहां पर नहीं था, और वह व्यक्ति घबराया हुआ था। वह ब्लूमिंगटन से है, मैं सोचता हूँ, या बेडफोर्ड से है? [एक भाई कहता है, "लाफायेट।"—सम्पा।] लाफायेट, सभाओं को रखने जा रहा है। और उसने एक सपना देखा था, और वह भाई बुड के पास आया। और उसने कहा, "मैं इस बात को ऐसे ही जाने नहीं दे सकता। मुझे इसे बताना ही होगा, भाई ब्रन्हम को बताना ही होगा। यह बात मुझे परेशान कर रही है।"

164 और परमेश्वर जानता है, उनके बीच में एक भी सपना नहीं था। एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, ऐसे आए।

165 भाई पार्नेल ने कहा, "मैंने एक अजीब सा सपना देखा। मैंने सपना देखा कि मैं वहां पर एक सभा को करने जा रहा हूँ। और किसी तरह से बात ऐसी हुई, जैसे, यहाँ एक नई कलीसिया में एक सभा है।" और कहा, "इस नई कलीसिया में," यह किस तरह से बात बाहर आई, कि वह सोचने लगा कि वे दोनों आपस में सहयोग क्यों नहीं कर रहे थे, या उस तरह से ऐसा ही कुछ तो। और कहा कि वह यहां पर तब तक खड़ा हुआ था, "तो ठीक है, मैं तो यहाँ आ ही गया हूँ। मैं बस यहीं रुक जाता हूँ और सभा में उपस्थित रहूंगा।" और कहा, "एक व्यक्ति भूरे रंग का सूट पहने हुए और एक किताब को लिए हुए भवन के अंदर आता है। मुझे लगता है कि वह लिख रहा था।" और उसने भाई पार्नेल को बताया, कहा, "'यह सभा एक बंद कमरे में होने वाली है। यह केवल डिकन और ट्रस्टी लोगों के लिए ही है।'" तो ठीक है, उसने एक तरह से अपमानित महसूस किया। इसलिए वह नई कलीसिया के द्वार से बाहर चला गया, वो कलीसिया जिसे खड़ा किया गया था, या यह एक जिसकी मरम्मत करके तैयार किया गया था। और जब वह वहां से

बाहर चला गया, वहां बर्फ गिर रही थी, मौसम खराब था, सर्दी का समय था।

और इन लोगों में से किसी को भी इस विषय में कुछ भी नहीं पता था।

166 और जब वह दरवाजे से बाहर निकला, तो मैं वहां खड़ा हुआ पश्चिम दिशा की ओर देख रहा था। मैंने कहा, “भाई पार्नेल, अपमानित महसूस ना करे। मैं आपको निर्देशित करूंगा कि आपको क्या करना चाहिए।”

167 और भाई पार्नेल, और उनमें से बाकी सभी जानते थे कि मैंने उन्हें कभी भी कोई अनुवाद नहीं बताया। यह ठीक अभी है; फिर भी, इसे देखते हुए जब वे इसे बोलेंगे। भाई पार्नेल, क्या आपने ध्यान दिया कि मैं कितनी जल्दी वहां से निकल गया? ताकि मुझे आपको यह बात न बतानी पड़े। और आगे चला गया, कभी भी भाई वुड या किसी और से कुछ भी नहीं कहा, किसी से भी नहीं। बस इसे छोड़ दिया, क्योंकि मैं देखना चाहता था कि यह किस ओर ले जा रहा है। क्या आपने मुझे हाल ही में कहते सुना है, “मैं परेशान हूँ”? यह वही बात थी।

168 और फिर, भाई पार्नेल, उसने कहा कि मैंने उससे कहा, “भाई पार्नेल, आगे बढ़िये। और सबसे पहला स्थान जहाँ आप पहुँचेंगे यह सिप्पोरा होगा।” सिप्पोरा, “सिप्पोरा,” जिसका अर्थ होता है हाइफन, या रुक जाओ, या ऐसा ही कुछ तो। मैंने कहा, “वहां मत रुकना। उसके बाद, आगे, और आपको एक बूढ़ी महिला मिलेगी; और फिर वहां नहीं रुकना। फिर से आगे बढ़ना, आप एक बहुत ही बूढ़ी महिला को पाओगे; वहां पर मत रुकना।” और हम हर समय बढ़ रहे थे, मैं बात कर रहा था, हम बर्फ में से चलते हुए जा रहे थे। और मैंने कहा, “जाओ जब तक आगे आपको मेरी पत्नी नहीं मिल जाती। और जब आपको मेरी पत्नी मिल जाए, तो वहीं रुक जाना!” और कहा कि उसने देखा, और हम बर्फ से बाहर निकलकर रेगिस्तान में आ गए थे। और मैं गायब हो गया था। और उसने पीछे मुड़कर देखा, और उसने देखा कि उसकी पत्नी एक कुएं से पानी निकाल रही है, और कोई सेवक उसे खींच रहा था, ताकि उसे पंप से दूर ले जा सके। वह उसकी ओर देख रही थी। और वह जाग गया।

169 यहाँ आपके सपने का अनुवाद है। और मैं आपको उस रात को बता सकता था, लेकिन मैं बस मुड़कर चला गया। यहाँ तक कि सिप्पोरा, और एक बूढ़ी महिला, और एक और बहुत ही, बहुत ही बूढ़ी महिला, ये वो

कलीसियाये है। समझे? और सिप्पोरा जो—जो असल में मूसा की पत्नी थी, सिप्पोरा, और हमने ध्यान दिया कि मैंने उससे कहा था कि वह उनके मिलने पर ना रुके, कोई फर्क नहीं पड़ता उनकी उम्र कितनी भी हो। वे संगठनाये थी। उनके मिलने पर मत रुकना। उन्होंने अपने समय को जी लिया है। लेकिन जब वह मेरी पत्नी के पास आएगा, जो कि मेरी कलीसिया है जिसे यीशु मसीह ने मेरे लिए भेजा है, उसे इस अंतिम दिन में, और यहाँ है ये, “वहाँ रुक जाना!” और मैं पश्चिम दिशा की ओर चला गया था।

170 तब बहन स्टेफी। हो सकता है वह यहां पर ना हो, क्योंकि वह अस्पताल में भर्ती है। मैं नहीं जानता कहां... बहन स्टे—... ? जी हां, वह यहीं पर है। बहन स्टेफी प्रार्थना के लिए मेरे घर आयी थी, इससे पहले कि वह ऑपरेशन के लिए अस्पताल में जाए, कि परमेश्वर उसकी सहायता करे और उसे आशीष दे। और उसने निश्चय ही ऐसा किया।

और उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, मैंने एक अजीब सा सपना देखा।”

मैंने कहा, “हां?”

171 और उसने कहा, “मैंने सपना देखा कि मैं वहां पश्चिम में थी। और मैं... ” यह छठा सपना है। और उसने कहा, “मैंने सपना देखा कि मैं पश्चिम में हूँ, और पहाड़ी देश था। और जब मैंने देखा, एक पहाड़ी पर खड़ी हुई थी, वहां एक बहुत ही बूढ़ा व्यक्ति था जिसकी लंबी, सफेद दाढ़ी थी, और उसके जो बाल थे, वे बढ़कर नीचे सारे चेहरे पर आ गए थे। और उसके चारों ओर एक सफेद चीज को लपेटा हुआ था, कुछ तो, कपड़ा,” कहा, “हवा इसे उड़ा रही थी।” मैं सोचता हूँ कि यह सही है, बहन स्टेफी, यह ऐसा ही था। और कहा, “मैं और नजदीक जा रहा थी। वह एक पहाड़ की चोटी पर खड़ा हुआ था, पूर्व दिशा की ओर देख रहा था।” और कहा, “मैं सोचने लगी, ‘यह बूढ़ा मनुष्य कौन है?’ ” और वह उसके नजदीक, और नजदीक जाने लगी। और जब वह नजदीक पहुंची, तो उसने पहचान लिया कि यह कौन था। यह अमरहार एलिय्याह था, वो भविष्यव्यक्ता, जो वहां खड़े होकर पूर्व की ओर देख रहा था।

172 उसने कहा, “मुझे उसे देखना ही है।” उसकी एक आवश्यकता थी। और वह दौड़कर ऊपर पहाड़ पर गई और वहां गिर पड़ी, कि उससे बात करे, एलिय्याह के नाम में। और कहा, जब वह बोली... उसने एक आवाज को सुना, कहा, “बहन स्टेफी, तुम क्या चाहती हो?” और वो मैं ही था।

173 बहन स्टेफी, आपका सपना ठीक वहीं पर पूरा हो गया। क्योंकि, उसके तुरंत बाद, मैं लुइसविले चला गया था। बहन को जिस चीज की आवश्यकता थी वह थी प्रार्थना। देखा? और वह अस्पताल में पूरी तरह से चंगी हो गई; और मेरे पूर्व की ओर देखते हुए, पश्चिम दिशा की ओर जाने का चिन्ह, अपने झुंड के लिए। ध्यान दें। जब...

174 मैं लुइसविले चला गया। और जब मैं वापस आया, तो मैंने एक प्रकार से फाटक की ओर जाने लगा, और वहाँ मेरे फाटक पर खंभे गाड़ दिए थे। श्रीमान गोयनेस, जो यहां शहर की सड़क के पास रहने वाले, उस गली में ऊपर आते दिखे। उन्होंने कहा, “बिली, यहाँ आ जाओ।” कहा, “आपको अपने फाटक और इत्यादि चीजों को, बाड़े, पत्थर के बाड़े और फाटक को हटाना होगा।”

मैंने कहा, “तो, ठीक है, बिल।” मैंने कहा, “मैं—मैं इसे करूंगा। कब करना है?”

175 उसने कहा, “मैं आपको बताऊंगा। मैं आपको समय बता दूंगा कब करना है।” मैंने कहा... “ठीक वर्ष के पहले दिन, वे इसे करना आरंभ करेंगे।”

मैंने कहा, “तो ठीक है।”

176 सो मैंने घर में वापस जाना आरंभ किया, और पत्नी ने कहा, “मुझे ठीक तभी किराने की दुकान पर जाना है।” और मैं गली की ओर चला गया। और वहां एक रेमंड किंग नाम का लड़का मिला, जो शहर का इंजीनियर है। मैं हमेशा उसे “मिट्टी वाला कान” कहकर बुलाता था। क्योंकि, जब हम छोटे बच्चे थे, एक साथ तैराकी करते थे, उसने एक लड़के के कान में मिट्टी का ढेरा फेंक के मारा था। और हम हमेशा उसे “मिट्टी वाला कान” कहकर बुलाते थे। वह ठीक मेरे सामने से गली में रहता है, भाई वुड के नीचे लगभग—लगभग पास के दरवाजे में।

और तो मैंने कहा, “मिट्टी, एक मिनट यहां आओ।”

उसने कहा, “ठीक है, बिली।” और वह वहां पर आ गया।

मैंने कहा, “वह खम्भा जिसे तुमने गाड़ा था?”

177 उसने कहा, “बिली, बात यह है कि वे पूरा हिस्सा अपने हाथ में लेने वाले हैं।” कहा, “यह सारे पेड़ों, इन बाड़ों और बाकी की सब चीजों को

हटाना होगा।”

178 मैंने कहा, “तो ठीक है, इंजीनियर ने मुझे बताया कि मेरी जमीन उस रास्ते के बीचोंबीच आती है।”

179 कहा, “हां, लेकिन वे इस रास्ते को चौड़ा करने जा रहे हैं। किसी भी तरह से इसे अपने कब्जे में लेने जा रहे हैं।” कहा, “मेरी भी ले रहे हैं।”

180 मैंने कहा, “भाई वुड एक—एक पत्थर के राजमिस्त्री है, और,” मैंने कहा, “मैं—मैं बस उससे इसे पीछे हटाने के लिए कह दूंगा।”

181 कहा, “बिली, इसे मत छुना। ठेकेदार को ऐसा करने दो। यह तो पास्टर का घर है, क्या ऐसा नहीं है?”

मैंने कहा, “जी हां, श्रीमान।”

कहा, “ठेकेदार को ऐसा करने दो।” कहा, “आप जानते हैं कि मेरा क्या अर्थ है।”

मैंने कहा, “जी हां।”

182 और मैं घूम कर वहां से चला गया, और, उसी क्षण, कुछ तो बात याद आई। [भाई ब्रन्हम चुटकी को बजाते हैं—सम्पा।] मैं घर गया, अपने निजी कमरे में गया, उस किताब को उठाया, और यह बात वहां पर था। यह सीमेंट के ठोस खंड नहीं थे; यह पत्थर थे। मैंने कहा, “मेडा, तैयार हो जाओ।”

183 लगातार छह सपने, और फिर दर्शन ने इसे पूर्ण कर दिया। “जब ये बातें घटित हो जाए, तो पश्चिम की ओर चले जाना।”

184 मैंने ट्यूसान में फोन किया। भाई नोरमन को एक स्थान मिला। मुझे नहीं पता कि मैं कहां जा रहा हूं। मैं नहीं जानता कि क्या करना है। मैं बस एक... मैं खड़ा हूं। मैं नहीं जानता कि क्या करना है। मैं एक ऐसे घर को छोड़ कर जा रहा हूं, जिसका मुझे किराया नहीं देना होता है। मेरी मजदूरी सौ डॉलर प्रति सप्ताह है। और मुझे एक घर के लिए लगभग सौ डॉलर प्रति माह का भुगतान करना होगा। मैं ठीक यहां अपने भाइयों और बहनों के साथ हूं, जहां मुझे प्रेम किया जाता है। और मैं वहाँ जा रहा हूं, मुझे नहीं पता कि कहां। मुझे नहीं पता क्यों। मैं आपको नहीं बता सकता क्यों। लेकिन वहां केवल एक ही चीज है जो मैं जानता हूं, कि वही करूं जो वो मुझे करने को

कहता है। मुझे नहीं पता, नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है, क्या करना है। ये मेरा काम नहीं...

185 मैं अनुमान लगाता हूँ अब्राहम ने इसी तरह से महसूस किया होगा जब उसने उसे कहा, “नदी के उस पार जाओ।” वह नहीं जानता था कि क्या करना है, लेकिन खुद को अलग करके, परदेशी होकर रहना है। मुझे भी नहीं पता कि क्या करना है।

186 पिछले शनिवार की सुबह, कल से एक सप्ताह के बाद, लगभग सुबह के लगभग तीन बजे के दौरान, मैं उठ गया और पानी पिया, और उसके कमरे में जाकर, और जोसफ के ऊपर चादर को डाला। और फिर मैं वापस आया, और बस लेट गया था। मुझे नींद आ गई। और जब मैं सो गया... मैं इन छोटे-छोटे सपनों और इत्यादि बातों को खत्म कर रहा हूँ, सो आप उसकी पृष्ठभूमि को देखेंगे जो मैं अब कहने जा रहा हूँ। मैंने—मैंने जोसफ के ऊपर चादर डाली, और मैं वापस जाकर और लेट गया, और नींद आ गई। और मैंने एक सपना देखा।

187 और मैंने सपना देखा कि मैंने एक मनुष्य देखा जो मेरा पिता होना चाहिए था, हालांकि वह एक बहुत बड़ा व्यक्ति था। और मैंने एक ऐसी स्त्री को देखा जो मेरी मां होनी चाहिए थी, लेकिन वह मेरी मां की तरह नहीं दिखती थी। और यह व्यक्ति अपनी पत्नी के प्रति बहुत ही बुरा व्यवहार कर रहा था। और उसके पास आगे से एक त्रिकोण आकार की छड़ी थी, जहां से उसने इस लकड़ी को चीरा हुआ था। और इसने एक... आप जानते हैं, जब लकड़ी के टुकड़े पर आगे से एक काटा जाता है, तो उससे तीन-कोनों वाली लकड़ी की छड़ी बनती है। और हर समय जब यह स्त्री खड़ी होने लगती है, वह तब उस स्त्री की गर्दन पकड़कर और उसके सिर पर प्रहार करता, और उसे नीचे गिरा देता था। और फिर वो वहीं पर पड़ी रहती, और चिखती और रोती, और तब वह फिर से वापस उठना आरंभ करती। वह अपना सीना ताने हुए, घमंड से इधर-उधर घूमता, बहुत ही बड़ा व्यक्ति। और जब वह फिर से उठ कर खड़ी होती, तो वह फिर से उसे गर्दन से पकड़ लेता, और इस तीन कोने वाली छड़ी को लेकर, और इसके साथ उसके सिर पर वार करता, उसे नीचे गिरा देता। वापस चलने लगता और अपनी छाती को तानता, जैसे उसने कोई बड़ा काम किया हो।

188 और मैं खड़े होकर, उसे देख रहा था। मैंने सोचा, “मैं उस पुरुष का

सामना नहीं कर सकता। वह बहुत ही बड़ा है। और, तब, वह मेरा पिता होना चाहिए, लेकिन वह मेरा पिता नहीं है।” और मैंने कहा, “उसका कोई काम नहीं है कि उस स्त्री के साथ ऐसा व्यवहार करे।” और मैं एक प्रकार से उस व्यक्ति से थोड़ा परेशान हो गया। तो, फिर, अचानक से, मैंने इतनी हिम्मत जुटाई, और मैं उसके पास चला गया, और मैंने उसे कॉलर से पकड़ कर और उसे अपनी ओर घुमाया। और मैंने कहा, “तुम्हें उसे मारने का कोई अधिकार नहीं है।” और जब मैंने यह कहा, मांसपेशियां बढ़ने लगीं। मैं बहुत ही विशाल सा दिखने लगा। और उस व्यक्ति ने उन मांसपेशियों की ओर देखा, और फिर वह मुझसे डर गया। और मैंने कहा, “तुमने उसे फिर से मारा, तो तुम्हें मुझसे निपटना होगा।” और वो उसे फिर से मारने में एक प्रकार से झिझक रहा था। और फिर मैं जाग गया।

189 और मैं वहां थोड़ी देर लेटा रहा। मैंने सोचा, “यह क्या है? अजीब बात है कि मुझे उस स्त्री के बारे में सपना आया।” और कुछ ही क्षण में, यहां पर वो आता है। मुझे इसका अर्थ समझ में आ गया।

190 स्त्री संसार की कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है, आज, सारे संसार भर की। मैं ठीक इसी गड़बड़ी में जन्मा था, और यहाँ पर मैं हूँ। वो इस प्रकार से एक—एक माँ होनी चाहिए... यदि वह एक वेश्या की माँ थी, लेकिन फिर भी मैंने उसी में जन्म लिया था। और यह... उसका पति वे संप्रदाय है जो उस पर अधिकार करता है। तीन कोने वाली छड़ी जो उसके पास थी, यह झूठे नामों में त्रिएकता का बपतिस्मा है, कि, हर बार जब वह उठना आरंभ करती, सभा के लोग, कि इसे स्वीकार करे, तो वह उसे इसी के साथ उस पर वार करके नीचे गिरा देता। और, निश्चय ही, वह इतना बड़ा था, कि मैं पीछे हट गया, उससे थोड़ा डर गया था। और तब मैं किसी भी तरह से उससे भीड़ गया, और मांसपेशियां विश्वास की मांसपेशियां थीं। इससे मुझे सोचने को लगाया, “यदि परमेश्वर मेरे साथ है, और मुझे मांसपेशियों को दे सकता है, तो मैं उस स्त्री के लिए खड़ा हो जाऊंगा। ‘उसे मारना छोड़ दो!’”

191 अवश्य ही दिन के दस बजे होंगे, जब मेरी पत्नी कमरे में आने का यत्न कर रही थी, और यह घटित हुआ। मैं उस सुबह एक दर्शन में गया, और मैं किसी तरह से... अब, याद रखना, यह एक सपना नहीं था।

192 सपने और दर्शन में अंतर होता है। सपने तब आते हैं जब आप सो

रहे होते हैं। दर्शन, जब आप सो नहीं रहे होते। हम इसी तरह से जन्मे हैं। साधारण सा मनुष्य, जब वह कोई सपना देखता है, तो यह उसके अवचेतन में होता है। और उसका अवचेतन मन उससे बहुत दूर होता है। उसकी चेतनाये सक्रिय होती है, जब तक वह अपनी पहली चेतना में होता है। इस चेतना में, आप, आप सामान्य होते हैं; आप देखते हैं, चखते हैं, महसूस करते हैं, सूंघते हैं, सुनते हैं। लेकिन जब आप अपने अवचेतन मन में होते हैं, सो रहे होते हैं, तो आप न तो देखते हैं, न चखते हैं, न महसूस करते हैं, न सूंघते हैं, या सुनते हैं। लेकिन वहाँ कुछ तो है, जब आप सपना देखते हैं, कि आप इस चेतना में वापस आते हैं। वहाँ एक याददाश्त होती है, जो कि आपको कुछ तो याद होता है, जिसके बारे में आपने वर्षों पहले सपना देखा था। साधारण मनुष्य इसी प्रकार से होता है।

193 लेकिन जब परमेश्वर कुछ तो पहले से ठहराता है, यह अवचेतन भविष्यद्रष्टा से यह अवचेतन मन यहाँ से बहुत दूर नहीं होता, बल्कि चेतन और अवचेतन—दोनों एक साथ कार्य करते हैं। और भविष्यद्रष्टा, एक दर्शन में, वो सोता नहीं है। वह अब भी अपने होश में होता है, और इसे देखता है।

194 मैं कुछ दिन पहले कुछ डॉक्टरों को इसी बात को समझा रहा था। और उन्होंने उठकर और कहा, “अद्भुत। कभी इस तरह की बात के बारे में सोचा भी नहीं था।” जब मेरा तरंग का परीक्षण किया जा रहा था, और उन्होंने कहा कि मैं... उन्होंने ऐसा कुछ भी कभी नहीं देखा था। समझे? “खैर,” कहा, “आपके साथ कुछ तो होता है।” और मैंने कहा। मैंने इसे बताया। उसने कहा, “बिल्कुल ठीक ऐसा ही है।” समझे?

195 दोनों चेतनाये ठीक एक साथ पास-पास होती है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे मैं कर सकता हूँ, और यह मुझे किसी और से बढ़कर नहीं बनाता है। यह बस, परमेश्वर ने इसे इस तरह से बनाया है। आप सोने नहीं जाते हैं। आप ठीक यहीं पर होते हैं, ठीक जैसे एक नींद में हो। आप यहां खड़े हुए हैं, इस तरह से वहां देख रहे होते हैं।

196 और आप सभी ने इसे देखा है, सारे भर संसार में। आप सोने नहीं जाते हैं। यहां मंच पर खड़े होकर, लोगों से बात कर रहे होते हैं, आप मुझे सुनते हैं कि दर्शन में जा रहा हूँ और वापस आता हूँ। जब मैं आपके साथ कार में सवारी करते हुए जा रहा हूँ, या कहीं भी और, और आपको उन

चीजों को बताता हूँ जो होने वाली हैं; और कभी भी विफल नहीं होता है, कभी नहीं हुआ। क्या कभी किसी ने इसे विफल होते देखा है? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] नहीं, महाशय। यह विफल नहीं हो सकता। यह विफल नहीं होगा, जब तक यह परमेश्वर है। ध्यान दें, ठीक मंच पर ही, हजारों, दसियों हजारों लोगों के सामने, यहां तक कि अन्य भाषाओं में जिसे मैं बोल भी नहीं सकता, फिर भी यह विफल नहीं होता है। समझे? यह परमेश्वर है!

197 अब, इस दर्शन में, या जैसा कि मैं बोल रहा था, मैंने देखा और मैंने एक अजीब सी चीज को देखा।

198 अब, ऐसा प्रतीत हुआ जैसे मेरा छोटा बेटा, जोसफ, मेरी बगल में खड़ा था। मैं उससे बात कर रहा था। अब, यदि आप दर्शन को बहुत ही ध्यान से देखेंगे, तो आप देखेंगे कि जोसफ वहां क्यों खड़ा हुआ था।

199 और मैंने देखा, और वहां पर एक बड़ी झाड़ी थी। और इस झाड़ी पर, पक्षियों के एक समूह में—में, छोटे-छोटे पक्षी थे, वे लगभग आधा इंच लंबे, और आधे इंच ऊँचे थे। वे छोटे-छोटे योद्धा जैसे थे। उनके छोटे पंख संघर्ष से झुक गए थे। और वहां लगभग सबसे ऊपरी डाली पर दो या तीन पक्षी थे, अगली डाली पर छह या आठ थे, और उसकी अगली डाली पर पंद्रह या बीस; ये ऊपर से नीचे पिरामिड के आकार में थे। और वे छोटे-छोटे पक्षी, छोटे संदेशवाहक, और वे बहुत ही थक चुके थे। और वे पूर्व दिशा की ओर देख रहे थे।

200 और मैं दर्शन में, ट्यूसान, एरीजोना में था, क्योंकि उसने इसे इस उद्देश्य से ऐसा किया कि मैं यह देखने से चूक न जाऊँ कि ये कहाँ पर था। मैं अपने ऊपर लगे हुए रेगिस्तान के बीज या झाड़ी को निकाल रहा था। और मैंने कहा, “अब, मैं जानता हूँ कि यह एक दर्शन है, और मैं जानता हूँ कि मैं ट्यूसान में हूँ। और मैं जानता हूँ कि वे छोटे-छोटे पक्षी वहां किसी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।” और वे पूर्व दिशा की ओर देख रहे थे। और अचानक से उनके मन में उड़ने का विचार आया, और वे दूर चले गए, पूर्व की ओर।

201 और जैसे ही वे चले गए, बहुत बड़े पक्षियों का एक समूह आ गया। वे पिंडुक के समान दिखाई दे रहे थे, तेज-नुकीले पंख, एक प्रकार के भूरे रंग के, जो ये पहले छोटे संदेशवाहक थे उसकी तुलना में थोड़ा सा हल्का

रंग था। और वे तेजी से पूर्व दिशा की ओर आ रहे थे।

202 और जैसे ही वे मेरी दृष्टि से ओझल हो गए, तो मैं फिर से पश्चिम दिशा की ओर देखने के लिए मुड़ा, और वहां यह घटित हुआ। वहां एक धमाका हुआ था जिसने वास्तव में पूरी धरती को हिला दिया।

203 अब, इस बात से चूकना मत। और आप, टेप पर, सुनिश्चित करें कि आप इसे सही से समझेंगे।

204 पहला, एक धमाका। और मैंने सोचा कि यह एक ध्वनि अवरोध की तरह दिखाई दिया, आप इसे जो भी कहते हैं जब वे विमान ध्वनि की गति को पार कर देते हैं, और वो ध्वनि की आवाज़ धरती पर वापस आती है। बस हिला दिया, जैसे, तेज दहाड़ हुई, हर एक चीज। तब, यह एक—एक—एक बड़ी बिजली की तेज गर्जन की आवाज़ हो सकती है, और जैसे बिजली का चमकना; मैंने बिजली को चमकते नहीं देखा। मैंने बस उस बड़े धमाके को सुना जो वहां पर हुआ, ऐसा लग रहा था जैसे कि जहाँ पर मैं था वहां से यह दक्षिण की ओर था, मेक्सिको की ओर।

205 लेकिन, इसने धरती को हिला दिया। और जब ऐसा हुआ, मैं अब भी पश्चिम दिशा की ओर देख रहा था। और वहां बहुत ही दूर अनंतता में, मैंने किसी चीज के एक समूह को आते हुए देखा। ऐसा दिखाई दिया जैसे कि हो सकता है ये कोई छोटे-छोटे बिंदु हो। वहां यह पांच से कम नहीं हो सकते थे, और सात से अधिक नहीं हो सकते थे। लेकिन, वे एक पिरामिड के आकार में थे, जैसे ये संदेशवाहक आ रहे थे। और जब ऐसा हुआ, तो सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ ने मुझे उनसे मिलने के लिए ऊपर उठाया।

206 और मैं इसे देख सकता था। इसने मुझे कभी नहीं छोड़ा। आठ दिन बीत चुके हैं, और मैं इसे अभी तक नहीं भूल सकता। ऐसी कोई बात पहले कभी नहीं हुई थी जिसने मुझे इस तरह से परेशान किया हो। मेरा परिवार आपको बताएगा।

207 मैं उन दूतों को देख सकता था, वे पीछे की ओर किये हुए पंख, जो आवाज़ से भी बढ़कर तेजी से यात्रा कर सकते थे। वे अनंतता से आये, एक खंड में, आँख के पलक झपकने के समान। आपकी आँख को झपकाने के जितना भी नहीं, बस एक क्षण भर में, वे वहां पर थे। मेरे पास उन्हें गिनने का समय नहीं था। मेरे पास बस उनकी ओर देखने के अलावा और समय

नहीं था। वे शक्तिशाली थे, बड़े, सामर्थी दूत, बर्फ से सफेद; पंख फैले हुए थे, और उनके सिर। और वे, “व्यू-व्यू!” कर रहे थे और जब ऐसा हुआ, तो मैं इस पिरामिड समूहों के अंदर उठा लिया गया था।

208 और मैंने सोचा, “अब, यही है।” मैं पूरी तरह से सुन्न पड़ गया था। और मैंने कहा, “ओह, प्रभु! इसका अर्थ है कि वहां पर एक धमाका होगा जो मुझे मार डालेगा। मैं अब अपने मार्ग के अंत में हूं। जब यह दर्शन चला निकल जाता है, तो मुझे मेरे लोगों को नहीं बताना चाहिए। मैं नहीं चाहता कि वे लोग इसके बारे में जाने। लेकिन, स्वर्गीय पिता ने मुझे बता दिया है कि अब मेरा समय समाप्त हो गया है। और मैं अपने परिवार को नहीं बताऊंगा, क्योंकि वे मेरे बारे में चिंता करेंगे, ‘कि वो जाने पर है।’ और ये दूत मेरे लिए आए हैं, और मैं बहुत ही जल्द अब किसी प्रकार के एक धमाके में मारा जाऊंगा।”

209 तब यह बात मेरे पास आयी, जिस समय मैं इस समूह में था, “नहीं, यह ऐसा नहीं है। यदि यह तुम्हें मार डालता, तो यह जोसफ को भी मार डालता।” और मैं जोसफ को मुझे बुलाते हुए सुन पा रहा था।

210 खैर, तब मैं फिर से मुड़ा। मैंने सोचा, “प्रभु परमेश्वर, इस दर्शन का क्या अर्थ है?” और मैं सोचने लगा।

211 और फिर यह बात मेरे पास आयी, (ना ही एक आवाज) बस मेरे पास बात आयी। “ओह! ये प्रभु के दूत हैं, जो मुझे मेरा नया कायदेश देने के लिए आ रहे हैं।” और जब मैंने यह सोचा, मैंने अपने हाथों को ऊपर उठाया, और मैंने कहा, “हे प्रभु यीशु, आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?” और दर्शन ने मुझे छोड़ दिया। लगभग एक घंटे तक, मैं कुछ महसूस नहीं कर पाया।

212 अब, आप लोग जानते हैं कि प्रभु की आशीषे क्या होती है। लेकिन, प्रभु की सामर्थ कुल मिलाकर भिन्न होती है, प्रभु की सामर्थ उस तरह के स्थानों में होती है। मैंने कई बार, कई बार, पहले दर्शन में इसे महसूस किया है, लेकिन इस तरह से कभी महसूस नहीं किया। यह एक आदरपूर्ण भय की जैसा महसूस हो रहा था। मैं इतना डरा हुआ था, यहाँ तक कि मैं इन जीवों की उपस्थिति में लकवाग्रस्त हो गया था।

213 मैं सच बता रहा हूं। जैसा कि पौलुस ने कहा, “मैं झूठ नहीं बोलता।” आपने मुझे कभी भी इस तरह की किसी बात के विषय में कुछ भी गलत

कहते हुए नहीं पकड़ा। कुछ तो घटित होने जा रहा है।

214 फिर, थोड़ी देर के बाद, मैंने कहा, “प्रभु यीशु, यदि मैं मारा जाने वाला हूँ, तो मुझे बताएं, सो मैं अपने लोगों को इस बारे में नहीं बताऊंगा। लेकिन यदि यह कुछ तो और है, तो मुझे बताएं।” लेकिन, कुछ भी उत्तर नहीं मिला।

215 जब आत्मा ने मुझे छोड़ दिया, लगभग आधे घंटे तक, मैं सोचता हूँ, या उससे अधिक, मैंने कहा, “प्रभु, यदि ये ऐसा है, तब, कि मैं मारा जाने वाला हूँ, और आपने मेरे साथ धरती पर काम को समाप्त किया है, और— और मुझे अब घर में ले जाया जाएगा; जो, यदि ऐसा है, तो यह अच्छी बात है। कोई बात नहीं। तो,” मैंने कहा, “यदि ऐसा है, तो मुझे बतायें। अपनी सामर्थ को फिर से मुझ पर वापस भेजें, तब मैं जान जाऊंगा कि मैं अपने लोगों को या किसी को भी इसके बारे में नहीं बताऊंगा, क्योंकि आपका आना तय है कि आकर मुझे यहाँ से ले जायेंगे।” और मैं... और कुछ भी नहीं हुआ। और मैंने थोड़ी देर प्रतीक्षा की।

216 तब मैंने कहा, “प्रभु यीशु, यदि इसका अर्थ ऐसा नहीं है, और इसका ऐसा अर्थ है कि आपके पास मेरे करने के लिए कुछ तो है, और यह बात मुझ पर बाद में प्रगट होगी, तब अपनी सामर्थ को भेजे।” और इसने मुझे लगभग कमरे से बाहर ही कर दिया!

217 मैंने अपने आप को, कहीं तो, वहां एक कोने में पाया। मैं कहीं तो था अपनी पत्नी को सुन सकता था, दरवाजे को हिलाने की कोशिश कर रही थी। सोने के कमरे के दरवाजे पर ताला लगा था। और मेरे पास एक खुली हुई बाईबल थी, और यह... मैं पढ़ रहा था, मैं नहीं जानता, लेकिन यह खुली थी, मैं सोचता हूँ, रोमियो का 9वां अध्याय, अंतिम पद:

... देखो, मैं सिय्योन में एक कोने का पत्थर, ठोकर का पत्थर रखता हूँ, एक बहुमूल्य कोने का पत्थर, और जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह लज्जित नहीं होगा।

218 और मैंने सोचा, “यह अजीब बात है कि मैं इसे पढ़ रहा हूँ।” आत्मा अब भी मुझे कमरे मुझे लिए हुए है! मैंने बाईबल को बंद किया और वहां खड़ा हो गया।

219 मैं वहां खिड़की के पास गया। यह दिन के लगभग दस बज रहे थे, या ज्यादा समय हुआ था। और मैंने अपने हाथों को उठाया, और मैंने कहा,

“प्रभु परमेश्वर, मैं नहीं समझ पा रहा हूँ। यह मेरे लिए विचित्र दिन है। और मैं लगभग अपने आपे में नहीं हूँ।”

220 मैंने कहा, “प्रभु, इसका क्या मतलब है? मैं फिर से पढ़ूंगा, यदि यह आप ही हो।” अब, यह बात बचकानी सी लगती है। और मैंने बाईबल को लिया, उसे खोला। फिर से वहां वही बात थी, उसी स्थान पर, पौलुस यहूदियों को बता रहा था कि उन्होंने... रोमियों को बताने की कोशिश की कि यहूदियों ने इसे कामों के द्वारा स्वीकार करने की कोशिश की, लेकिन यह विश्वास के द्वारा हम इस पर भरोसा करते हैं।

221 तो, तब से लेकर यह एक भयानक समय रहा है। आप देखते हैं अब मैं कहाँ खड़ा हूँ। मैं नहीं जानता कि क्या हो रहा है। मैं नहीं जानता कि क्या कहूँ।

222 लेकिन अब मुझे, अभी, अब यहाँ से आगे, अगले लगभग पंद्रह, बीस मिनट के लिए, अब मैं यहां कुछ कहने की कोशिश करूंगा। याद रखिए, एक बार भी वे दर्शन विफल नहीं हुए। अब मैं कुछ क्षण के लिए वचनों को लेने जा रहा हूँ, यदि आप ध्यान दें तो, प्रकाशितवाक्य के 10वें अध्याय में। अब मुझे यह कहने दो। यदि यह दर्शन वचन के अनुसार है, तो इसका केवल वचन के द्वारा ही अनुवाद किया जा सकता है। और फिर मैं चाहता हूँ कि आप इसे एक साथ रखें।

223 और, अब, आप जो यहां उपस्थित हैं, और आप जो टेप पर हैं, पक्का करें कि आप इसे उसी तरह से कहेंगे जिस तरह से मैं इसे कहता हूँ, क्योंकि इसे काफी आसानी से गलत समझा जा सकता है।

224 क्या आप जल्दी में हैं? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] तो ठीक है। बस... मैं आपको बहुत ही शांती बनाये रखने के लिए धन्यवाद देता हूँ, अच्छा है।

अब, “सातवां दूत... ”

225 अब, महाशय, (जैसा कि मैंने इसे शीर्षक दिया) क्या यह अंत समय का चिन्ह है? हम कहाँ पर रह रहे हैं? यह दिन का कौन सा समय है? जैसे थका हुआ पहलवान, जो सारी रात भर, बार-बार उठ जाता है और घड़ी को उठाकर, देखता है यह देखने के लिए कि समय क्या हुआ है, रोशनी को जलाता है। मेरी प्रार्थना है, “परमेश्वर, आओ हम रोशनी को जलाए।”

226 काश आप इसे समझ पाते, मैं एक गंभीर स्थान पर खड़ा हूँ। याद रखें, मैं आपको प्रभु के नाम में बताता हूँ, मैंने आपको सच्चाई को बताया है, और कुछ तो घटित होना तय है।

227 मैं नहीं जानता। अब, आप टेप पर है, इस बात को समझे। मुझे नहीं पता। मैं कोशिश करूंगा। जो कल मेरे पास आया, मैं अपने निजी कमरे में बैठा हुआ था, मैं यह नहीं कहता कि यह सत्य है; यह केवल मेरे हृदय में कुछ तो चल रहा था, जहां मैं कमरे में टहल रहा था।

228 मेरा—मेरा विचार था कि मैं नीचे जाऊँ, कुछ दिन वहाँ रुकूँ, फिर चार्ली के साथ आकर, और एक दिन उसके साथ शिकार पर जाऊँ, इससे पहले कि हमें एक दूसरे से अलग होना पड़े।

229 मुझे यह कहने दो, कि, क्योंकि मैं पश्चिम की ओर जा रहा हूँ, ये ऐसा नहीं है कि मैं इस आराधनालय को छोड़ रहा हूँ। यही वो कलीसिया है जिसे प्रभु परमेश्वर ने मुझे दिया है। यहां पर मेरा मुख्यालय है। यहीं वह जगह है जहां मैं रहता हूँ। मैं केवल उस आज्ञा का पालन करने जा रहा हूँ जो मुझे दर्शन के द्वारा दिया गया है। मेरा बेटा, बिली पॉल, मेरा सचिव बना रहेगा। मेरा कार्यालय ठीक यहां इसी कलीसिया में होगा। परमेश्वर की सहायता से, मैं यहां पर रहूंगा जब यह... यह काम समाप्त हो जाता है, कि सात मोहरों का प्रचार करूँ। और कोई भी टेप जो मैं बनाता हूँ, या कुछ भी और करता हूँ, ठीक यहां इसी कलीसिया में बनाया जाएगा। और जहाँ तक मुझे पता है, ठीक यहीं पर, ये वो जगह है जहाँ पर मैं अधिक स्वतंत्रता से प्रचार कर सकता हूँ संसार में किसी और स्थान की तुलना में यहाँ पर कर सकता हूँ, क्योंकि यहां लोगों का एक ऐसा झुण्ड है जो विश्वास करता है, और भूखा है और पकड़े रहता है। और यह मेरे लिए घर के जैसा अनुभव कराता है। यही वो स्थान है। और यदि आप ध्यान दें, तो सपनों ने भी इसी बात को बताया, देखा, जहां पर भोजन है।

230 लेकिन, अब, मैं नहीं जानता कि भविष्य में क्या रखा है, लेकिन मैं इस बात को जानता हूँ कि किसने भविष्य को थाम कर रखा है। यही मुख्य बात है।

231 अब, परमेश्वर, यदि मैं गलत हूँ, तो मुझे क्षमा करें, और फिर मेरे मुंह को बंद करे, प्रभु, किसी भी चीज के लिए जो आपकी इच्छा के अनुसार न हों। मैं इसे केवल इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि मैं प्रभावित हूँ, प्रभु। होने

पाए लोग समझ जाए; केवल प्रभावित हूँ।

232 इसी कारण से मुझे लगता है कि अनुवाद कभी भी तुरंत नहीं आया, यह परमेश्वर की सर्वोच्चता के द्वारा दिया गया था, क्योंकि मैं विश्वास करता हूँ कि यह यहां बाईबल में मेरे लिए लिखा गया है। और फिर यदि यह वचन के अनुसार है, तो केवल ये वचन ही इसका अनुवाद कर सकता है। और यदि यह सत्य है, भाईयों, बहनों, मेरा मतलब आपको डराना नहीं है, लेकिन हमारे लिए अच्छा होगा कि अब हम बहुत ही सावधान रहें। हम पक्का कर रहे हैं... कुछ तो घटित होने के लिए पक्का है। और मैं यह बात आदर और परमेश्वर के भय के साथ कह रहा हूँ। और आप सोचते हैं कि मैं यहां खड़ा होकर... और आप लोग यहां तक मुझ पर एक भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करते हैं; मैं ऐसा होने का दावा नहीं करता।

233 मेरी भावना यह थी। ना—... पिछले वर्ष, मैंने कहा, “मैं... केवल जो चीज मैंने देखी है कि, राष्ट्रों में बेदारी समाप्त हो गई है, या, इस राष्ट्र में, जो भी हो।” मैंने एक सुसमाचार प्रचार के दौरे पर गया। आप में से बहुत से लोग मेरे साथ गए। ओह, यह सब ठीक था। हमारे पास बहुत अच्छा समय था, अच्छी सभायें हुई थी, बहुत सी भीड़, लेकिन फिर भी यह बस उस स्थान तक नहीं पहुंची।

234 इस वर्ष, मैं एक मिशनरी के दौरे पर जा रहा हूँ। मुझसे जितना जल्दी हो सकता है, मैं अफ्रीका, भारत और दुनिया भर में जाऊंगा, यदि मैं जा सकता हूँ, एक और मिशनरी दौरे पर।

235 यदि इससे भी काम नहीं बना, तो मैं न तो पानी पीऊँगा और न खाना खाऊँगा, और मैं उनमें से किसी ऊँचे पहाड़ों पर चढ़ जाऊँगा, और मैं वहाँ रुका रहूँगा जब तक परमेश्वर किसी तरह से उतर नहीं देता है। मैं इस तरह से नहीं जी सकता। मैं बस आगे नहीं बढ़ सकता।

236 ये यहाँ पर इसका उत्तर हो सकता है। मैं नहीं जानता। “जब तक वो मुझे नहीं बदलता है,” क्या आपको लगभग तीन सप्ताह पहले का दर्शन याद है, “धूप में खड़े होकर, सभा के लोगो को प्रचार कर रहा था”? पिछले रविवार को आप सभी लोग जो यहां पर थे। बहुत से रविवार, आप लोग जो यहां टेप को लेते हैं, और—और यहां है जब इसे बनाया जाता है, तो आप इन बातों को समझते हैं। क्योंकि, अब मैं बस इन स्थानों पर बात करूँगा, और आप इसे देखना। यहां तक कि इसका हर एक अंश जो कहा

गया है, ठीक-ठीक इसी में मेल खाता है, इसलिए ये अवश्य ही इसका अनुवाद होगा। मैं नहीं जानता। इसलिए मैं कह रहा हूँ, “महाशय, क्या यह वही है?”

237 मैं विश्वास करता हूँ कि प्रकाशितवाक्य 10 का “सातवां दूत” ये प्रकाशितवाक्य 3:14 के सातवी कलीसिया युग का संदेशवाहक है। याद रखना। अब मुझे पढ़ने दो। देखिए मैं जहाँ से पढ़ सकता हूँ। अब, यह सातवां दूत था।

लेकिन सातवें दूत के आवाज देने के दिनों में, (7वां पद) जब वह आवाज देना आरंभ करेगा, तो परमेश्वर का रहस्य समाप्त हो जाएगा, जैसा कि उसने अपने दासों भविष्यद्वक्ताओं को बताया है।

238 अब, आप ध्यान दीजिए, यह एक दूत था। और यह सातवी कलीसिया युग का दूत है, क्योंकि यह यहाँ कहता है, यह “सातवा दूत,” है सातवी कलीसिया युग का। यह पाया जाता है, यदि आप देखना चाहते हैं कि कौन... वो दूत कहां है, प्रकाशितवाक्य 3:14, यह, “लौदिकिया कलीसिया का दूत” है।

239 अब, आपको याद होगा जब यह बात वहां बताई गई थी, उन दूतों और कलीसिया के युगों में। और अब, इसमें, यह ठीक इन सात मोहरों के साथ पूरी तरह से जुड़ता जाएगा, जिसके विषय में हम बात करने जा रहे हैं। और उन सात मोहरों के विषय में हम बात करने की कोशिश कर रहे हैं, जब वे इस बार आते हैं, ये सात लिखित मोहरें हैं। और ये सात मोहरे, जैसा कि आप जानते हैं, यह सात कलीसियाओ के सात दूतों का प्रगटीकरण है; लेकिन, वहां सात और मोहरें हैं जो किताब के पिछले भाग में हैं, यह बाईबल के बाहर की ओर है। ध्यान दें। हम इसे थोड़ी देर में ले लेंगे।

240 अब, इससे पहले कि मैं इसे आरंभ करूं, क्या आप थके हुए हैं? क्या आप खड़े होना चाहेंगे, अपनी स्थिति को बदलना चाहेंगे? [सभा कहती है, “नहीं।” —सम्पा।] अब ध्यान से सुनना।

241 प्रकाशितवाक्य 10:7 का सातवां दूत सातवां कलीसिया युग का संदेशवाहक है। समझे? अब ध्यान दे। “और उन दिनों में...” अब यहाँ पर देखें:

लेकिन सातवें दूत के आवाज देने के दिनों में, जब वह आवाज देना आरंभ करेगा, तो परमेश्वर का रहस्य समाप्त हो जाएगा,...

242 अब, यह संदेशवाहक, आवाज को दे रहा है, यहां सातवां दूत अपने संदेश को दे रहा है लौदिकियन कलीसिया के लिए। उसके संदेश के नमूने पर ध्यान दें। अब, यह पहले कलीसिया के दूत को नहीं दिया गया था, यह नहीं दिया गया था; ना ही दूसरे दूत, तीसरे, चौथे, पांचवे, छठे को। लेकिन यह सातवां दूत है जिसके पास इस प्रकार का संदेश था। यह क्या था? उसके इस प्रकार के संदेश पर ध्यान दें, “परमेश्वर के सभी रहस्यों को समाप्त कर रहा है, जो पुस्तक में लिखे हुए हैं।” वो सातवां दूत उन सारे रहस्यों को समाप्त कर रहा है, जिसमें सारी छोड़ी हुई बातें रखी हुई हैं, सभी इन संगठनों और संप्रदायों में से होते हुए। सातवां दूत उन्हें इकट्ठा करता है, और सारे रहस्य को समाप्त करता है। यही है जो बाईबल ने कहा, “लिखित किताब के रहस्य को समाप्त करता है।”

243 अब आइए इन कुछ रहस्यों पर ध्यान दें, और यदि आप चाहें तो उन्हें लिख लें। सबसे पहले, मैं स्कोफिल्ड संस्करण को लेता हूं जो यहां मत्ती 13 में कहता है। यदि आप चाहे तो उनमें से कुछ वचन को लिख ले, यदि आपके पास स्कोफिल्ड बाईबल नहीं है, आप पढ़ सकते हैं कि वो उनमें से कुछ रहस्यों के लिए क्या सोचता है। अब, 11वें पद में:

और उस ने उनको उत्तर दिया और कहा, क्योंकि यह तुम्हें (उसके चेलों) के लिए दिया गया है, क्योंकि यह तुम्हें स्वर्ग के राज्य के रहस्यों को जानने के लिए दिया गया है, लेकिन उन्हें नहीं, लेकिन यह उन्हें नहीं दिया गया है।

244 वे रहस्य, यहाँ “वो रहस्य” है। एक रहस्य वचन है, जो पहले ही छिपा हुआ सत्य है, जो अब दैविक रूप से प्रकट किया गया है, लेकिन (जो कि) प्रकाशन के बावजूद भी एक अलौकिक तत्व बना रहता है। वो सबसे बड़े रहस्य और वे बड़े रहस्य हैं:

245 नंबर एक, स्वर्ग के राज्य का रहस्य। यही वो एक है जिस पर अब हम बात कर रहे हैं। 13, मत्ती 13:3 से 50 तक।

246 अब, दूसरा रहस्य इस युग के दौरान इस्राएल के अंधेपन का रहस्य है। रोमियो 11:25, संदर्भ के साथ।

247 तीसरा, तीसरा रहस्य इस युग के अंत समय में जीवित संतों के रूपांतर का रहस्य है। पहला कुरिन्थियों 15, और थिस्सलुनीकियों 4:14 से 17 भी।

248 चौथा रहस्य, नए नियम की कलीसिया का रहस्य, एक देह के रूप में, जो यहूदियों और अन्यजातियों दोनों से बनी है। इफिसियों 3:1 से 11, रोमियों 16:25, और इफिसियों 6:19, कुलुस्सियों 4:3 भी।

249 पांचवा रहस्य मसीह की दुल्हन के रूप में कलीसिया का है। इफिसियों 5:28 से 32 तक।

250 छठा रहस्य जीवित मसीह का है, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। गलातियों 2:20, और इब्रानियों 13:8, और इस प्रकार के बहुत से अन्य स्थान।

251 सातवां रहस्य परमेश्वर का है, यहां तक कि यीशु मसीह भी परमेश्वरत्व की देहधारी परिपूर्णता के नाई देहधारी हुआ, जिसमें सारी दिव्य बुद्धि...

252 ... और भक्ति मनुष्य को लौटाई जाती है।

253 नौवां रहस्य अधर्म का भेद है, जो दूसरे थिस्सलुनीकियों में पाया जाता है, और इत्यादि।

254 दसवां रहस्य ये प्रकाशितवाक्य 1:20 के सात तारों का है। हम बस उसी में से होते हुए आए हैं, "सात कलीसियाओं के सात तारे, सात संदेशवाहक," और आदि-आदि।

255 और ग्यारहवां रहस्य बाबुल का भेद है, जो वेश्या है। प्रकाशितवाक्य 17:5 से 7 तक।

256 यही वे कुछ रहस्य हैं जिन्हें इस दूत को समाप्त करना है, सारे "रहस्य," परमेश्वर के सारे रहस्यों को।

और दूसरा, और मैं यह बात आदरपूर्वक कहना चाहता हूं, और ना ही खुद का उल्लेख कर रहा हूं, लेकिन परमेश्वर के दूत का उल्लेख कर रहा हूं:

257 सर्प का बीज, जो इन सारे वर्षों से होते हुए एक छिपा हुआ रहस्य रहा है।

258 अनुग्रह; स्पष्ट हो गया; ना ही अपमान, लेकिन वास्तविक, सच्चा अनुग्रह।

259 अनंत, जलते हुए नरक जैसी कोई चीज नहीं होती है। कि आप लाखों वर्षों तक जलते रहेंगे। लेकिन, कोई भी चीज जो अनंत है, उसका कभी भी आरंभ या अंत नहीं होता है; और नरक को तो बनाया गया था।

ये सारे रहस्य!

260 पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का रहस्य, बिना सनसनी के, लेकिन मसीह का व्यक्ति आप में उन्हीं कार्यों को करता है जो उसने खुद किए थे।

261 पानी के बपतिस्मे का रहस्य। जहां, अतिवादी त्रिएकतावाद ने इसे “पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा” की उपाधियों में लाया है। और परमेश्वरत्व का रहस्य “यीशु मसीह,” के नाम के बपतिस्मे में पूरा होता है, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के अनुसार, जिसे इस समय में कलीसिया को ग्रहण करना था।

वहां पर कुछ रहस्य है।

262 अग्नि का स्तंभ वापस लौट रहा है। आमीन! यही वो चीज है जिसे जगह लेना चाहिए, और हम इसे देखते हैं।

ओह, हम उन रहस्यों का नाम लेते हुए, किस तरह से और आगे जा सकते थे!

263 उस अग्नि का स्तंभ को देखते हुए जिसने इस्राएल के बच्चों की अगुवाई की, वही एक जिसने शाऊल को उसके दमिश्क के रास्ते पर गिराया था! और वही एक आ रहा है, उसी सामर्थ के साथ, उन्हीं कामों को करते हुए रहा है, और उसी वचन को प्रकट करता है, वचन-दर-वचन बाईबल के साथ बना रहता है!

264 तुरही की आवाज़ को देते हुए, जिसका अर्थ है “सुसमाचार” की तुरही। और बाईबल में तुरही की आवाज़ का अर्थ है, “वचन के अनुसार युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।” क्या आप इसे पकड़ पा रहे हैं? वचन के अनुसार युद्ध!

265 पौलुस ने कहा, यदि आप इसे लिखना चाहते हैं, तो यह पहला कुरिन्थियों 14:8 है। पौलुस ने कहा, “यदि तुरही की आवाज़ साफ न हो, तो कोई मनुष्य कैसे जानेगा कि किस बात के लिए तैयार होना है?” और यदि इसमें एक प्रमाणित वचन अनुसार आवाज़ नहीं है, एक—एक प्रमाणित हुई, परमेश्वर के वचन का प्रमाणित होना, जो प्रकट हुआ, हम कैसे जानेंगे कि हम अंत समय में आ गए हैं?

266 यदि यह कहता है कि वे विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह कल और युगानुयुग एक सा है, लेकिन वे उसके चिन्हों और आश्चर्य कर्मों का इन्कार करते हैं जिसे प्रकृति के सभी क्षेत्र ने उस पर विश्वास किया, और सभी कलीसिया ने इसके द्वारा उस पर विश्वास किया, हम कैसे जानेंगे कि हमें कैसे तैयारी करना है?

267 कोई तो चार्ट के साथ आगे आकर और ये सारा चित्रित करता है; और कोई तो दूसरी चीज के साथ आगे आता है, और इसे पूरा चित्रित करता है, जो इस पहले वाले से विपरीत होता है। कोई आगे आकर और कहता है कि ये ऐसा है, इस पर वापस आते हुए। और दूसरों ने किताबें लिखी, और इस तरह की बातें।

268 लेकिन, परमेश्वर उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में आता है! और कौन इसके विरोध में बोलेगा? यदि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, तो वो वही करता है जो उसने कल, आज और युगानुयुग किया। यही है जो इस दूत को करना है, उन रहस्यों को लेना है, उन छोड़ी हुई बातों को लेना है जिन्हें लोगों ने छोड़ दिया हैं।

269 ध्यान दें, यदि तुरही की आवाज़ साफ न हो, वचन के अनुसार ना हो, कौन अपने आप को तैयार कर सकता है? लेकिन, एक तुरही, क्या आपने ध्यान दिया, उन सभी युगों में से हर एक युग, जैसा कि मैंने आपको कलीसिया के आने के बारे में बताया था, वहां एक तुरही फूँकी गई, एक मोहर तोड़ी गई। और तुरही का अर्थ युद्ध होता है। यदि यह वचन की आवाज को नहीं देती है, तो इसके बारे में क्या?

लेकिन मुझे इसे आपको याद दिलाने दो। इसे अब चूकना मत।

270 ध्यान दें, हर एक कलीसिया युग का अपना संदेशवाहक होता था। हम यह जानते हैं। पौलुस पहला संदेशवाहक था। और जब पहली तुरही फूँकी गई थी, और पहली मोहर तोड़ी गई थी, जैसा कि हमने पाया, पौलुस पहला संदेशवाहक था, और उसने क्या किया? युद्ध की घोषणा की (किस पर?) रुढ़िवादी कलीसिया पर, क्योंकि यीशु ने जो उनके लिए मसीहा के चिन्ह को उत्पन्न किया उस पर विश्वास नहीं किया। क्यों, उन्हें यह जानना चाहिए था। उन्हें उसे जानना चाहिए था।

271 याद रखें, पौलुस युग के अंत में आया। सारे संदेशवाहक युग के अंत में आये। यह अंत के समय पर होता है, जब इन बातों को—को सामने

लाया जाता है।

272 पौलुस, वचनों को जानता था, और यह भी जानता था कि यीशु मसीहा था, और उसने उन यहूदियों के आराधनालयों का शक्ति से विरोध किया, एक स्थान से दूसरे स्थान पर, वचनों के साथ, और उसे उनमें से हर एक से निकाल दिया गया था। इतना तक, अंत में, उसने अपने पैरों से धूल को झाड़ दिया और अन्यजातियों की ओर मुड़ गया। यह क्या था? तुरही की आवाज; एक दूत, संदेशवाहक, वहां वचन के साथ खड़ा हुआ था! ओह, प्रभु! अब आप इसे चूकना नहीं। वचन! और पौलुस, परमेश्वर के बिना मिलावट के वचन के अनुवाद के साथ, उनमें से हर एक यहूदियों के आराधनालय का शक्ति से विरोध किया। उसे उसके जीवन की कीमत चुकानी पड़ी।

273 किस तरह से हम आगे इरेनियस के पास जा सकते हैं, वो एक, जो अगले कलीसिया युग का संदेशवाहक था!

274 और संत मार्टिन, अगला कलीसियायी युग, जब उन्होंने नीकुलइयों की शिक्षा को लेना आरंभ किया, ये अंदर आने लगी। और उन्होंने उस युग का शक्ति से विरोध किया। संत मार्टिन ने उसके युग का शक्ति से विरोध किया।

275 और फिर लूथर, पांचवां संदेशवाहक था, उसने उस कैथोलिक कलीसिया को परमेश्वर के वचन के साथ शक्ति से विरोध किया। “धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा,” उसने कहा। “और यह मसीह की वास्तविक देह नहीं है,” और उसने प्रभु भोज को फर्श पर गिरा दिया, और बाहर जाकर और उस कैथोलिक कलीसिया का शक्ति से विरोध किया। इसने सही तुरही को बजाया। क्या यह सही है?

276 जॉन वेस्ली एंग्लिकन कलीसिया के दिनों में उठ खड़ा हुआ। “क्यों,” उन्होंने कहा, “अब बेदारियों के होने का अब कोई और कारण नहीं है,” और यह बीज में चला गया था। लेकिन जॉन वेस्ली खड़ा हुआ, अनुग्रह के दूसरे कार्य के संदेश के साथ, पवित्रीकरण, और उसने एंग्लिकन कलीसिया का एक सुसमाचार की तुरही के साथ शक्ति से विरोध किया, युद्ध के लिए तैयार किया। यह सही है। उसने ऐसा किया।

277 अब हम लौदिकियन युग में हैं, जब वे फिर से संप्रदाय हो चूके हैं; मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, पेंटीकोस्टल। और हम एक

भविष्यव्यक्ता के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, कि इस युग का शक्ति से विरोध करे और उन्हें उनके अधर्म से वापस लौटाए।

278 अब, यदि यही प्रवृत्ति रही है, पीछे उन सारे युग में से होते हुए, तो क्या परमेश्वर इस दिन में अपनी प्रवृत्ति को बदलेगा? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] वह इसे बदल नहीं सकता। उसे अपने नियमित क्रम को बनाये रखना है।

279 और याद रखना, यह संदेशवाहक सातवां दूत था, और उसे सभी रहस्यों को लेकर और उन्हें एकत्र करना था। ध्यान दें, सातवां दूत लौदिकिया की धनी कलीसिया का शक्ति से विरोध करना था। "मैं धनी हूँ, धन-संपत्ति में बढ़ गई हूँ, और मुझे किसी भी चीज की आवश्यकता नहीं है।" उसने कहा, "तुम एक दयनीय अभागे, निर्धन, अंधे, नंगे हो, और इसे नहीं जानते।" यही उसका संदेश था।

280 हे परमेश्वर, हमारे पास **यहोवा यों कहता है** के साथ एक निडर भविष्यव्यक्ता को भेजे, कि परमेश्वर का प्रमाणित वचन इसमें से होकर आगे बढ़े और साबित करे कि उसे परमेश्वर के द्वारा भेजा गया है। और जब वो आएगा, तो वह उन युगों का शक्ति से विरोध करेगा। निश्चय ही करेगा। वह उस लौदिकियन कलीसिया को उसके विरुद्ध खड़ा करेगा। निश्चय ही, वह करेगा। उन्होंने ऐसा हर दूसरे युग में किया। इस युग में भी यह नहीं बदलेगा। इसे वैसा ही होना है।

281 अब, लौदिकियन कलीसिया पर ध्यान दे। लौदिकियन का संदेशवाहक (समाप्त करेगा), वो सातवां दूत, समाप्त करेगा उन सारे रहस्यों को जो लड़ाइयों में खो दिया गया है, पहले, सत्य के लिए।

282 लूथर खड़ा हो गया, लेकिन उसके पास सारी सच्चाई नहीं थी। उसके पास केवल धर्मीकरण था। सही है।

283 आगे एक और संदेशवाहक आया, जिसका नाम जॉन वेस्ली था, पवित्रीकरण के साथ। उसके पास ये नहीं थी। बाईबल ने कहा। फिलेदिलफिया कलीसिया!

284 तब लौदिकियन कलीसिया का युग आता है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के साथ। लेकिन उन्होंने सब कुछ गड़बड़ कर दिया, और सीधे औपचारिकता में वापस लौट गए जैसे वे पहले थे।

285 जबकि, “उसे अल्फा और ओमेगा के रूप में देखा जाना चाहिए,” उसका हाथ एक ओर, और यहाँ एक ओर फैला हुआ था, “पहला और अंतिम।”

उसका आत्मा पेंटीकोस्ट के दिन पर उतरा और उस झुण्ड को भर दिया।

286 वो धीरे-धीरे बाहर निकल गई, इतना तक कि यह अंधकार युगों में आ गयी। वे सात सुनहरे धूपदान, सात कलीसियायी युग, अंतिम युग उससे सबसे दूर था। यह तो एक हजा—... लगभग एक हजार वर्ष का अंधकार युग था, कैथोलिक कलीसिया का।

287 लूथर ने अगले उजियाले को लाना आरंभ किया, जो वचन के थोड़ा नजदीक था।

अगला उजियाला, थोड़ा और नजदीक आया।

288 अगला उजियाला, लौदिकियन। फिर यह ठीक वापस आता है जैसे इसने पहले स्थान पर किया, ठीक उसी गडबडी में चला गया जिसमें यह पहले स्थान पर था। आप नहीं समझ रहे हैं मेरा क्या मतलब है?

289 अब ध्यान दे। वहां बहुत सी सच्चाई खो गई हैं, (क्यों?) जहां दूसरों ने सच्चाई पर समझौता किया है। लेकिन यह सातवां दूत किसी भी बात पर समझौता नहीं करता है। वह सभी छोड़ी हुई बातों को एकत्र करता है, सब कुछ एकत्र करता है। और उसके आवाज़ देने पर, “परमेश्वर के सारे रहस्य समाप्त हो जाना चाहिए।” ओह! परमेश्वर, उसे भेजें। सभी छिपे हुए रहस्य समाप्त हो जाते हैं जब, वो, यह उसके लिए प्रगट हो गया था। किस के द्वारा? यदि ये छिपे हुए रहस्य हैं, तो उस मनुष्य को एक भविष्यव्यक्ता होना ही है। और क्या हमने अब इसमें से होकर नहीं गए और देखा कि वो भविष्यव्यक्ता, जो अंतिम युग में आएगा, क्या वही वो महान एलिय्याह होगा जिसकी हम प्रतीक्षा कर रहे हैं? क्योंकि, ये रहस्य जो धर्मज्ञानियों से छिपे हुए हैं; उन्हें प्रकट होना ही है; परमेश्वर के समक्ष। और वचन केवल भविष्यव्यक्ता के पास ही आता है। और हम इसे जानते हैं। वह दूसरा एलिय्याह होगा, जैसा कि प्रतिज्ञा की गई है। ओह, प्रभु! वो संदेश जिसे वह—वह लाएगा ये वे रहस्य होंगे, सारे, ये सारी बातें।

290 हमारे पास पानी का बपतिस्मा है। यह पूरी तरह उलझा हुआ है। यह सही बात है। एक पानी का छिड़काव करता है; दूसरा पानी को उंडेलता

है। एक “पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा” को लेता है। एक इसे लेता है। एक तीन बार बपतिस्मा देता है, सामने की ओर मुंह करके; जो कि, पहला एक परमेश्वर के नाम के लिए जिसका नाम “पिता” है दूसरा एक परमेश्वर के नाम के लिए जिसका नाम “पुत्र,” है एक और बार एक परमेश्वर के नाम के लिए जिसका नाम “पवित्र आत्मा,” है। दूसरे एक ने कहा, “तुम गलत हो। उसे तीन बार पीठ की ओर बपतिस्मा लेना है, इस तरह से।” और, ओह, क्या ही गड़बड़ी है!

291 लेकिन सारी चीजों को सुलझा दिया गया है, क्योंकि वहाँ केवल एक ही परमेश्वर है, और उसका नाम यीशु मसीह है। “और स्वर्ग के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं है जिसके द्वारा मनुष्यों को बचाया जाना चाहिए।” वहां ऐसा वचनों का एक भी लेख नहीं है, बाईबल में कहीं भी नहीं है, जहां किसी को भी कभी किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा दिया गया था सिवाए यीशु मसीह के नाम में। एक बार भी कोई भी ऐसी नई कलीसिया नहीं थी, या यीशु मसीह की कलीसिया, जिसने कभी भी पानी का छिड़काव किया, न ही पानी उंडेला, या कुछ भी और। एक बार भी कभी किसी एक ऐसे समारोह का उपयोग नहीं किया गया था, “मैं तुम्हें पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देता हूँ।” यह मत-सिद्धांत और इत्यादि चीजे हैं।

292 और सच्चाई के युद्ध में, वे छोड़ी हुई बातें खो गई थी, लेकिन परमेश्वर ने कहा कि वे बातें अंतिम दिन में फिर से वापस लौटाई जायेंगी। “मैं लौटा दूंगा,” यहोवा यों कहता है। ज्यादा समय नहीं हुआ, हम इन बातों में होकर गए हैं, *दुल्हन रूपी वृक्ष*। इसके लिए एक भविष्यव्यक्ता की आवश्यकता होगी। बाईबल कहती है कि वो यहां पर होगा। यह सही है। मलाकी 4 में लिखा है कि वह यहां पर होगा, और हम विश्वास करते हैं कि वह आएगा। हम उसके लिए देख रहे हैं। और हम उसके प्रगटीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और हम परमेश्वर के प्रमाणित वचन को देखेंगे।

293 बस कुछ ही लोग होंगे जो इसे समझेंगे। “जैसा यह नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में भी होगा।” किसे बचाया गया था? पांच प्राण... लूत के दिनों में, असल में तीन बचाए गए थे। पत्नी ने निकलना आरंभ किया, और वह नाश हो गई। “ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।” बहुत थोड़े ही बचाए जाएंगे, उस समय रूपांतरण होगा; उन रहस्यों में से एक, उस कलीसिया को ऊपर उठा लिया जाता है। जैसे

लूत को ले लिया गया था, जैसे लूत को बाहर निकाला गया था; नूह को उठाया गया था; और वैसे ही कलीसिया भी उठा ली जाएगी। एक अंदर गया; और एक बाहर गया; और दूसरा एक ऊपर जाता है। समझे? यह बिल्कुल, सिद्ध रूप से है।

294 वचन आता है। “वह पुस्तक जो भीतर लिखी हुई है,” ये तब पूरी हो जाती है जब यह, इन सारे रहस्यों का प्रचार होना समाप्त हो जाता है। अब मुझे इसे फिर से पढ़ने दे, अब, ताकि आप निश्चित हो जाये। अब देखो:

*लेकिन सातवें दूत के आवाज देने के दिनों में, (वो अंतिम दूत)
जब वह आवाज देना आरंभ करेगा, तो परमेश्वर का रहस्य पूरा
हो जाएगा,...*

295 अब, “परमेश्वर का रहस्य,” उनमें से एक क्या है? पौलुस ने कहा, पहला तीमुथियुस 3 में, मैं सोचता हूँ कि यही है, कहा, “इसमें सन्देह नहीं कि भक्ति का भेद महान है: क्योंकि परमेश्वर देह में प्रगट हुआ था (हमने उसे स्पर्श किया है, उसे देखा है), महिमा के अंदर उठा लिया गया, स्वर्गदूतों के द्वारा गवाही दी गई, यहां धरती पर प्रमाणित हुआ।” परमेश्वर ही था! निश्चय ही, यह एक महान भेद है, लेकिन यह पूरी तरह से सुलझ गया है। ना ही “पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा,” तीन परमेश्वर; लेकिन, एक ही परमेश्वर के तीन कार्य स्थान। पितृत्व, मूसा के तहत; पुत्रत्व, मसीह के तहत; पवित्र आत्मा, इस समय काल के तहत। उसी परमेश्वर के तीन समय काल; ना ही तीन परमेश्वर। अब रहस्य समाप्त हो गया है। बाईबल ने कहा कि ऐसा होना ही चाहिए। जब...

296 मैंने देखा, उस दिन, जहां विज्ञान मेरा खंडन करने का प्रयत्न कर रहा है, जो वे कहा करते थे, जब मैंने कहा, “कोई भी जो यह विश्वास करता है कि हव्वा ने एक सेब खाया!” अब उनका विज्ञान कहता है, आपने उस दिन अखबार में देखा होगा, एक बड़ा शीर्षक, “हव्वा ने एक खुबानी फल खाया।” बकवास। क्या यह—क्या यह उसे बहकायेगा? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] निश्चय ही नहीं। देखा? वे बस... यही है—यही है जो कैन ने सोचा, आप जानते हैं, और उसने उसी चीज को वापस लेकर आया था, लेकिन परमेश्वर ने उसके बलिदान को ग्रहण नहीं किया। और हाबिल, धर्मी, उस पर प्रगट हुआ, “यह लहू था,” और वो लहू को लेकर आया।

हे परमेश्वर, यह कलीसिया और यह युग जिसमें हम रह रहे हैं!

297 “वह पुस्तक जो भीतर से लिखी हुई है” ये तब पूरी हो जाती है जब यह दूत समाप्त करता है, (अब कृपया इसे समझें), जब सातवें दूत का संदेश पूरा हो जाता है; परमेश्वरत्व का रहस्य, सर्प के बीज का रहस्य, इन सारी चीजों के सारे दूसरे रहस्य।

298 अनंत पुत्रत्व, जैसा कि वे इस विषय में बात करते हैं। वह कैसे एक अनन्त पुत्र हो सकता है, जब अनंतता की न कभी शुरुवात होती है या न कभी समाप्त होती है; और एक पुत्र कुछ तो ऐसा है जिसका जन्म हुआ है? यह बात कैसे समझी जा सकती है?

299 वहां एक अनंत नरक कैसे हो सकता है, जब कि नरक की सृष्टि की गई थी? मैं तो जलते हुए नरक में विश्वास करता हूं। निश्चय ही, बाईबल ने ऐसा कहा गया है। लेकिन, इसे नष्ट करना है। बाईबल ने कहा, “धन्य है वो जो दूसरी मृत्यु में भागीदार नहीं होता है।” देखा? देखो, आप दूसरी मृत्यु के द्वारा नष्ट नहीं किए जाओगे। पहली शारीरिक है। दूसरी आत्मिक मृत्यु है, जब हर एक चीज समाप्त हो जाती है। “जो प्राण पाप करता है, वह प्राण मर जाएगा।” आप अपने पापों के लिए दंड भोगेंगे, हो सकता है सैकड़ों वर्षों तक, हजारों वर्षों तक। लेकिन वहां एक अनंत नरक हो ही नहीं सकता, क्योंकि बाईबल ने कहा कि नरक को बनाया गया था। भला कैसे इसे बनाया जा सकता है और अनंत हो? यदि वहां कभी... बाईबल ने कहा, “नरक शैतान और उसके दूतों के लिए बनाया गया था।” और फिर, यदि इसे बनाया गया था, तो यह अनंत नहीं हो सकता है। कारण, अनंत, जो कुछ भी अनंत है, उसका कभी भी आरंभ नहीं था या अंत नहीं था।

300 इसी तरह से हम कभी मर नहीं सकते, क्योंकि हम हमेशा से ही थे। हम परमेश्वर के एक भाग हैं, परमेश्वर के वंशज हैं, और केवल वही वो अनंत चीज वहां पर है। आमीन। आप नहीं मर सकते जैसे परमेश्वर नहीं मर सकता, क्योंकि आप उसके साथ अनंत हैं। आमीन! इसे आने दो! हाल्लेलुय्या! जो कुछ भी हो, मैं इस पुराने पीड़ा के घर से थक गया हूं।

301 ध्यान दें, “पुस्तक लिखी गई है,” जब यह दूत इन सारी छोड़ी हुई बातों की सेवकाईयों को समाप्त कर देता है जो कि युद्ध में से होते हुए वे लड़े, लूथर लड़ा, और वेस्ली लड़ा, और वे पेंटीकोस्टल लड़े। “लेकिन वहां एक आ रहा है,” बाईबल कहती है, “कि उसके आवाज़ देने के दिनों में, ये सारे रहस्य... ” एकत्व वाले केवल यीशु के नाम पर चले गए हैं; त्रिएकता

वाले पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा पर चले गए, बिल्कुल वैसे ही जैसे उन्होंने निसिया परिषद में किया था, वही चीज; वे दोनों ही गलत थे। लेकिन, अब, रास्ते के बीच में, वचनों में, वहां पर सत्य रखा होता है। आप देख रहे हैं कि हम कहां पर हैं? प्रभु का दूत!

302 ध्यान दे प्रकाशितवाक्य 5:1। अब इसे सुनना:

और जो सिंहासन पर बैठा था, मैंने उसके दाहिने हाथ में एक पुस्तक देखी, जो भीतर और बाहर लिखी हुई थी (भीतर की ओर लिखावट थी) और पीछे की ओर, वह सात मोहर लगाकर बन्द की गई थी।

303 अब, वहां किताब के भीतर लिखावट है। लेकिन, पीछे की ओर सात मोहरे थी, इसके पीछे की तरह, जो किताब में नहीं लिखा गया था। अब, यह प्रकट करने वाला बात कर रहा है, यूहन्ना। अब, याद रखें, इसे किताब में नहीं लिखा गया था। “और सातवें दूत की आवाज के दिनों में, यह सारा रहस्य जो भीतर लिखा हुआ है, समाप्त हो जाएगा।” उस दिन में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए। अब क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या अर्थ है? [सभा कहती है, “आमीन।” —सम्पा।] क्या आप मुझे समझ रहे हैं? [“आमीन।”] तब ये प्रकाशितवाक्य 10 की सात आवाजों के प्रकट होने का समय है। जब पुस्तक समाप्त हो जाएगी, तो वहां केवल एक ही चीज बचती है, और यह गर्जन की सात रहस्यमयी आवाजें हैं जो किताब के पीछे की तरफ लिखी हुई थी, जिसे यूहन्ना को लिखने से मना किया गया था। मुझे इसे पढ़ने दो।

और फिर मैंने एक और शक्तिशाली दूत को, बादल ओढ़े हुए, स्वर्ग से नीचे उतरते हुए देखा: और उसके सिर पर मेघधनुष था, और उसका मुँह सूर्य के समान, और उसके पाँव आग के खम्भे के समान थे:

और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुई किताब थी:... (देखो, अब इसे देखना।)... और उसने अपना दाहिना पाँव समुद्र पर, ... और बायाँ... पृथ्वी पर रखा,

और वह ऐसे बड़े जोर की आवाज से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है: और जब वह... चिल्लाया, तो गर्जन के सात शब्द सुनाई दिए। (देखो।)

और जब सातों गर्जन के शब्द सुनाई दे चुके, तो मैं लिखने पर था:...

304 वहां कुछ तो कहा गया था। यह बस एक आवाज नहीं थी। कुछ तो कहा गया था। वह लिखने पर था।

... और मैंने स्वर्ग से इस आवाज़ को मुझ से कहते सुना,...

305 देखो वो आवाजे कहाँ से आ रही थी, वो गर्जनायें। ना ही स्वर्ग में; धरती पर! वो गर्जनाएं कभी भी स्वर्ग से नहीं हुई हैं। वे धरती पर से हुई।

... तो मैं लिखने पर ही था: और जब मैंने स्वर्ग से यह आवाज़ सुनी, जो मुझ से कह रही थी, मोहर कर (बड़े अक्षरों में मोहर एस-ई-ए-एल), जिन बातों को गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी हैं, उन्हें गुप्त रख, और मत लिख।

306 यह किताब के पीछे की ओर है, जब एक पुस्तक पूरी हो जाती है। उसने ऐसा नहीं कहा, "सामने की ओर।" उसने कहा, "पीछे की ओर," सब कुछ हो जाने के बाद, पूरा हो जाता है। तब, इन सात गर्जनों की आवाजें ही केवल वो चीज हैं, जो किताब से अंकित हैं, जो प्रकट नहीं हुई हैं। इसे यहाँ तक किताब में लिखा भी नहीं गया है।

307 ओह, प्रभु! मैं चाहता हूँ कि मैं इसे समझ सकता, जिसे लोग असल में समझ सकते... चूकना मत। नहीं, चूकना मत। कृपया इस बार ना चूके। मैं आपको छोड़कर जाने वाला हूँ। चूकना मत। आपने हमेशा से सुना है, सुनना!

308 ये मोहरे किताब के पीछे की तरफ़ है। "और उस समय जब सातवां दूत आवाज़ को देता है, सारे रहस्य जो इस किताब में लिखे हुए हैं ये पूरे हो जाते हैं।" और तुरंत ही वो किताब, जो खुली हुई थी और भीतर से लिखी हुई थी, बंद हो जाती है, "परमेश्वर के रहस्य समाप्त हो जाते हैं।" और यह परमेश्वर के रहस्य हैं: कलीसिया का उठाया जाना, और ये सारी अन्य बातें। "रहस्य समाप्त हुए हैं।" जब वह सातवां दूत हर एक रहस्य की आवाजों को देता है, तो यह समाप्त हो जाता है। वो जो भी हो उसे आने दो, ये जो कोई भी हो। परमेश्वर का वचन कभी भी विफल नहीं हो सकता। और उसने कहा:

वरन सातवें स्वर्गदूत के शब्द देने के दिनों में, जब वह तुरही फूँकने पर होगा, तो परमेश्वर का वह रहस्य समाप्त हो जाएगा,

जिसका सुसमाचार उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया था।

309 ये सारी बातें, जैसे, ओह, रोम उस—उस वेश्या का होना, और सभी प्रोटेस्टेंट कलीसियाये, वे संप्रदाय उसके पीछे-पीछे संप्रदाय बनती जा रही हैं, उसकी वेश्यायें बन गई हैं। देखा? वे सारे रहस्य, जिनके विषय में भविष्यद्वक्ताओं ने बोला, ठीक यहां इस अंतिम घड़ी में प्रकट होंगे।

310 और जब यह सातवां दूत लौदिकियन युग में ऊपर उठेगा और सच्ची तुरही को फूंकना आरंभ करता है, क्योंकि ये विपरीत होगा, वे इसका विश्वास नहीं करेंगे। वे निश्चय ही इसका विश्वास नहीं करेंगे। लेकिन, यह एक प्रेरणा पाया हुआ भविष्यद्वक्ता होगा, क्योंकि इसे समझने का कोई तरीका नहीं है।

311 बहुत से लोग त्रिएकता को समझने की कोशिश करते हैं, और बाल पक जाते हैं और पागल हो जाते हैं। इसे कोई नहीं समझ सकता। वे अब भी विश्वास करते हैं कि हव्वा ने एक सेब खाया था, और वे सारी बातें। क्योंकि, यह वो रीती-रिवाज है जिसे मनुष्य ने बनाए रखा है, ठीक जैसे यीशु ने कलीसिया को पाया।

312 लेकिन इसे एक दैविक नेतृत्व वाला भविष्यद्वक्ता होना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर का वचन उसके पास आता है, यीशु मसीह के प्रकाशन के सच्चे अनुवाद के साथ। इसलिए, तब, इसे—इसे इसी तरह से होना है। परमेश्वर हमारी सहायता करे!

313 अब, “जब वो आवाज को देता है,” अब, यह **यहोवा यों कहता है।** हमारे पास यह साफ़-साफ़ है। जब वह अपने संदेश को देता है, ये युद्ध की घोषणा करता है; जैसे पौलुस ने रूढ़िवादी पर किया, जैसे कि उनमें से बाकी के लोगों ने किया, जैसे लूथर, वेस्ली ने संगठन के विरोध में किया। जब वह युद्ध की घोषणा करता है, और उन्हें बताता है कि, “वे झूठ बोल रहे हैं, और यह सच्चाई नहीं है! और वे लोगों को भ्रमा रहे हैं!” जब वह इन चीजों को बताता है, तो आप विफल नहीं हो सकते। यह विफल नहीं होगा, क्योंकि वो परमेश्वर के वचन के द्वारा प्रमाणित होगा। आप बिल्कुल ठीक-ठीक जान जाएंगे कि यह क्या है। और जब वो ऐसा करता है, तो वो बाबुल में से पुकार को करेगा, “उसमें से बाहर आओ, मेरे लोगों, कि तुम उसके पापों के भागीदार मत बनो।” परमेश्वर, उसे भेजे! इससे मत

चूकना।

314 अब, “जब वह आवाज़ देना आरंभ करता है, तो रहस्य समाप्त हो जाएगा।” अब, ध्यान दें, तब यह सात मोहरों की आवाजों के लिए समय है, प्रकाशितवाक्य 10 की, कि प्रकट हो जाये। क्या आप समझ रहे हैं? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] जब किताब के सारे रहस्य पूरे हो जाते हैं! और बाइबल ने कहा, यहाँ, कि वो रहस्यों को समाप्त कर देगा।

315 जब, वे लोग पहले वहाँ दूसरे युगों में सच्चाई के लिए लड़े। वे धर्मीकरण के लिए लड़े। वे थोड़ा सा आगे चले। पवित्रीकरण! वे इसके लिए लड़े, और वे उसके लिए लड़े। वे इसके लिए लड़े। उन्होंने क्या किया? ठीक पीछे मुड़कर और उसमें संगठित हो गये, उसी चीज को किया। पेंटीकोस्टल, और वे बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, हर एक ने, उसी काम को किया, ठीक पीछे मुड़कर और उसी काम को किया था।

316 और बाइबल ने कहा, प्रकाशितवाक्य 17 में, यही है जो वे करते हैं, पुरानी वेश्या माता और उसकी बेटियाँ, **“रहस्य, बाबुल।”** बाइबल ने यहाँ पर कहा, कि यह उन रहस्यों में से एक रहस्य होगा जो खुल जाएगा। प्रोटेस्टेंट, वेश्याएं, “आत्मिक व्यभिचार कर रही है,” लोगों को संप्रदायों के द्वारा अगुवाही करते हुए, उनके “अधर्म के प्याले,” के साथ, मनुष्य की बनाई हुई शिक्षा; और लोगों को लहू से भरे हुए सोते से दूर खींचते हुए, जहाँ पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ यीशु मसीह को प्रकट करने के लिए आजादी से बहती है। यह सच है। तब, परमेश्वर इसका समर्थन करेगा, और उसने इसे किया है, और वह इसे जारी रखेगा। लेकिन, जब यह पूरा होता है, तो वचन समाप्त हो जाता है।

317 अब केवल एक ही चीज बची है, वह है सात गर्जनायें, जिसे हम नहीं जानते हैं। और यह गर्जना व्यर्थ में नहीं होगी।

318 परमेश्वर ऐसे ही खिलवाड़ करने के लिए कुछ नहीं करता। हम खिलवाड़ करते हैं और मूर्खतापूर्ण व्यवहार करते हैं, लेकिन परमेश्वर नहीं करता। परमेश्वर के साथ हर एक चीज “हाँ” और “नहीं” होती है। वो ऐसे ही मूर्ख नहीं बनाता। वह मजाक नहीं करता। वो जो कहता है उसका अर्थ होता है। और वह कुछ भी नहीं कहता है, जब तक कि वहाँ कुछ नहीं होता है, इसका एक अर्थ होता है।

319 और सात गर्जनायें, ठीक यहाँ यीशु मसीह के प्रकाशन में, यह कुछ

रहस्य है। क्या बाईबल नहीं कहती है कि यह “यीशु मसीह का प्रकाशन” है? क्यों, फिर, वहां इसमें कुछ छिपा हुआ रहस्य है। हुं! यह क्या है? सात गर्जनाओं के पास इसका रहस्य है। क्योंकि, यूहन्ना बस लिखने ही वाला था, और तभी स्वर्ग से एक आवाज आई, कहा, “इसे मत लिख। लेकिन, इसे मोहर कर। इसे मोहर बंद कर। इसे किताब के पीछे की तरफ़ रख।” इसे प्रकट किया जाना है। यही वे रहस्य है।

320 अब, हमने इन बातों को पवित्र आत्मा के द्वारा सुलझाया है, हमें बताया गया, “यह सेब नहीं था। यह कामुकता थी।” उसने हमें ये चीजें बताई है। इसके सामने कोई भी खड़ा नहीं हो सकता है। मैंने अपने जीवन में कभी किसी प्रचारक को नहीं देखा, जो इसके साथ सहमत हुआ हो। लेकिन, मैंने उनसे पूछा है।

321 आप जानते हैं, शिकागो में, जब हम उन लोगों के सामने खड़े थे, वे लगभग साढ़े तीन सौ प्रचारक थे, आप जो यहां शिकागो से आई हुई महिलाये हैं, आप वहां पर थी, इसके विषय में सुना।

322 और प्रभु ने मुझे तीन रात पहले बताया, कहा, “वे तुम्हारे लिए एक जाल को बिछाएंगे।” कहा, “यहाँ खिड़की के पास खड़े हो जाओ और मैं तुम्हें दिखाऊंगा।” कहा, “श्रीमान कार्लसन और—और टॉमी हिक्स कल सुबह तुमसे मिलेंगे, वे नाश्ते पर जाना चाहेंगे। और तुम टॉमी को रुकने के लिए कहना। लेकिन,” कहा, “यहाँ यह इस तरह से दिखाई देगा। उन्हें बताना कि वे जिस स्थान पर सभा को करने के बारे में सोच रहे हैं, उनकी वहां पर सभा नहीं होगी। वे सभायें दूसरे किसी स्थान पर होंगी।” कहा, “तुम डरना मत। मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।” यही मेरे लिए काफी था।

323 अगली सुबह, श्रीमान कार्लसन, फुल गोस्पल बिजनेसमेन के अध्यक्ष, वो आए, कहा... मुझे वहां पर बुलाया, कहा, “भाई ब्रन्हम, मैं आपके साथ नाश्ता करने को जाना चाहता हूं।”

324 मैंने कहा, “ठीक है।” (मैंने कहा, “देखना टॉमी हिक्स भी वहां पर होंगे।”)

325 वो टाउन एंड कंट्री में चला गया, और उसने कहा, “ठीक है, भाई ब्रन्हम,” उसने कहा, “ओह, यह एक...”

मैंने कहा, “टॉमी, क्या आप मेरी एक सहायता करेंगे?”

“जरूर, भाई ब्रन्हम।”

मैंने कहा, “सोचता हूँ क्या आप मेरे लिए प्रचार करेंगे?”

उसने कहा, “ओह, मैं—मैं यह नहीं कर सकता।”

326 मैंने कहा, “क्यों? मैं तो बस सातवीं कक्षा का छात्र हूँ, और मैं— मैं कहूँगा... मैं तो *अंपायर* के बजाए *एम्पायर* कहता हूँ। समझे? मैं नहीं जानता कि वहां सामने कैसे बोलना है। और वहां पर ग्रेटर शिकागो की सेवकगण की संस्था होगी। मैं अपनी सतवी कक्षा की पढ़ाई के साथ उनके सामने कैसे बोलूँगा, टॉमी? आप एक दिव्यता के विद्वान हैं।” मैंने कहा, “आप जानते हैं कि किस तरह से बात करनी है। मुझे नहीं आता।”

उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, मैं ऐसा नहीं कर सकता।”

327 मैंने कहा, “क्यों? मैंने आपकी बहुत बार सहायता की है।” और मैंने इसे बस बिल्कुल सीधे शब्दों में कहा।

328 और भाई कार्लसन ने कहा, “ओह, भाई ब्रन्हम, वो यह नहीं कर सकता।”

मैंने कहा, “क्यों?”

उसने कहा, “तो ठीक है, वह, वो—वो—वो...”

329 मैंने कहा, “आप जानते हैं क्यों? आप जानते हैं क्यों, लेकिन आप मुझे बताना नहीं चाहते हैं। उन्होंने मेरे लिए जाल बिछाया है।”

330 और मैंने कहा, “भाई कार्लसन, आपने वह होटल का कमरा बुक किया है, क्या आपने नहीं किया है, जहां हमने उस दिन भोज का आयोजन किया था?”

“हाँ।”

मैंने कहा, “आपको वो कमरा नहीं मिलेगा।”

331 उसने कहा, “खैर, भाई ब्रन्हम, मैंने इस कमरे के लिए भुगतान कर दिया है।”

332 मैंने कहा, “मैं परवाह नहीं करता कि आपने क्या किया है। वह वहां नहीं मिलेगा। वह हरे-रंग का कमरा है। हम एक भूरे रंग के कमरे में होंगे। मैं वहां पीछे कोने में बैठूँगा। डॉक्टर मीड दाई ओर बैठेंगे। वह अश्वेत व्यक्ति और

उसकी पत्नी *यहां* बैठेंगे, और *ऐसा-और-ऐसा* होगा। वहां मेरे बिल्कुल दाहिनी ओर एक बुद्ध धर्माध्यक्ष बैठा होगा, ” और वे कैसे कपड़े पहने होंगे।

333 और मैंने कहा, “आप जानते हैं कि यह क्या है, टॉमी। आप... ग्रेटर शिकागो सेवकगण की संस्था मुझे चुनौती देने जा रहे हैं ‘यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मे के विषय में।’ ग्रेटर शिकागो सेवकगण संस्था मुझे चुनौती देने जा रहा है ‘पवित्र आत्मा के प्रमाण’ के विषय में, अन्य जुबान में बोलना। वे मुझे ‘सर्प वंश’ के विषय पर चुनौती देने जा रहे हैं, और ‘अनुग्रह’ के प्रचार पर।”

334 टॉमी ने वहां पर देखा, और, “दया! परमेश्वर!” उसने कहा, “मुझे नहीं लगता कि मैं जाऊंगा भी।”

मैंने कहा, “हाँ, आप वहां पर आ आयेंगे।”

335 और अगले दिन, वह व्यक्ति जिसने कमरे की जमा राशि को लिया था, उसे जमा राशि वापस दे दी, और कहा, “हमने एक आर्केस्ट्रा को दिया है। हमने इसे बुक कर लिया था, और हम इसे भूल गए थे, और यह बात हमारे ध्यान से निकल गई और हमें इसे एक आर्केस्ट्रा को देना था, और आपको यह नहीं मिल सकता है।” और हम निकलकर टाउन एंड कंट्री में चले गए।

336 उस सुबह जब मैं अंदर गया, और वहां वे सभी खड़े हुए थे। जब मैं वहां पीछे की ओर मेज के पीछे जाकर बैठ गया, और उनके नाश्ते के बाद, प्रतीक्षा कर रहा था, मैंने उनकी ओर इस तरह से देखा। हमने एक कमरे में नाश्ता किया। बाहर आकर, वहां बैठ गए थे, और वहां शिकागो ग्रेटर की सेवकगण संस्था थी। मैंने वहां उनकी ओर देखा। हर एक ने अपना परिचय डॉक्टर पीएच.डी., एल.एल., क्यू.यू.एस.टी. के रूप में दिया, और वे सभी इस प्रकार की उपाधियों के साथ थे। मैं बस बैठकर उन्हें सुनता रहा, जब तक कि उन्होंने अपना परिचय नहीं दे दिया। और भाई—भाई कार्लसन खड़े हो गए। उसने कहा, “सज़नो... ”

337 और आप सभी हैंक कार्लसन को जानते हैं। और, वहां, उनसे पूछना। तो ठीक है, आपके पास यह बात ठीक यहाँ टेप पर है। यदि आप टेप खरीदना चाहते हैं, तो यह यहां पर है। लड़कों के पास यह टेप है।

338 उसने कहा, “सज़नो,” उसने कहा, “मैं अब आप सभी को भाई ब्रन्हम से परिचित करवाता हूं।” उसने कहा, “आप सभी उनकी शिक्षा के साथ असहमत हो सकते हैं, लेकिन मैं आपको कुछ तो बताना चाहता हूं। तीन

दिन पहले, हम एक स्थान पर बैठे थे, और यदि उस व्यक्ति ने मुझे आज सुबह हुई सारी घटनाएं नहीं बताई होती, तो मैं यहां पर खड़ा नहीं होता। उसने मुझे बताया कि आप सब उनसे उनकी शिक्षा पर सवाल करने वाले हैं। और उसने मुझे बताया था कि मुझे उस दूसरे स्थान को रद्द करके, और यहाँ पर होना है। और मुझे ठीक-ठीक बताया कि डॉक्टर मीड और ये लोग कहां पर बैठे होंगे, बिल्कुल ठीक, और वे वहीं पर बैठे हैं।” उसने कहा, “आप उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन, मैं एक बात कहूंगा, वह जो सोचते हैं उसके विषय में वो निडर रहते हैं।”

उसने कहा, “अब, भाई ब्रन्हम, आपका बोलने का समय है।”

339 मैंने कहा, “इससे पहले कि हम आरंभ करें... ” मैंने आज सुबह जो पढ़ा था उसे पढ़ा, “ ‘मैं स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकारी नहीं था।’ ” मैंने कहा, “अब आइए हम इस बात को सुलझाते हैं। अब, आप सब धर्मज्ञान के विद्वान होने की बात करते हैं; और मैं यहां पर अपने आप से खड़ा हूं।” मैंने कहा, “क्या ऐसा ही है, आप मुझसे यीशु के नाम में बपतिस्मे पर सवाल करना चाहते हैं। हम पहले इसके साथ आरंभ करेंगे। मैं चाहता हूं कि आप में से कोई भी व्यक्ति अपनी बाईबल लेकर आए और यहां मेरे पास उस बात को लेकर खड़ा हो जाये, जो कुछ भी मैंने सिखाया है।” मैंने कहा, “यहां मेरे पास खड़े हो जाये, और परमेश्वर के वचन से इसे गलत साबित करे।” मैंने प्रतीक्षा की। किसी ने कुछ भी नहीं कहा। मैंने कहा, “मैं आप में से कुछ लोगों से कह रहा हूं कि मेरे पास आकर खड़े हो जायें।” कहा, “आपके साथ क्या मामला है? तो फिर, मुझसे दूर रहे, यदि आप यहाँ मेरे पास खड़े होने का साहस नहीं रखते।”

340 ये मैं नहीं हूं जिससे वे डरते हैं; ये तो सर्वशक्तिमान परमेश्वर का वो दूत है। जो कि, वे जानते हैं, यदि वो मुझे वहां आने के लिए पहले से बता सकता है... जितना मैंने सोचा था वे उससे भी अधिक समझदार निकले। वे बेहतर जानते थे कि वहां ना खड़े रहे। उह-हुंह। आप जानते हैं, आप भी ऐसे दौर से गुजरे हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यदि यह इतना महान है, और वे जानते हैं कि यह इतना सत्य है, तो फिर बात क्या है?

341 मैंने इसे टेप पर रिकॉर्ड किया है, और कहीं भी; मैं इस पर मसीही तरीके से बात करने के लिए तैयार हूं, किसी भी भाई के साथ। मैं किसी के साथ बहस नहीं करूंगा; लेकिन मैं चाहता हूं कि आप आकर, और वचन

के द्वारा इसे गलत साबित करें। ना ही अब आपकी पाठ्यपुस्तक के द्वारा; ना ही उस डॉक्टर *फलां-और-फलां* या संत *फलां-और-फलां* ने जो कहा। मैं जानना चाहता हूं कि परमेश्वर ने क्या कहा। यही वो आधार है। मैं जानना चाहता हूं कि यह क्या है। वे इसे नहीं करते हैं।

342 अब, देखिए, जबकि यह सात आवाजों का समय है। तब ये सात आवाजों का समय है, जब किताब पूरी हो जाती है, प्रकाशितवाक्य 10 के प्रकट होने के लिए। अब ध्यान दें। सुनना।

343 अब, मैं आपको अधिक समय तक नहीं रोके रखूंगा। मैं जानता हूं कि यहां पर मैं आपको थका रहा हूं। दस बजने में बीस मिनट बाकी है। [सभा कहती है, “नहीं। आगे बढ़िये!”—सम्पा।] अब ध्यान से सुने। मैं जानता हूं, आप खड़े हुए हैं, और आप सब अपने-अपने स्थान और इत्यादि को आपस में बदल रहे हैं। मुझे खुशी होगी जब कलीसिया बनकर तैयार हो जाएगी, जिससे हमें तंग जगह में नहीं बैठना होगा। हम इसे प्रचार करने के लिए सारा दिन ले सकते हैं।

344 अब ध्यान दीजिए। अब ध्यान दे। वे सात आवाजे गर्जनायें थी, धमाके थे।

परमेश्वर, हमारी सहायता करें। यदि मैं गलत हूं, प्रभु, तो मुझे क्षमा करें।

345 मैं आपसे सवाल पूछ रहा हूं। यह गर्जन के साथ धमाका हुआ, जब यह आवाज की गुंज हुई। क्या आपने ध्यान दिया, कि, जब सात मोहरें जो सात कलीसियायी युगों के बाद आयी, जब पहली मोहर खोली गई थी, तो वहां एक गर्जना हुई थी? किताब की पहली मोहर खोली गई थी, वहां एक गर्जना हुई थी; तो क्या बाहरी किताब की यह पहली मोहर भी उसी तरह से नहीं खुलेगी? परमेश्वर अपनी योजना को नहीं बदलता है। आइए हम प्रकाशितवाक्य 6 की ओर जाये।

*फिर मैंने देखा कि मेम्ने ने उन सात मोहरों में से एक को खोला,
और मैंने सुना, जैसे यह एक गर्जन की तेज आवाज थी, और
चारों प्राणियों में से एक ने कहा, आ और देख।*

346 अब, वहां फिर कभी भी कोई और गर्जना नहीं हुई थी। “और अंतिम मोहर खोली गई थी, वहां स्वर्ग में आधे घंटे का सन्नाटा छा गया।” लेकिन, पहली मोहर खोली गई थी, वहां गर्जन का एक धमाका हुआ था।

347 ओह, कलीसिया, क्या ये हो सकता है? क्या हम इतने दूर आ गये हैं? मित्रों, सोचे। हो सकता है। मैं आशा करता हूँ कि ऐसा नहीं है। लेकिन क्या हो यदि ऐसा है तो? वो धमाका क्या था? और परमेश्वर के, और इस खुली हुई बाईबल के सामने, मैं झूठ नहीं बोलता। धमाका, जिसने धरती को हिला दिया!

348 और जब बाईबल में सात मोहरों में से पहली मोहर खोली गई थी, ये आगे आया, केवल एक, लेकिन एक धमाका जिसने सारी चीज को हिला दिया; एक गर्जना। और फिर यदि मोहरे जो पीछे की ओर हैं खुल जाती हैं, तो क्या यह भी एक गर्जना नहीं होगी? मैं नहीं जानता। मैं नहीं कह सकता।

349 वहां एक गर्जना थी, पहली मोहर, और मोहर एक गर्जना थी। उस समय पर तुरही खोली गई थी। और निश्चय ही पेंटीकोस्ट पर तुरही को बजाया गया था। मैं इसके अंदर नहीं जाऊंगा।

350 अब, यदि दर्शन वचन के अनुसार था; वो दर्शन जिसके विषय में मैं बात कर रहा हूँ, जिसे मैंने पिछले शनिवार की सुबह को देखा था। अब, ये एक सप्ताह पहले की बात है। यदि, अब यहाँ पर याद होगा, यदि दर्शन वचन के अनुसार था, तो इसे अवश्य ही वचन के द्वारा अनुवाद किया जाना है, या उसी वचन की एक निरंतरता को होना है। [भाई ब्रन्हम रुकते हैं—सम्पा।] मैं बस रुका हुआ हूँ, ताकि यह बात आपके अंदर चले जाए। यदि...

351 यह जो मैंने देखा है, यह क्या था, मैं नहीं जानता, लेकिन मैं मृत्यु से डरता हूँ। क्या हम कमजोर पड़ गए हैं? क्या हम अंत में हैं? याद रखें, इस दूत ने कहा, जब इस बात ने जगह ली, उसने शपथ खाई, “अब समय और नहीं रहेगा।” मैं सोचता हूँ क्या हमने वास्तव में इस एक को समझ लिया है।

352 आप कहते हैं, “तो ठीक है, ऐसा लगता है कि यह धमाका रहा होगा...” भाई, वो एक मिनट में आ जाता है जब आप सोचते भी नहीं। आप इसे अपने अंतिम बार सुनेंगे।

353 अब क्या यह साफ़ है? जब पहली मोहर खोली गई थी, वे मोहरे जो किताब के भीतर थी, ये रहस्य जो प्रकट हुए थे: धर्मीकरण, पवित्रीकरण, रोमन कैथोलिक कलीसिया, प्रोटेस्टेंट! और जब उनकी सारी छोटी-छोटी लड़ाइयाँ और इत्यादि चीजों को छोड़ दिया था जो परमेश्वर के वचन में छोड़ी हुई बातें हैं, सातवां दूत आकर और उन सबको इकट्ठा करके और

उन्हें समझाता है। देखा? और फिर, वो समाप्त करता है, सात गर्जनाये आवाजों को देती है।

354 जब यूहन्ना ने लिखना आरंभ किया, कहा, “इसे मत लिख। लेकिन, इसे मोहर कर।”

355 “और पहली मोहर खोली गई थी,” किताब के भीतर की मोहरें, यह एक गर्जन के साथ खुली। उह!

356 यदि यह वचन है, तो यह केवल हो सकता है... यदि कोई भी वचन... कुछ भी जो बाईबल का होना चाहिए...

357 यह बस इस तरह से है, आप मुझे नहीं बता सकते कि वाहन ऐसी कोई चीज है जैसे कि एक “शुद्ध करने वाले” और इस तरह की चीजें। इसका समर्थन करने के लिए बाईबल में कोई वचन नहीं है। आप मुझे इन बातों के बारे में नहीं बता सकते हैं, जैसे कि मकाबीस की किताब, जो कि हो सकता है वे सही हो... “और दानिय्येल की वह चौथी किताब, जहां एक दूत ने उसे सिर के बालों से पकड़ा, और कहा... उसे नीचे बैठा दिया।” वहां ऐसी कोई चीज है ही नहीं जो कभी बाईबल में कभी घटित हुई हो, जहां, “नासरत के यीशु ने एक छोटी सी मिट्टी की चिड़िया बनाई, और उस पर पैर रख कर, कहा, ‘फूऊ! उड़ जा, छोटी चिड़िया,’” यह बेकार की बात है। बाईबल में इसका समर्थन करने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए यह मूर्खता नहीं... वे—वे अनुवादक, परमेश्वर ने देखा कि वे अनुवादक यहाँ तक इन मत-सिद्धांतों की बातों और बकवास बातों को नहीं जोड़ेंगे। वे अच्छे लोग हो सकते हैं, मकाबी भाई लोग। वे वही थे। मैं नहीं कह रहा कि वे अच्छे लोग नहीं थे। लेकिन यह वचन के अनुसार नहीं था।

358 यह यीशु मसीह का संपूर्ण प्रकाशन है। “ना ही इसमें कुछ भी जोड़ा जा सकता है या घटाया जा सकता है।” और यदि हम इस बात को वहां रखते हैं, तो यह बाकी के वचन के साथ काम नहीं करेगा। इस बाईबल की छियासठ किताबें हैं, और एक भी वचन दूसरे वचन का विरोध नहीं करेगा।

359 और फिर, यदि यही वो निरंतरता है, तो इन अंतिम तुरहियों के आवाज देने के लिए, या मेरा मतलब ये अंतिम सात गर्जनाएं जो आगे आ रही हैं, वे रहस्य, अंतिम मोहरे, इसे बाकी के वचन साथ बराबरी करना होगा, मेरा मतलब इसकी तुलना करना होगा। और यदि वे जो पहली वाली वहां गर्जन के धमाके के साथ खुलती हैं, तो दूसरे वाली भी, वैसे ही खुलती हैं, जो

पीछे की तरफ है। देखो क्या होता है। यदि वो दर्शन वचन था, तो इसे अवश्य ही वचन के द्वारा अनुवाद किया जाना चाहिए, या उसी वचन की निरंतरता होनी चाहिए।

360 ध्यान दें, प्रकाशितवाक्य, 3 और 4, “सात गर्जनायें।” सात गर्जनायें, और फिर ध्यान देना, 3 और 4, और उसके बाद (क्या?) उस सामर्थी दूत ने एक शपथ खाई, कि, “समय समाप्त हुआ था।” जब इन गर्जनाओं ने, आप देखते हैं, उनकी आवाजों को दिया, तब वो दूत...

361 जरा इस पर सोचे! “एक दूत, एक बादल को ओढ़े हुए है, और उसके सिर पर एक मेघधनुष की वाचा है।” क्यों, आप जानते हैं कि यह कौन है। “उसने अपना एक पाँव जमीन पर और एक पाँव समुद्र पर रखा, और अपना हाथ उठाकर और शपथ खाई, कि, ‘जब वे सात गर्जनायें अपनी आवाजों को देते हैं,’ कि, ‘समय और नहीं रहेगा।’”

362 और यदि परमेश्वर के रहस्यों की सेवकाई समाप्त हो गई है, तो क्या यह वही सात रहस्य हैं जो अब सामने आ रहे हैं? और एक नम्र, हमारे जैसे छोटी कलीसिया, जिसे सर्वशक्तिमान ने आकर और अपने लोगों की दीन दशा पर विचार किया! आप कहते हैं, “किसलिए? मैं ऐसा नहीं सोचता।” हो सकता है ऐसा ना हो। लेकिन क्या हो यदि ऐसा है? तब समय समाप्त हुआ है। क्या आपने इसे सोचा? गंभीर बने। ये हमारे सोचने से भी ज्यादा देरी हो सकती है।

363 ये तारे उनके तारों के समूह में वहां उस ओर गिर रहे हैं! उस दूत ने आकर, और कहा, “जैसा यूहन्ना को पुराने नियम को समाप्त करने के लिए भेजा गया था, और मसीह का परिचय कराने के लिए आगे भेजा गया, एक संदेश छोड़ी हुई बातों को समाप्त करेगा और मसीहा का परिचय करवायेगा उसके आगमन से ठीक पहले, अंतिम दिनों का संदेश।”

364 ध्यान दें, सामर्थी दूत ने एक प्रतिज्ञा के साथ शपथ ली, कि, “समय और न रहेगा।”

365 अब, मैं आपको अधिक समय तक रोके रखना नहीं चाहता। बस एक मिनट इस पर सोचे।

366 अब सुनना। यह दूत स्वर्ग से नीचे उतर आया। देखा? अन्य दूसरे, सात कलीसियाओं के वे सात दूत, धरती पर के संदेशवाहक थे। लेकिन यह दूत... सारा संदेश समाप्त हो जाता है; सातवां दूत सारी बातों को समाप्त

कर देता है। और यह दूत धरती पर नहीं आता है; वह धरती का कोई मनुष्य नहीं है, जैसे कलीसिया युगों के संदेशवाहक थे; यह समाप्त हुआ है। लेकिन, यह दूत अगली घोषणा को लाता है। और एक दूत का अर्थ एक "संदेशवाहक" होता है। और वह स्वर्ग से नीचे आता है, उस प्रकाश के स्तंभ को ओढ़े हुए, बादल, वो उसके सिर पर एक मेघधनुष के साथ है। और एक मेघधनुष एक वाचा होती है। यह मसीह था, "एक पैर जमीन पर, और एक समुद्र पर, और शपथ खाई, कि, 'समय और न रहेगा।'"

महोदय, हम कहाँ पर हैं? यह सब किस विषय में है? मैं आपसे पूछ रहा हूँ।

367 दूसरे दूत संदेशवाहक थे, वे धरती पर के मनुष्य थे। लेकिन यह दूत... ये, जिसने कहा, "लौदीकिया की कलीसिया के दूत के लिए," "इफिसुस की कलीसिया के दूत के लिए," ये धरती पर के संदेशवाहक थे; देखो, वे मनुष्य, कलीसिया के लिए संदेशवाहक, भविष्यव्यक्ता, और इत्यादि थे।

368 लेकिन, यह एक धरती पर से नहीं आया। वो स्वर्ग से नीचे उतर आया, क्योंकि सारा रहस्य समाप्त हो जाता है। और जब रहस्य समाप्त होता है, तो दूत ने कहा, "अब समय और न रहेगा," और सात गर्जनाओं ने अपनी-अपनी आवाजों को दिया।

369 क्या होता है यदि यह कुछ तो ऐसा हो जो हमें बताये कि कैसे रैपचर के विश्वास में प्रवेश करना है? क्या ऐसा है? क्या हम दौड़कर, दीवारों पर से छलांग लगाएंगे? और क्या कुछ घटित होना तय है, और ये पुराने, भ्रष्ट, दूषित शरीर बदल जायेंगे? हे प्रभु, क्या मैं इसे देखने के लिए जीवित रह सकता हूँ? क्या यह इतना नज़दीक है कि मैं इसे देख सकूंगा? क्या यही वो पीढ़ी है? श्रीमानों, मेरे भाइयों, यह कौन सा समय है? हम कहाँ पर हैं?

370 आइए हम घड़ी, कैलेंडर की ओर देखें, यह देखने के लिए कि हम किस तारीख में रह रहे हैं। इस्राएल फिलिस्तीन में है, अपने खुद के देश में है। वह चिन्ह, दाऊद का छह-कोनों वाला तारा (जो दो हजार वर्ष पहले, जी हाँ, लगभग पच्चीस सौ वर्ष पहले था), सबसे पुराना झंडा, लहरा रहा है। इस्राएल वापस अपने खुद के देश में है। "जब अंजीर के पेड़ की कोपलें फुट निकलेगी, तब यह पीढ़ी न मरेगी, न तो यह टलेगी, और न ही खत्म होगी, जब तक कि सारी चीजें पूरी न हो जाए।"

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है,
 वे चिन्ह जो भविष्यवक्ताओं ने पहले से बताए;
 अन्यजातियों के दिन गिने गए हैं, और दुख के बोझ से
 दबे हुए;
 “हे बिखरे हुए लोगो, अपनों के पास लौट आओ।”

छुटकारे का दिन निकट है,
 डर से मनुष्यों को हृदय का दौरा पड़ रहा है;
 आत्मा से भर जाओ, अपने दीयों को छांट लो और
 साफ करो,
 ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।

झूठे भविष्यव्यक्ता झूठ बोल रहे हैं, परमेश्वर के सत्य
 को वे अस्वीकार कर रहे हैं,
 कि यीशु मसीह हमारा परमेश्वर है;

आप जानते हैं कि यह सच्चाई है! जी हां।

लेकिन हम वहां पर चलेंगे जिन रास्ते पर प्रेरित चले
 थे।

क्योंकि छुटकारे का दिन निकट है,
 डर से मनुष्यों को हृदय का दौरा पड़ रहा है;
 आत्मा से भर जाओ, अपने दीयों को छांट लो और
 साफ करो,
 ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।

371 जितना आप सोचते हैं ये उससे अधिक निकट हो सकता है। ये मुझे
 डरा देता है। ओह, मैंने इतना कुछ नहीं किया है। हम कहाँ पर हैं?

372 “समय और न रहेगा।” वो घोषणा करता है कि समय पूरा हुआ है। क्या
 होता है? क्या होता है? भाईयों, क्या अब ऐसा हो सकता है? गंभीरता से
 सोचे। यदि ऐसा है, तब पिरामिड सात गर्जनाओं के द्वारा ढांका गया है।

373 आपको पिरामिड का संदेश याद है? यह चोटी का पत्थर है। इसने क्या
 किया? पवित्र आत्मा ने व्यक्तिगत रूप से ढांक दिया और इसे मोहरबंद
 किया, जब हमने अपने विश्वास में जोड़ा; धार्मिकता, और भक्ति, और
 विश्वास, और इत्यादि चीजों को, और हम इसमें तब तक जोड़ते रहे, जब

तक हमें सात चीजें नहीं मिल गई। और सातवां प्रेम था, जो कि परमेश्वर है। इसी प्रकार से वो व्यक्तिगत को बनाता है, और उसे ढांकता है और उसे पवित्र आत्मा से मोहर बंद करता है।

374 तब, यदि ऐसा है, तो उसके पास सात कलीसिया के युग हैं, जिसके उसके पास सात रहस्य थे जिन्हें प्रकट किया गया है, और वे इसे वापस लाने के लिए लड़े। और अब चोटी का पत्थर आता है, ताकि कलीसिया को ढाँके। क्या गर्जन का यही अर्थ है, मेरे भाईयों? महोदय, क्या हम वहीं पर है?

375 जूनी, मैं आपके स्पेन को लेना चाहता हूँ। देखो। जूनियर, इससे पहले पिरामिड का कभी प्रचार किया जाता, इसके महीनों पहले, इस सपने को देखा गया था।

आप कहते हैं, “एक सपने के विषय में क्या है?”

376 नबूकदनेस्सर ने एक सपना देखा जिसका दानियेल अनुवाद करता है, अन्यजाति युग के आरंभ को बताया गया और यह कब खत्म होगा। और इसे बिल्कुल ठीक उसी तरह से किया गया है। एक अंश भी विफल नहीं हुआ।

377 आपने ध्यान दिया? वो लिखावट जो... पत्थरों पर थी, मैंने उनके लिए इसका अनुवाद किया था। वे प्रफुल्लित थे। यही “परमेश्वर का रहस्य” है, यही है जिसे वर्षों से नहीं समझा गया है। क्या यही वो हो सकता है?

378 और उसके बाद ध्यान दें। किसी रहस्यमयी तरीके से, हमने हवा से एक तेज औजार को उठाया जिसने ऊपर की ओर से खोल दिया। और वहां सफेद संगमरमर का पत्थर था, लेकिन इसका अनुवाद नहीं किया गया था। वहां कोई अक्षर नहीं था। मैंने इसका अनुवाद नहीं किया, जूनियर। मैंने बस उसकी ओर देखा, और भाईयों से कहा, “इस पर देखो।” और यह आज रात पूरा हुआ है।

379 और जब वे इसका अध्ययन कर रहे थे, मैं पश्चिम की ओर चला गया। किस लिए? हो सकता है कि इसके ऊपर जो लिखा हुआ है इसका अर्थ समझने के लिए। क्या ऐसा हो सकता है?

380 और वे, धमाके हो रहे थे, उस सुबह, जिसने मुझे बुरी तरह हिला दिया यहाँ तक कि मैं हवा में ऊपर उठाया गया, इस भवन जितनी ऊँचाई

पर, दूतों का वह समूह, सात दूत पिरामिड के आकार में थे। क्या यही वो गर्जनाएं हैं जो आगे आ रही हैं? क्या ऐसा हो सकता है?

381 इन सबका अनुवाद हुआ है। उसके सपने के अनुसार, यह सब समाप्त हो गया था। परमेश्वर के वचन के अनुसार, सातवां संदेशवाहक समाप्त करेगा, सातवां संदेश समाप्त हो जाएगा, और उसके बाद सात गर्जनायें। और उसने चोटी के पत्थर को नीचे उतरते देखा।

382 जो, बहुत से लोग यह भी नहीं जानते हैं कि वहां सात मोहरों को प्रकट किया जाना है। मैंने प्रकाशितवाक्य पर बहुत से लोगों की किताबें पढ़ी हैं, लेकिन कभी भी इस विषय पर चर्चा नहीं सुनी। वे इसे छोड़ देते हैं। लेकिन यह आपको बताया गया है कि यह वहां है।

383 मैं नहीं जानता हूं कि यह क्या है। क्या यह वही हो सकता है? परमेश्वर हम पर दया करे! यदि ऐसा है, तो हम एक गंभीर घड़ी में हैं। अब, बस एक मिनट रुकना, देखिए। यदि यह ऐसा है, और रहस्य समाप्त हो जाता है, जो कि इन पत्थरों में लिखा हुआ था।

384 मुझे खुशी है कि मैं एक कलीसिया में ऐसे धर्मी लोगों के साथ बैठा हुआ हूं, जिन्हें परमेश्वर एक सपने को दे सकता है। मुझे जूनियर की कलीसिया में जाने वाले इन पुरुषों और महिलाओं से परिचय कराते हुए खुशी हो रही है, और इस कलीसिया से, भाई नेविल और वे लोग, कि वहां इस सभा में ऐसे लोग बैठे हुए हैं, और बाईबल ने कहा, “वे अंतिम दिनों में स्वप्न देखेंगे।” और यह यहाँ पर है। और इसे देखो, यह वचन के साथ मेल खाता है।

385 इसके विषय में कुछ भी नहीं जानते हुए, एक धमाका होता है, और यहां अनंतता से सात दूत आते हैं। मैंने कहा, “प्रभु, आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?” इसे नहीं बताया गया। हो सकता है मुझे जाना होगा, पहले, कि पता लगाऊं। मैं नहीं जानता। हो सकता है ऐसा ना भी हो। मैं नहीं जानता। मैं बस इतना कह रहा हूं, “क्या हो यदि ऐसा है?” यदि यह वचन के अनुसार है, तो यह इसके बहुत ही नजदीक सा प्रतीत होता है। क्या आप ऐसा नहीं सोचते हैं?

386 देखो। तब, देखो, चोटी के पत्थर का अनुवाद नहीं किया गया था। समझे? “पश्चिम की ओर जाओ, और वापस आओ।” या, क्या यह यही है, ये वे सात दूत हैं जो इस समूह में थे जो मेरे पास आए थे?

387 और जब मैं पुनरुत्थान के दिन आपसे मिलूंगा, तो आप देखेंगे कि मैंने झूठ नहीं बोला; परमेश्वर, वो मेरा न्यायी है।

388 या, क्या यही वो दूसरी चरम अवस्था है जिसके बारे में मैंने उस दिन बात की थी? क्या यह कुछ तो है जो कलीसिया के लिए आगे आ रहा है? मैं नहीं जानता। मैं उस पर कुछ देर तक बने रह सकता हूँ, लेकिन मैं आगे बढ़ूंगा।

389 क्या ये ऐसा हो सकता है, वो तेज गर्जन, या वो सातवां दूत जो उस सात के समूह में था, सातवे-दौर का समूह, उनकी आकृति एक पिरामिड के रूप में बनी थी (तीन एक तरफ़ थे, और एक सबसे ऊपर), और वे अनंतता से नीचे आए? क्या यह हो सकता है?

390 क्या यह गर्जनाओं का रहस्य है, जो चोटी के पत्थर को वापस लाएगा? आप जानते हैं, पिरामिड कभी भी ढांका नहीं गया था। चोटी के पत्थर का अभी भी आना बाकी है। इसे टुकराया गया है। क्या ऐसा हो सकता है, भाइयों, बहनों?

391 या, क्या यह तीसरा खिंचाव है जो उसने मुझे बताया, तीन या चार वर्ष पहले?

392 वो पहला खिंचाव, आपको याद है क्या हुआ था? मैंने इसे समझाने की कोशिश की। उसने कहा, “ऐसा मत करना।”

393 दूसरा खिंचाव, उसने कहा, “कोशिश मत करना।” और मैंने फिर भी कोशिश की। आपको याद है? आप सभी को याद होगा। यह टेप और इत्यादि पर है।

394 और फिर उसने कहा, “अब एक तीसरा खिंचाव आ रहा है, लेकिन इसे समझाने की कोशिश मत करना।” आप देखते हैं कि मैं आज रात इस पर कैसे पहुंचा? मैं नहीं जानता। लेकिन, मैं अपने कलीसिया के प्रति कर्तव्य से बंधा हुआ महसूस कर रहा हूँ, कि कुछ तो कहूँ। आप अपना निष्कर्ष खुद निकालें।

395 अब, क्या यह वो रहस्य होगा जो खोला जाएगा, जो मसीह को लेकर आएगा, जो कलीसिया के लिए एक सामर्थ को लेकर आएगा? समझे? हम पहले ही...

396 हम पश्चात्ताप में विश्वास करते हैं, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेते हुए। हम पवित्र आत्मा को पाने में विश्वास करते हैं। हमारे पास चिन्ह, चमत्कार, आश्चर्य कर्माँ, अन्य जुबान में बोलना, और इत्यादि चीजें हैं जो आरंभ की कलीसिया के पास थी। और, स्पष्ट रूप से, इससे और अधिक किया गया है, ठीक यहाँ पर, जो कि प्रेरितों के काम की किताब में लिखा हुआ है उससे भी बढ़कर, लोगों के इस छोटे से झुण्ड में, हमारी यह छोटी सी सेवकाई जो यहाँ पर है। सारे संसार के विषय में क्या है? समझे? जो प्रेरितों के काम की किताब में लिखा है उससे अधिक, उसी प्रकार से! मरे हुआँ का जी उठाना! याद रखिए, वहाँ केवल लगभग तीन लोग मरे हुआँ में से जी उठे थे, यीशु मसीह के द्वारा। और हमारे पास रिकॉर्ड में है, डॉक्टरों के रिकॉर्ड में है, पाँच लोग। समझे?

397 “जो काम मैं करता हूँ, इससे भी बढ़कर तुम करोगे।” मैं जानता हूँ कि किंग जेम्स संस्करण कहता है, “बढ़कर,” लेकिन आप इससे बढ़कर कुछ नहीं कर सकते। इससे और अधिक! वो उस समय एक व्यक्ति में था; वह अब सारी कलीसिया में है। देखा? “तुम इससे भी बढ़कर करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूँ।”

398 यदि यह तीसरा खिंचाव है, तो फिर एक महान सेवकाई आगे रखी हुई है। मैं नहीं जानता। मैं नहीं कह सकता। मैं—मैं नहीं जानता।

399 देखो। तीसरा खिंचाव, आइए हम एक मिनट के लिए उस पर रुके। दर्शन में, पहली उड़ान छोटे संदेशवाहक पक्षियों की थी; यह तब था जब हमने पहले आरंभ किया था। यह बढ़ने लगा, बस एक व्यक्ति के हाथ पकड़ने के द्वारा बता सकते हैं।

400 और आपको याद है उसने मुझे क्या बताया? “यदि तुम सच्चे बने रहो, तो ऐसा होगा कि तुम उनके हृदय के रहस्य को जान लोगे।” कितनों को याद है जो यहां से घोषित किया गया था, और सारे राष्ट्रों में? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] और क्या ऐसा हुआ? [“आमीन।”] बिल्कुल हुआ। उसके बाद कहा, “डरना मत। मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।” देखा? और ये आगे चलता रहेगा।

401 अब, पहला खिंचाव छोटे, नन्हे से पक्षी थे; उन्होंने उड़ान भरी। वे उस समय को पूरा करने के लिए आगे गयीं, प्रभु के आगमन को पूरा करने; पहला संदेश।

402 दूसरी बार, वे हृदय के रहस्य। एक व्यक्ति को हाथ को पकड़ने के द्वारा, और बस वहां खड़े होकर और बताना कि उनके साथ क्या समस्या है; अगली बार, इसने उनके पापों को प्रकट किया और उन्हें बताया कि क्या करना है। और मा—... क्या यह सही है? [सभा कहती है, “आमीन।” —सम्पा।] फिर, यह सिद्ध रूप से पूरा हुआ, ठीक जैसा कि परमेश्वर ने इसे कहा था। और आप गवाह हैं, और उसी तरह से संसार, उसी तरह से कलीसिया भी गवाह है।

403 जब मैंने कहा, “मैंने एक दूत को देखा, और यह एक जलती हुई, मरकत रंग की आग थी,” लोग हंसे और कहा, “बिली, अपने आप में आओ।” लेकिन कैमरे की जादूई वैज्ञानिक आंख ने इसकी तस्वीर ले ली। मैं झूठ नहीं बोल रहा था। मैं सत्य को बता रहा था: परमेश्वर ने प्रमाणित किया।

404 मैंने कहा, “गहरी काली परछाई है ; यह मृत्यु है, काली। और यह सफेद है। एक जीवन है, दूसरी एक मृत्यु है।” और वहां है ये, यह वहां पीछे, तस्वीर पर है। पर...

405 जैसा कि जॉर्ज जे लेसी ने कहा, “इस कैमरे की यांत्रिक आंख मनोविज्ञान की तस्वीर को नहीं लेती है।” क्या आप मुझे समझ रहे हैं? [सभा कहती है, “आमीन।” —सम्पा।]

406 ध्यान दें, पहली छोटे पक्षी की उड़ान; जो हाथ कसा पकड़ना है। दूसरी उससे बढ़कर थी, सफेद, पिंडुकी; पवित्र आत्मा हृदय के भेदों को प्रकट करना है। और तीसरी उड़ान वे दूत थे (ना ही पक्षी), दूत थे; और यही वो अंत का समय है, बस यही वो सब है। क्या यही वो समय होगा, भाई? क्या यही वो समय है?

407 अब बहुत ही ध्यान से सुने, और इसका गलत अनुवाद मत करना। मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ।

408 आइए हम एक मिनट के लिए पीछे जाएं। कलीसिया जानती है कि यह सत्य है। वैज्ञानिक संसार जानता है कि यह सत्य है। और वे लोग आज रात यहां बैठे हुए हैं, और अब भी बहुत से जीवित हैं, जो यहां नदी पर खड़े हुए थे, जब उस आवाज ने इस बात को बोला, और कहा, “जैसा कि यूहन्ना को पहले आगमन के संदेश के साथ भेजा गया था, वैसे ही यह दूसरे

आगमन का दूसरा संदेश है।" याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

409 और यदि यह समाप्त हुआ है, तो यूहन्ना ने क्या किया? यूहन्ना ही वो एक था जिसने कहा, "देखो, वहां परमेश्वर का मेम्ना है जो संसार के पाप को उठा ले जाता है। यह वही है।" क्या वह घड़ी आ गई है, मेरे भाइयों? मैं नहीं कहता कि यह आ गयी है। मैं नहीं जानता। लेकिन, मैं आपसे पूछ रहा हूं। मैं चाहता हूं कि आप सोचे। या, क्या यह वह समय होगा जब ऐसा फिर से होगा, "देखो परमेश्वर का मेम्ना"?

410 या, मलाकी 4 का समय, "बच्चों के हृदय को वापस हमारे पूर्व-पिताओं के विश्वास की ओर लौटाना"? क्या यह एक ऐसा धमाका होगा जो—जो ऐसी सामर्थी चीजों को करेगा, इतना तक कि यह कलीसिया को व्यवस्थित करेगा, जो कि झुकी हुई है और परमेश्वर के रहस्यों और इत्यादि चीजों को नहीं समझ सकती है? जब वे देखते हैं कि वो जबरदस्त धमाका होता है, क्या यह उनके हृदय को वापस पिता की ओर फेरेगा, जैसा कि बाईबल ने कहा कि यह ऐसा करेगा? या, क्या यह वो संदेश था, जो पहले ही जा चुका है, जिसे इसे करना चाहिए था? मैं नहीं जानता।

411 यह अंत समय का चिन्ह है, महाशय। या, क्या यह इस बात का चिन्ह है कि यह पूरा हुआ है? मेरे लिए ये बहुत अधिक वचन के अनुसार दिखाई देता है। मैं नहीं जानता। वहां पर वे दूत थे। वहां गर्जन के जैसे एक धमाका हुआ, जिसने सारी धरती को हिला दिया। परमेश्वर जानता है कि मैं सच बता रहा हूं।

412 बस याद रखें, कुछ तो घटित होना तय है। मैं नहीं जानता कि यह क्या है। लेकिन क्या ये यही हो सकता है? जिस कारण से मैं इसे कह रहा हूं, अपने आप को तैयार करो! आइए हम प्रार्थना करें, (प्रार्थना कैसे करें?) उसके विश्वासियों की सेना में हमारे स्थान को लेते हुए, और खुद को तैयार करें, क्योंकि यह हो सकता है जितना हम सोच रहे हैं उससे भी अधिक देर हो गयी हो।

413 आप मुझे जानते हैं, और मैंने आपको अभी तक कभी भी झूठ नहीं बताया है, जैसा कि मैं जानता हूं। और जैसा कि शमूएल ने उनसे कहा, "क्या मैंने कभी प्रभु के नाम में तुम्हें कुछ भी ऐसा बताया है, जो घटित नहीं हुआ? अब, मैं अब आपको बता रहा हूं। मैं नहीं जानता कि यह क्या है।

मैं नहीं कह सकता हूँ कि यह क्या है। मैं नहीं जानता। लेकिन, मैं आपको सच्चाई को बताने जा रहा हूँ। मैं डरा हुआ हूँ। आपके भाई के रूप में, मैं पिछले शनिवार से लेकर डरा हुआ हूँ।

414 यह हो सकता है अंत समय हो। यह वो समय हो सकता है कि मेघधनुष आकाश में यहाँ से वहाँ तक छा जाए, और आकाश से एक घोषणा हो, ये कहते हुए, “समय अब और नहीं है।” यदि ऐसा है, तो आओ हम अपने आप को तैयार करें, मित्रों, हमारे परमेश्वर से मिलने के लिए। अब वहाँ पर बहुत सारा खाना रखा गया है। आइए हम इसका उपयोग करें। आइए हम अब इसका उपयोग करें। और मेरे साथ, इस मंच से, मैं परमेश्वर को पुकारता हूँ, “प्रभु यीशु, मुझ पर दया करे!” मैंने सबसे अच्छा जीने की कोशिश की है जो मैं जानता था कि कैसे जीना है। मैंने संदेशों को सबसे अच्छे तरीके से लाने की कोशिश की है, जो मैं कर सकता था, परमेश्वर के वचन से। परमेश्वर मेरे हृदय को जानता है।

415 लेकिन, जब दूतों का समूह उस स्थान पर उतरा, मैं लकवाग्रस्त हो गया था। मैं लंबे समय तक कुछ भी महसूस नहीं कर पा रहा था। यहाँ तक ऐसा महसूस हुआ, काफ़ी समय के बाद, मैं कमरे में से होकर चलने की कोशिश कर रहा था, यहाँ तक कि मेरी रीढ़ की हड्डी से भी, और मेरी गर्दन ऊपर और नीचे, पूरी तरह से लकवाग्रस्त हो गयी थी, जैसे, और कुछ महसूस नहीं हो रहा था। मैं अपने हाथों में महसूस नहीं कर पा रहा था। मैं पूरे दिन भर अचंचल था। मैं—मैं बस कमरे में गया और बैठ गया।

416 रविवार, मैं यहां बोलने के लिए आया हूँ, और मैंने—मैंने बोलने के द्वारा, स्वयं को इस में से हिलाने की कोशिश की। सोमवार, यह वहाँ फिर से था। और यह अब यहाँ पर है।

417 और मैं नहीं जानता। मैं नहीं जानता, महाशय। मैं केवल आपके साथ ईमानदार हूँ, मेरे भाइयों के रूप में। मैं नहीं जानता। क्या यही—क्या यही समय है? क्या सेव... सारे रहस्य समाप्त हो गए? क्या आवाजों का दिया जाना पूरा हुआ है? क्या यह वास्तव में वे सात गर्जनार्य हैं, कुछ तो आवाज देने पर है, कि वो छोटा झुण्ड जो एकसाथ इकट्ठा होता है रैपचर के विश्वास को पाएगा, ताकि जब वो आता है तो रैपचर में चला जाए? “क्योंकि हम बदल जायेंगे,” जैसे ही वे दूत आते हैं, “क्षण भर में, पलक झपकते ही; और उन लोगों के साथ उठा लिए जाएंगे जो सोए हुए हैं, ताकि हवा में प्रभु

से मिले।”

मेरी प्रार्थना है:

418 परमेश्वर, यदि यह ऐसा है, प्रभु, मैं नहीं जानता। मैं तो बस कलीसिया को बता रहा था। यदि ऐसा है, प्रभु, तो हमारे हृदयों को तैयार करें। हमें तैयार करें, प्रभु, उस महान घड़ी के लिए, कि इतिहास के सारे समय में, सारे भविष्यव्यक्ताओं और संतों ने उस समय के लिए प्रतीक्षा की थी। प्रभु, मैं नहीं जानता कि क्या कहूं। मैं यह कहने से डरता हूं, “प्रभु, मत आना।” मैं अपने आप पर शर्म महसूस करता हूं, जब मैं देखता हूं और संसार को इस स्थिति में देखता हूं, मुझे इसके विषय में जितना करना था मैंने उतना नहीं किया है। मुझे अपने आप पर शर्म आती है। यदि आने वाला कोई कल है, प्रभु, तो मेरे हृदय को अभिषेक करें। पिता, मेरा और अधिक अभिषेक करें, कि मैं वह सब कुछ कर सकूं जो मैं कर सकता हूं, ताकि दूसरों को आपके पास ला सकूं। मैं आपका हूं।

419 मैं उस दिन मंदिर में यशायाह की तरह महसूस करता हूं, जब उसने उन दूतों को यहां से वहां उड़ते हुए देखा था, उनके चेहरों के ऊपर पंखों के साथ, और उनके पैरों के ऊपर, और पंखों के साथ उड़ते हुए, “पवित्र, पवित्र, पवित्र!” ओह, वह युवा भविष्यव्यक्ता किस तरह से हिल गया था। वह कुछ बूढ़ा-सा दिखाई देने लगा। और जब उसने यह देखा, हालांकि उसने दर्शन देखे थे, वह चिल्ला उठा, “हाय मुझ पर!”

420 पिता, हो सकता है मैंने कुछ ऐसा ही महसूस किया हो, जब मैंने उस रात को उन दूतों को देखा, या मेरा मतलब उस सुबह। हाय मुझ पर, क्योंकि मैं अशुद्ध होंठों वाला मनुष्य हूं, और मैं अशुद्ध लोगों के बीच में रहता हूं। और, पिता, मुझे शुद्ध करें।

421 और मैं यहां हूं। मुझे भेजें, प्रभु, ये जो कुछ भी है। और मैं इस पुलपीट पर खड़ा हूं जहां पर मैं तीस वर्षों से रहा हूं। यदि वहां कुछ तो है, प्रभु, आप चाहते हैं कि मैं करूं, यहां मैं हूं। मैं तैयार हूं, प्रभु। लेकिन, होने पाए मैं आपकी दृष्टि में अनुग्रह को पाऊं। नम्रता से, मैं प्रार्थना करता हूं।

422 मैं उस छोटे झुंड के लिए प्रार्थना करता हूं जिसका पवित्र आत्मा ने मुझे सर्वेक्षक बनाया है, ताकि उन्हें खिलाऊं। और मैंने वह सब किया है जो मैं जानता हूं कि कैसे करना है, प्रभु, कि उन्हें जीवन की रोटी को खिलाऊं। जैसा कि उस दर्शन में, बहुत वर्ष पहले, जहां वो बड़ा पर्दा पश्चिम में रखा

गया था, और जीवन की रोटी का एक पहाड़; वो छोटी किताब, “मैं स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकारी नहीं था।” और यहाँ यह सब पूरा होता है, ठीक हमारे मुख के सामने प्रकट होता है।

423 आप परमेश्वर है, और आपके अलावा कोई और नहीं है। प्रभु, हमें स्वीकार करे। हमारे पापों को क्षमा करें। मैं अपने सारे अविश्वास के लिए पश्चाताप कर रहा हूँ, मेरे सारे अधर्म के लिए। मैं परमेश्वर की वेदी पर विनती करता हूँ।

424 जब कि मैं आता हूँ, आज रात इस छोटी सी कलीसिया के साथ जो मेरे सामने है, विश्वास के द्वारा हम इस इमारत से निकलते हैं, रेपचर में, “जैसा कि हम एक साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं,” परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर। हमारे हृदय बहुत बार गर्म रहे हैं, उन चीजों में जो हमने आपको करते हुए देखा है, और आपके रहस्यों को हम पर प्रकट करते हुए देखा है। लेकिन, प्रभु, आज रात, मैं पूरी तरह से थका हुआ हूँ। हाय मुझ पर!

425 और—और याकूब ने, जब उसने उन दूतों को सीढ़ी से नीचे उतरते और वापस जाते देखा, उसने कहा, “यह एक भयंकर जगह है, परमेश्वर के भवन को छोड़ और कुछ नहीं।” और वहाँ बेतल पर स्थापित हुआ था।

426 परमेश्वर, लोग इसे नहीं समझते हैं। वे सोचते हैं कि यह बहुत ही आनंदमय होगा। लेकिन, प्रभु, क्या ही एक थकाने वाली, क्या ही एक भयंकर बात है एक मनुष्य जाति के लिए कि एक बड़े, शक्तिशाली स्वर्ग के जीव की उपस्थिति में आए।

427 मैं यहाँ अपनी छोटी कलीसिया के लिए क्षमा की प्रार्थना करता हूँ, कि—कि—कि—कि आपने मुझे अगुवाई करने और मार्गदर्शन करने के लिए भेजा है। प्रभु, उन्हें आशीष दे। मैंने उसी के अनुसार किया है जो दर्शन और सपने और चीजों ने बताया था, सो, जो मेरी सबसे अच्छी जानकारी में था। मैंने सभी को भोजन में रखा है, प्रभु, जिसे मैं जानता हूँ कि कैसे उनके लिए रखना है। ये जो कुछ भी है, प्रभु, हम आपके हैं। हम अपने आप को आपके हाथों में सौंपते हैं, प्रभु। हम पर दया करें। हमें क्षमा करें। और जब तक हम धरती पर हैं, हम आपके गवाह बने रहे। फिर, जब जीवन समाप्त हो जाता है, तो हमें ऊपर अपने राज्य में ग्रहण करें। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

428 आप में से हर एक जन, अपने हृदय को पूरी तरह शुद्ध करे। हर चीज

को एक तरफ रख दें, हर एक बोझ को, इसे अपने रास्ते से हटा दे। कोई भी चीज को आपको चिंतित करने ना पाये। डरो मत। इसके विषय में डरने की कोई बात नहीं है। यदि यीशु आ रहा है, तो यह बहुत ही... यही वो क्षण है जिसके लिए सारा संसार कराह रहा है और पुकार रहा है। यदि यह अब कुछ तो है जो आरंभ हो रहा है, एक—एक नए आगमन के लिए, एक नया आगमन का एक नया दान या ऐसा ही कुछ तो, यह अद्भुत होगा। यदि यही आने वाला समय है कि वो सात गर्जनाओं का प्रकाशन कलीसिया के लिए प्रगट होगा, कि कैसे जाना है, मैं नहीं जानता। मैंने अभी इस बात को बताया है जो मैंने देखा है। ओह, प्रभु, क्या ही समय है! यह गंभीर और गहन विचार करने का समय है।

429 और यदि यह मेरे जाने का समय होगा, तो मैं आपका हूँ... प्रभु, मैं आपका हूँ। जब आप काम को समाप्त कर ले, प्रभु यीशु आ जाए।

430 चाहे वह कहीं भी हो, या कोई भी समय हो, मैं उसका ही हूँ। मैं नहीं कहता कि मैं जाने की इच्छा रखता हूँ; मैं नहीं रखता। मेरे पास पालन-पोषण करने के लिए एक परिवार है। मेरे पास प्रचार करने के लिए सुसमाचार है। लेकिन, यह उसकी इच्छा के अनुसार है, ना ही मेरी। यही उसकी इच्छा है। मैं नहीं जानता।

431 मैं बस आपको बता रहा हूँ कि क्या है। जो भी है, परमेश्वर इसे पूरा करेगा। लेकिन मैं आपको वो बताता हूँ जो मैंने देखा है और जो हुआ है। इसका क्या अर्थ था, मैं नहीं जानता। लेकिन, महाशय, क्या यह अंत हो सकता है? उह!

432 वे लोग अब यहाँ उपस्थित हैं, वे छह लोग जिन्होंने वे सपने देखे थे। क्या यह विचित्र नहीं बात है कि वहाँ सात नहीं थे? क्या यह बहुत ही विचित्र नहीं है? वो छह वहाँ तक ले गए, और उसके बाद तुरंत ही वो दर्शन आया। वे लोग यहाँ पर हैं। भाई जैक्सन, यहाँ पर है, वो एक थे; दूसरे भाई पार्नेल थे; एक और बहन कोलिन्स थी; एक और बहन स्टेफी थी; एक और भाई रॉबर्सन थे; और एक और भाई बीलर थे। और स्वर्गीय पिता जानता है कि इससे संबंधित कोई और सपना नहीं था। और उसके अंत में, एक सातवां... जो कि बहन स्टेफी थी, तुरंत ही वहाँ पर दर्शन सामने आया। आप समझे? आपने देखा मैं यहाँ से क्यों जा रहा हूँ? आपने देखा मुझे क्यों जाना है? मुझे ऐसा करना ही है।

433 और, मित्रो, मेरी ओर मत देखो। मैं आपका भाई हूँ। मेरी ओर ध्यान मत दो, क्योंकि मैं तो बस एक मरणहार हूँ। मुझे तो मरना है जैसे हर किसी को मरना है। आप मेरी मत देखो; लेकिन वो सुनो जो मैंने कहा है। मैंने जो कहा है वही संदेश है। संदेशवाहक की ओर ध्यान मत देना; संदेश को देखना। अपनी दृष्टि को बनाए रखें, ना ही संदेशवाहक पर, लेकिन संदेश पर। इसने जो कहा, यही वो चीज है जिसकी ओर ध्यान देना है।

434 और परमेश्वर हमारी सहायता करे, यही मेरी प्रार्थना है। मैं पसंद नहीं करता हूँ... मैं नहीं आना चाहता था, कि आपको यह बताऊँ, लेकिन मैं आपसे कुछ भी नहीं छिपाऊँगा।

435 अब, जहां तक मुझे पता है, मुझे आपको बताना है। जहां तक मुझे पता है, मैं अगले दो या तीन दिनों में, बुधवार की सुबह को... ट्यूसान के लिए निकल जाऊँगा। मैं ट्यूसान में प्रचार करने नहीं जाऊँगा। मैं वहां प्रचार करने नहीं जा रहा हूँ। मैं अपने परिवार को स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए ट्यूसान जा रहा हूँ, और उसके बाद एक यात्री बन जाऊँगा।

436 मैं फोनिक्स के लिए जा रहा हूँ, उस छोटी सी सभाओ की श्रृंखला को करने के लिए, जो कि शायद लगभग छोटे-छोटे संदेश होंगे। और—और फिर, हो सकता है, मैं नहीं...

437 मैं सोचता हूँ कि वे चाहते हैं कि मैं एक रात कन्वेंशन में प्रचार करूँ। उन्होंने इसके बारे में कभी कुछ नहीं कहा, उन्होंने बस इतना कहा कि मैं वहां पर रहूँ। देखो, यह मेरे लिए बिल्कुल सही दिखाई नहीं पड़ता।

438 और मेरे पास एक वचन है, **यहोवा यों कहता है**, भाई शेकरियन के लिए भी। उह—हुंह। मैं नहीं जानता कि वह इसके बारे में क्या करेंगे, लेकिन मुझे उसे कुछ तो बताना है। मैं नहीं जानता कि वो क्या करेगा। यह उसके ऊपर है। क्या आपने उस अंतिम *आवाज* पर ध्यान दिया? यह किसी संगठन के रूप में नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्होंने अपने मत-सिद्धांत की घोषणा कर दी है। एक संगठन, तब मैं इससे दूर ही रहूँगा। मैं ऐसी चीज से बाहर ही रहता हूँ।

439 अब, अनुमान लगा रहा हूँ, भाई आर्गनब्राइट और भाई रोल, जो सात राष्ट्रपतियों की अधीनता में एक वाशिंगटन के राजदूत रहे हैं, अफ्रीका में होंगे। और भाई रोल, और मैं, और भाई आर्गनब्राइट, उसके तुरंत बाद अफ्रीका में जाएंगे, कुछ सभाओ को करने के लिए वहां दक्षिण अफ्रीका

और तांगानिका में भाई बोज के साथ। और इसी तरह से आगे जायेंगे, और हो सकता है ऑस्ट्रेलिया में से होते हुए, और वहां से होते हुए, वापस आ जाएंगे, यदि प्रभु कुछ तो अलग नहीं करता है। लेकिन, मेरे जाने से पहले, मैं यहां वापस आऊंगा।

440 तब, जब मैं वहां से वापस आता हूं, यदि परमेश्वर ने मुझसे किसी और तरह से बात नहीं करता है, तो मैं परिवार को लेकर और लगभग एंकोरेज, अलास्का की ओर चला जाऊंगा। यह दक्षिणी पश्चिम है; जो कि उत्तर पश्चिम होगा। और फिर उन्हें गर्मियों में वहीं पर रहने दूंगा, जब वहां ट्यूसान में बहुत गर्मी होती है, इतना तक कि यह आपकी खाल को जला देती है। मुझे नहीं लगता कि वे इसे सह पायेंगे। उन्हें अपने घर की इतनी याद आएगी और उनका मन इतना टूट जाएगा! हम इस स्थान को बेच नहीं रहे हैं। यह यहीं पर रहेगा, और घर का फर्नीचर भी यहीं रहेगा। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं।

441 फिर, जब गर्मियां समाप्त होने का समय आता है, यदि प्रभु ने चाहा तो, मैं अलास्का छोड़ना चाहता हूं, और लगभग वहां डेनवर, मध्य पश्चिम की ओर आ जाऊंगा; दक्षिण पश्चिम, उत्तर पश्चिम, मध्य पश्चिम, पुकारते हुए, “हे प्रभु, आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?”

442 इस बीच के समय में, जहाँ तक मुझे पता है, जितने भी संदेश प्रचारित किए जाने हैं, वे सभी यहीं, इसी आराधनालय में किए जाएंगे। यही वो स्थान है जहां पर टेप रिकॉर्ड किए जायेंगे। यही वो स्थान है जहां पर मुख्यालय है।

443 और मेरा अपने परिवार के साथ पश्चिम में रहने का कोई इरादा नहीं है। मैं तब तक खोजता रहूंगा जब तक मैं यह ना जान लूं कि परमेश्वर मुझसे क्या करवाना चाहता है।

444 यदि इस वर्ष यह नहीं सुलझाता है, तो, अगले वर्ष, बिना पानी या भोजन के, मैं बाहर रेगिस्तान में चला जाऊंगा, और मैं वहीं रुका रहूंगा जब तक वह मुझे नहीं बुलाता है। मैं इस तरह से आगे नहीं बढ़ सकता। आपको व्याकुल होना ही होगा। आपको उस स्थान तक पहुंचना होगा जहां आप जानना चाहते हैं कि परमेश्वर की इच्छा क्या है। और आप इच्छा को कैसे पूरा कर सकते हैं यदि आप उसकी इच्छा को नहीं जानते हैं?

445 मैं उस दर्शन की पृष्ठभूमि के कारण आगे बढ़ता रहा हूं, “तुमने जो

किया।" देखा? मिशनरी और सुसमाचार प्रचारक के रूप में यहाँ वहाँ जाता हूँ, जब तक कि वो बुलाहट नहीं आती है। वो पहली एक बात याद है, जब हमने कोने का पत्थर को रखा था? "एक सुसमाचारक का काम कर," उसने कहा। ऐसा नहीं कहा, "तुम एक सुसमाचारक हो।" लेकिन, "उस एक काम को कर," शायद जब तक किसी और काम के लिए समय नहीं आता है, कोई और काम का बदलाव नहीं आ जाता। हो सकता है कुछ तो अलग हो। मैं नहीं जानता।

446 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उसके विषय में पूरी तरह निश्चित रहे। इसके विषय में पूरी तरह निश्चित रहे, वे जो प्रभु से प्रेम करते हैं।

वे जो प्रभु की बाट जोहते हैं, वे नए बल को प्राप्त करेंगे,
वे उकाब के जैसे पंखों के साथ ऊपर उँचाई पर उड़ेंगे,
वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे;
ओह, मुझे सिखाए, प्रभु, मुझे सिखाए, प्रभु, बाट
जोहना।

मैं उससे प्रेम करता हूँ। मैं जानता हूँ कि आप भी करते हैं। अब, कल रात...

447 मैं सोचता हूँ कि मैंने इसे काफी स्पष्ट कर दिया है। क्या मैंने किया है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] जितना स्पष्ट मैं जानता हूँ कि इसे कैसे करना है, बस यही सब मैं जानता हूँ। बस यही सब मैं जानता हूँ कि क्या कहना है। और यदि यह मुझ पर किसी बात के लिए प्रकट करता है, तो मैं आपको जल्दी से बताऊंगा। मैं जानता हूँ कि आप जानने के लिए रुचि रखते हैं। मुझे जानने में रुचि है। मैं नहीं जानता कि इसका क्या मतलब था। मैं नहीं जानता कि मैं कहां—कहां पर जा रहा हूँ। मैं—मैं नहीं जानता कि क्या होने जा रहा है। मैं—मैं बस... केवल एक चीज जो मैं जानता हूँ, मैं बस परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा जा रहा हूँ। फिर, वह मुझे बताएगा जब मैं वहां पहुंचूंगा, हो सकता है। लेकिन, अभी जो मेरा भाग है, मुझे जाना है। और हो सकता है मैं वहां दो सप्ताह भी ना रहूँ, जब तक कि मैं कहीं और नहीं जाता हूँ, और हो सकता है यहां वापस आ जाऊँ। यह सही है। मैं नहीं जानता। लेकिन मैं...

448 उस दर्शन में मेरी पत्नी और मेरे बच्चे थे। और यह वही दर्शन वाली

बात थी, मैं एक ढकी हुई गाड़ी में था। और जिस मिनट मैं वहां पर चलकर गया, वहां पर यह था, मैं अपनी लम्बी गाड़ी में था। और इसी तरह से हम कुछ दिनों में निकल जाएंगे, नहीं जानते हुए कि हम कहां जा रहे हैं, नहीं जानते हुए कि हम क्या करने जा रहे हैं, जब हम वहां पहुंचेंगे, बस हम जा रहे हैं।

449 परमेश्वर हमारे लिए अनोखा है, क्योंकि उसके मार्ग समझ से परे है। वो आज्ञा का पालन चाहता है।

“तुम कहाँ जा रहे हो? ”

“यह पूछना तुम्हारा काम का नहीं है। बस चलते रहो।”

“प्रभु, आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं? ”

450 “यह तुम्हारा कोई मतलब नहीं है। तुम मेरे पीछे चलो।” उह-हुंह। उह-हुंह। “बस चलते रहो।”

“मैं कहां पर रुकूं? ”

“इससे तुम्हें क्या लेना-देना है? बस चलते रहो।”

इसलिए, यहां मैं यीशु मसीह के नाम में आगे बढ़ता हूं। उह-हुंह।
आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

मैं... (वह मेरा जीवन है।) मैं... (वह सब जिसके लिए
मैं जीता हूं!)
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

451 महाशय, क्या यह समय है? [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं, मैं उससे प्रेम करता हूं—सम्पा।] और जब कि हम इसे फिर से गाते हैं, तो अपने पास खड़े हुए किसी से हाथ को मिलाए। कहे, “भाई, बहन, मेरे लिए प्रार्थना करना। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा।”

मैं...

452 मेरे लिए प्रार्थना करना, भाई नेविल। [भाई नेविल कहते हैं, “भाई, मैं इसे करूंगा। आप मेरे लिए प्रार्थना करें, भाई। धन्यवाद।”] बहुत ही सच्चा! [कोई कहता है, “परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई ब्रन्हम।”] मेरे लिए प्रार्थना करना, भाई। मेरे लिए प्रार्थना करना, बहन। मेरे लिए प्रार्थना करना।

... मुझसे
और खरीद...

453 प्रार्थना करे, मेरे लिए प्रार्थना करना, ... ? ... मेरे लिए प्रार्थना करना, ... ? ... मेरे लिए प्रार्थना करना, ... ? ... मेरे लिए प्रार्थना करना।

... कलवरी के पेड़।
क्योंकि मैं...

आइए अब अपने हाथों को उसकी ओर उठाए।

... मैं प्रेम करता हूँ... (सच्चा प्रेम!)
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

जी हाँ, मैं... (अपने पूरे हृदय से!)

454 आप जारी रखे, भाई नेविल। मैं पीछे जा रहा हूँ। सभा के समय की घोषणा करें। 

62-1230E महाशय, क्या यह अंत समय का चिन्ह है?

ब्रह्म टेबरनेकल

जेफ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE

19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM

CHENNAI 600 034, INDIA

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. Box 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE

19 (New No: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM

CHENNAI 600 034, INDIA

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. Box 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

www.branham.org